जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

चूरू

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 17 संख्याः 162 प्रभात चूरू, बुधवार 8 अक्टूबर, 2025 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

राहुल गांधी की अनुपस्थिति में कांग्रेस की केन्द्रीय चुनाव समिति की बैठक होगी

यह बैठक बिहार के प्रथम चरण के चुनाव के उम्मीदवारों के चयन के लिए आयोजित की गई है

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के उम्मीदवारों को अंतिम रूप देने के लिए कांग्रेस की केन्द्रीय चुनाव समिति (सैन्ट्रल इलैक्शन कमेटी-सीईसी) की मीटिंग कल आयोजित की जाएगी। इस बैठक में राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे, दोनों मौजूद नहीं होंगे।

- राहुल व खड़गे ज़ूम के मार्फत बैठक में शामिल होंगे। जैसा कि विदित है, राहुल बीस दिन की साउथ अमेरिका की यात्रा पर गये हैं और नौ अक्टूबर को ही लौटेंगे। पर, थोड़ी अटपटी बात यह है कि महागठबंधन अभी तक यह भी निश्चित नहीं कर पाया है कि उसकी घटक पार्टियों में कौन कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेगा।
- अपुष्ट समाचारों के अनुसार कांग्रेस 50-55 सीटों पर ही उम्मीदवार खड़ा करेगी। यह संख्या गत चुनावों की संख्या से कम है। विचारणीय बात यह है कि बिहार के चुनावों में किसी भी कीमत पर जीत हासिल करना भाजपा के लिए अतिआवश्यक है। इस अवसर पर राहुल गांधी ने साउथ अमेरिका की यात्रा का प्रोग्राम क्यों बनाया। दूसरी ओर भाजपा ने दिवाली के अवसर पर चुनाव के मध्य पैसा, शराब आदि वितरित करने का कार्यक्रम तय कर लिया है।

राहुल गांधी इन दिनों दक्षिण अमेरिका के 20 दिन के दौरे पर हैं और वे 9 अक्टूबर को ही दिल्ली लौटने वाले हैं। जो नेता बैठक में शामिल नहीं हो पाएंगे, उनके लिए यह बैठक ज़ूम पर आयोजित की जाएगी।

लेकिन असली समस्या यह है कि महागठबंधन अब तक यह तय नहीं कर पाया है कि कौन सी पार्टी कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेगी। यह मुद्दा अभी पूरी तरह खुला हुआ है।

कांग्रेस के लिए सीटों की संख्या 50 से 55 के बीच मानी जा रही है, जो पिछले विधानसभा चुनाव में लड़ी गई सीटों से कम है।

महत्वपूर्ण यह है कि राहुल गांधी इतने अहम बिहार चुनावों पर ध्यान एवं समय देने के बजाय, दक्षिण अमेरिका के दौरे पर क्यों गये, जबकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस चुनाव को हर कीमत पर जीतना चाहते हैं।

इसके साथ ही, कांग्रेस पार्टी ने अभी तक महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के प्रत्याशी के रुप में तेजस्वी यादव का समर्थन नहीं किया है। कांग्रेस पार्टी के एक नेता ने बयान दिया है कि इंडिया ब्लॉक मुख्यमंत्री उम्मीदवार पर फैसला एक बैठक के बाद सामूहिक रूप से करेगा।

विपक्ष के सामने मुश्किलों का अम्बार है, जबकि भाजपा पूरी तैयारी के साथ मैदान में उतर चुकी है, और चर्चा है कि वह दीवाली से पहले मतदाताओं को लुभाने के लिए बड़े पैमाने पर धन और शराब बांट सकती है और इधर, विपक्ष अब तक सीट बंटवारे को ही अंतिम रूप नहीं दे पाया है, जिससे चुनावी मुकाबले में उसकी स्थिति कमजोर होती दिख रही है।

तीन अमेरिकी वैज्ञानिकों को भौतिकी का नोबेल पुरस्कार

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर। भौतिकी में नोबेल पुरस्कार की घोषणा हो चुकी है। जॉन क्लार्क, मिशेल माइकल डेवोरेट और जॉन एम. मार्टिनिस को क्वांटम मैकेनिक्स में खोज के लिए नोबेल प्राइज से नवाजा जाएगा। नोबेल पुरस्कार पाने वाले तीनों अमेरिकी वैज्ञानिक हैं। स्वीडन की रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने इसकी घोषणा की है।

- जॉन क्लार्क, मिशेल डेवोरेट तथा जॉन मार्टिनिस को यह पुरस्कार क्वांटम मैकेनिक्स की खोज के लिये दिया गया है।

भौतिकी का नोबेल पुरस्कार 2025 कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी, बर्कले के जॉन क्लार्क, येल यूनिवर्सिटी और कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, सांता बारबरा के मिशेल एच. डेवोरेट और कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, सांता बारबरा के जॉन एम. मार्टिनिस को प्रदान किया जाएगा।

रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने "इलेक्ट्रिक सर्किट में मैक्रोस्कोपिक क्वांटम मैकेनिकल टनलिंग और ऊर्जा क्वांटीकरण की खोज" के लिए उनके अग्रणी कार्य को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'राजनीति में मेरा महत्व उतना ही है जितना सब्जी में नमक'

पासवान ने गर्व से कहा, हर चुनाव क्षेत्र में मेरे बीस-पच्चीस हज़ार वोट हैं, जिन्हें मैं अपनी इच्छानुसार किसी भी उम्मीदवार के पक्ष में डलवा सकता हूँ

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7, अक्टूबर। लोक जनशक्ति पार्टी (एलजेपी) के सूत्रों ने मंगलवार को कहा कि अगले महीने होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव के लिए चिराग पासवान और प्रशांत किशोर का गठबंधन बनना संभव है, क्योंकि राजनीति में "दरवाज़े हमेशा खुले रहते हैं।"

चिराग पासवान और चुनाव रणनीतिकार से नेता बने प्रशांत किशोर के साथ आने की चर्चा सीट बंटवारे को लेकर एलजेपी और सत्तारूढ़ भाजपा के बीच चल रही बातचीत के बीच सामने आई है।

सूत्रों के मुताबिक, पासवान बिहार की 243 विधानसभा सीटों में से 40 सीटें चाहते हैं। उनका यह दावा पिछले साल लोकसभा चुनाव में 100 प्रतिशत सफलता (5 में से 5 सीटें जीतने) पर आधारित है, जबकि भाजपा उन्हें सिर्फ 25 सीटें देने के पक्ष में है।

राजनीतिक दृष्टि से देखें तो बिहार की मुख्यधारा राजनीति में दोनों ही विकल्प अप्रत्याशित हैं। हालांकि, एलजेपी को इससे अधिक सीटों पर चुनाव लड़ने का मौका तो मिल सकता है, लेकिन किसी नए उम्मीदवार (प्रशांत किशोर) से गठबंधन करना पासवान की मुख्यमंत्री बनने की आकांक्षा में शायद ज़्यादा मददगार नहीं होगा।

- भाजपा का मानना है कि पासवान मोदी भक्त हैं और मोदी को छोड़कर कहीं नहीं जाने वाले हैं और उनकी गर्वोक्ति केवल भाजपा पर दबाव बनाने की रणनीति का हिस्सा है। जैसा कि विदित ही है, पासवान चालीस टिकट मांग रहे हैं और भाजपा बीस-पच्चीस देने को राजी है। पासवान समर्थकों का दावा है कि पासवान किसी भी पार्टी का साथ दे सकते हैं जो उनको मुख्यमंत्री पद के करीब लाने में काम आ सकती है और इसीलिये पासवान और प्रशांत किशोर एक हो सकते हैं, यह भी चर्चा है।

हालाँकि, एलजेपी को उम्मीद है कि प्रशांत किशोर के साथ गठबंधन की चर्चा भर से ही भाजपा पर सीट बंटवारे को लेकर दबाव बनाया जा सकेगा। पार्टी सूत्रों ने बताया कि एलजेपी "सम्मानजनक सीटें" पाने पर अड़ी हुई है।

पासवान ने यह भी कहा था, "मैं सार्वजनिक रूप से इन बातों का खुलासा नहीं करना चाहूँगा, यह गठबंधन की नैतिकता के ख़िलाफ़ होगा, यह बताते हुए कि भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन से सीट-बंटवारे की औपचारिक बातचीत शुरू नहीं हुई है।

भारतीय राजनीति के रंगमंच पर पासवान ने अपने सहयोगियों को एक अप्रत्यक्ष चेतावनी भी दी, "मैं सब्ज़ी पर नमक की तरह हूँ... मैं हर विधानसभा क्षेत्र में 20 से 25 हज़ार वोट प्रभावित कर सकता हूँ।" उन्होंने यह भी जोड़ा कि "मैं गठबंधन का हिस्सा हूँ, लेकिन मेरे पास बाहर निकलने का विकल्प हमेशा खुला है।"

भाजपा ने इस "चेतावनी" को ज़्यादा गंभीरता से नहीं लिया। पार्टी के सूत्रों ने कहा कि पासवान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वफ़ादार सहयोगी हैं, और उनका यह बयान एलजेपी के भीतर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जीतन राम मांझी की पार्टी के कई प्रमुख नेता प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी में शामिल हुए

आरजेडी के प्रमुख मुस्लिम नेता अब्दुल बारी सिद्दीकी व जदयू के दो बड़े नेता भी प्रशांत किशोर की पार्टी में शामिल हुए, यही रास्ता कांग्रेस नेता प्रतिभा सिंह ने भी चुना

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर। अगले महीने होने वाले बिहार विधानसभा चुनावों का नतीजा अब इस सवाल पर निर्भर करता दिख रहा है कि जन सुराज पार्टी (जेएसयूपीए) के संस्थापक प्रशांत किशोर अपनी लोकप्रियता को वोटों में बदल पाएंगे या नहीं।

- दोनों बड़े प्रमुख गठबंधन, एनडीए व इंडिया गठबंधन, पहली बार चिंतित हैं कि प्रशांत किशोर क्या वाकई में बिहार चुनाव को त्रिकोणात्मक बना देंगे।

भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर एनडीए नेताओं पर निशाना साधते हुए सोशल मीडिया पर काफी बड़ा अभियान चलाने के बाद, अब प्रशांत किशोर वास्तविक राजनीति के मुद्दों पर ध्यान केन्द्रित करते दिख रहे हैं। कुछ दिन पहले उन्होंने जीतन राम मांझी की पार्टी "हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (सेक्युलर)" को बड़ा झटका देते हुए, उस पार्टी के कई प्रमुख नेताओं को अपने साथ जोड़ लिया। इनमें मांझी की पार्टी के अनुसूचित जाति-जनजाति प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश्वर मांझी, राष्ट्रीय महासचिव डॉ. शशि यादव, प्रदेश महासचिव लक्ष्मण मांझी, प्रदेश युवा सचिव राकेश कुमार सिंह और गया जिला परिषद सदस्य पार्वती देवी शामिल हैं। हाल ही में उन्होंने आरजेडी के, हाशिए पर पड़े वरिष्ठ नेता अब्दुल बारी सिद्दीकी से भी मुलाकात की, जिससे अटकलें लगने लगीं कि वे जन सुराज पार्टी में शामिल हो सकते हैं और संभव है कि उन्हें उम्मीदवार भी बनाया जाए।

पिछले महीने जेडीयू के दो नेता, दसई चौधरी और भुवन पटेल, भी जन सुराज पार्टी में शामिल हुए थे। दसई चौधरी पूर्व मंत्री और सांसद हैं, जबकि भुवन पटेल मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पुराने सहयोगी हैं और जेडीयू की प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य भी रहे हैं। इससे पहले कांग्रेस नेता प्रतिभा सिंह भी इस पार्टी में शामिल हो चुकी हैं।

चुनाव के मौसम में नेताओं का दल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मानवाधिकार आयोग ने ट्रोमा सैन्टर अग्निकांड का प्रसंज्ञान लिया

जयपुर, 7 अक्टूबर। राज्य मानवाधिकार आयोग ने एसएमएस अस्पताल के ट्रोमा सेंटर में हुए अग्निकांड से आठ मरीजों की मौत सहित, बालकों को खांसी का सिरप देने और मृत बालक की आंख निकालने के मामले में स्वप्रेरित प्रसंज्ञान लिया है। वहीं, आयोग ने इन सभी घटनाओं पर एसएमएस अस्पताल के अधीक्षक व प्राचार्य सहित, राज्य के मुख्य चिकित्सा सचिव, जिला मजिस्ट्रेट, जयपुर पुलिस कमिश्नर और सीएमएचओ प्रथम व द्वितीय से जवाब देने के लिए कहा है। आयोग ने इन्हें कहा है कि वे इन सभी घटनाओं की बिन्दुवार प्रगति रिपोर्ट पेश

- आयोग ने बालकों को अमानक कफ सिरप देने तथा मृत बालक की आँख निकालने के मामले में भी अधिकारियों से जवाब मांगा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'मुझे न लोभ है न पश्चाताप, मुख्य न्यायाधीश पर जूता फेंकने की घटना से'

'मुख्य न्यायाधीश उच्चतम संवैधानिक आसन पर विराजते हैं, उनका हिंदू धर्म पर हल्की टिप्पणी करना शोभा नहीं देता'

- डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर। सुप्रीम कोर्ट के अन्दर भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) बी. आर. गवई पर जूता फेंकने की घटना के एक दिन बाद, निलंबित वकील राकेश किशोर ने अपने इस कदम पर कोई पछतावा नहीं जताया। उन्होंने कहा कि उन्हें "कोई अफसोस नहीं" है और यह कदम सीजेआई की उन टिप्पणियों के प्रतिक्रियास्वरुप था, जो उन्होंने मध्य प्रदेश के खजुराहो मंदिर परिसर में भगवान विष्णु की मूर्ति के पुनर्निर्माण और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की बुलडोजर कार्रवाई से जुड़े एक केस में की थीं।

- निष्कासित अधिवक्ता राकेश किशोर 2009 से दिल्ली की बार काउंसिल के सदस्य हैं, वो सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन, शाहदरा बार एसोसिएशन के भी पुराने सदस्य हैं। उन्होंने ऑल इंडिया लॉयर्स यूनियन द्वारा उनके कृत्य के विरोध में प्रोटेस्ट आयोजित करने के बारे में कहा कि केवल सात वकीलों ने इसमें भाग लिया था, इससे यह साबित होता है कि अधिकांश वकील मेरे कृत्य के समर्थन में हैं।

राकेश ने कहा, "16 सितंबर को सीजेआई की अदालत में एक जनहित याचिका दायर की गई थी। सीजेआई ने उसका मजाक उड़ाते हुए कहा, "जाओ, मूर्ति से कहो कि वह खुद अपना सिर जोड़ ले।" उन्होंने कहा, "जब भी हमारे सनातन धर्म से जुड़ा कोई प्रकरण आता है, सुप्रीम कोर्ट ऐसे ही आदेश देता है। याचिकाकर्ता को राहत मत दो, लेकिन उसका मजाक तो मत उड़ाओ... मुझे बहुत ठेस पहुंची थी।" उन्होंने मीडिया से कहा कि ऐसे कई और भी मुद्दे हैं, जिनसे वे आहत हैं।

उन्होंने एक्स (पूर्व ट्विटर) पर दोहराया, "मेरी सुप्रीम कोर्ट से अपील है, "हमारे भगवान और हिंदू धर्म का मजाक मत उड़ाइए। मैं आहत हुआ था। मैं नशे में नहीं था, यह उनकी क्रिया पर मेरी प्रतिक्रिया थी। मुझे डर नहीं है और न ही मुझे अपने किये का कोई पछतावा है।"

जब उनसे पूछा गया कि उन्होंने अनुसूचित जाति से आने वाले सीजेआई गवई को क्यों निशाना बनाया, तो किशोर ने कहा, "मेरा नाम डॉ. राकेश किशोर है, क्या कोई बता सकता है कि मेरी जाति क्या है? हो सकता है कि मैं दलित हूं। यह एकतरफा बात है कि आप उनका (सीजेआई गवई का) बचाव इस आधार पर कर रहे हैं कि वे दलित हैं।" किशोर ने जोर देते हुये कहा कि सीजेआई दलित नहीं है। उन्होंने कहा, "वे पहले सनातनी हिंदू थे, बाद में बौद्ध धर्म अपना लिया। अगर उन्होंने हिंदू धर्म छोड़ दिया है, तो वे दलित कैसे रहे? यह सोच का सवाल है।"

अपने कदम के असर के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में किशोर ने कहा, "जजों को अपनी संवेदनशीलता पर काम करना चाहिए। लाखों मामले लंबित हैं। मैं माफी नहीं मांगूंगा, और न अफसोस व्यक्त करूंगा। मैंने कुछ नहीं किया, जो आप मुझसे प्रश्न कर रहे हैं। भगवान ने मुझसे यह करवाया।"

उन्होंने आगे कहा, "सीजेआई को सोचना चाहिए कि जब वे इतने ऊंचे संवैधानिक पद पर बैठे हैं, तो 'माइलॉर्ड' शब्द की गरिमा को समझें और उसे बनाए रखें। आप मॉरीशस जाकर कहते हैं कि देश बुलडोजर से नहीं चलेगा। मैं

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जयपुर-अजमेर हाईवे पर सिलेंडरों से भरे ट्रक में लगी भीषण आग

जयपुर, 07 अक्टूबर। जयपुर-अजमेर हाईवे पर दूदू क्षेत्र के सावरदा पुलिया के पास भीषण हादसा हो गया, जहां गैस सिलेंडरों से भरे एक ट्रक में भीषण आग लग गई। यह दुर्घटना मंगलवार देर रात हुई जब एक ट्रेलर ने ट्रक को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर के तुरंत बाद ट्रक में आग लग गई और

- हादसे में 7 वाहन आग की चपेट में आ गये और कई राहगीर घायल हो गये।

सिलेंडर फटना शुरू हो गए। धमाकों की आवाजें कई किलोमीटर दूर तक सुनाई दीं और 200 मीटर तक सिलेंडर उछलते नजर आए। इस हादसे में 7 वाहन आग की चपेट में आ गये, और कई राहगीर घायल हो गये।

तेज धमाकों के चलते हाईवे के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ब्लूचिस्तान व खैबर पख्तूनख्वा रैयर अर्थ खनिजों का अमेरिका से अनुबंध करना अभिशाप बनेगा या वरदान पाकिस्तान के लिए

भय यह है कि केवल खनिज सप्लाई करके पाकिस्तान एक रिसोर्स सप्लायर कॉलोनी बनकर तो नहीं रह जाएगा

-सुकुमार साह---
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7, अक्टूबर। 21वीं सदी को ऊर्जा देने वाले खनिजों पर नियंत्रण के लिए संघर्षरत दुनिया में अब पाकिस्तान भी उतर आया है। उसने अमेरिका की कंपनी, यू.एस. स्ट्रैटेजिक मेटल्स के साथ 500 मिलियन डॉलर का समझौता किया है। कई लोग इसे पाकिस्तान की आर्थिक दशा बदलने वाला कदम बता रहे हैं। समर्थक इसे औद्योगिक पुनरुत्थान और वैश्विक प्रभाव का पासपोर्ट कह रहे हैं, लेकिन जहाँ वॉशिंगटन नई आपूर्ति लाइनों पर और इस्लामाबाद त्वरित लाभ की ओर देख रहा है, असली सवाल यह उठता है, क्या पाकिस्तान वास्तव में नया भविष्य बना रहा है या फिर आज की वाहवाही के लिए कल के लाभ त्याग रहा है?

"रेयर अर्थ" खनिज आधुनिक तकनीक की रीढ़ हैं, ये इलेक्ट्रिक वाहनों, पवन ऊर्जा टर्बाइन, स्मार्टफोन और उन्नत हथियार प्रणालियों के लिए जरूरी होते हैं। इन खनिजों के खनन और रिफाइनिंग (शुद्धिकरण) पर नियंत्रण वैश्विक प्रभाव को परिभाषित करता है। चीन वर्तमान में लगभग 80 प्रतिशत रिफाइनिंग क्षमता पर कब्जा रखता है, और अमेरिका इस निर्भरता को घटाने के लिए नए साझेदार खोज रहा है। पाकिस्तान के बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा में ऐसे खनिजों के भंडार हैं, और इस्लामाबाद इसे अवसर के रूप में देख रहा है। लेकिन इतिहास बताता है कि जो देश कच्चे खनिज बेचकर समृद्धि के सपने देखते हैं, वे अक्सर नतीजों की तुलना में केवल सुर्खियों में ही ज्यादा अमीर बनते हैं।

विपक्षी दलों और अर्थशास्त्रियों ने पहले ही सावधानी बरतने की सलाह दी है। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने समझौते की पूरी जानकारी सार्वजनिक करने की मांग की है, इसे संसद की अनुमति के बिना किया गया गुप्त सौदा बताया है। पीटीआई प्रवक्ता शेख वक़ास अक़रम ने डॉन अखबार को बताया, "ऐसे समझौतों में राष्ट्रीय संपत्तियों को अल्पकालिक लाभ के लिए गिरवी नहीं रखना चाहिए।" आलोचकों को डर है कि अगर पाकिस्तान केवल कच्चा माल ही निर्यात करता रहा और स्थानीय रिफाइनिंग या मूल्यवर्धन सुनिश्चित नहीं किया, तो वह "संसाधन उपनिवेश" बन जाएगा, जहाँ असली मुनाफा विदेशी कंपनियों को मिलेगा।

- क्योंकि धनाढ्य देश गरीब देशों के खनिज खरीदकर समृद्धि का स्वप्न तो दिखाते हैं तथा फैक्ट्रियाँ, कॉलेज टैक्नॉलजी का वादा तो करते हैं, पर वास्तव में ऐसा बहुत ही कम होता है। रिसोर्स कॉलोनी अपने खनिज तो बेच देती है जिसका लाभ बड़ी-बड़ी कंपनियाँ प्रोसेसिंग करके उठाती हैं। हैडलाइन्स में तो समृद्धि आती है, पर, वास्तव में देश खोखला हो कर रह जाता है।

तथापि, समर्थकों का तर्क है कि इस एमओयू में स्थानीय प्रसंस्करण इकाइयां (लोकल प्रोसैसिंग यूनिट्स) और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण (टैक्नॉलजी ट्रांसफर) की योजना है, जिससे पाकिस्तान आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम बढ़ा सकता है। अगर ऐसा होता है, तो यह समझौता पाकिस्तान को वैश्विक खनिज आपूर्ति श्रृंखला में एक अहम स्थान दिला सकता है और भविष्य में अरबों डॉलर का निवेश आकर्षित कर सकता है। लेकिन विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि केवल कागज़ पर लिखे वादों से कुछ नहीं होता, जब तक उनमें पारदर्शिता और लागू करने की समय सीमा न हो।

अन्य देशों के अनुभव पाकिस्तान के सामने मिसाल हैं। इंडोनेशिया, जो कभी कच्चा निकल निर्यात करता था, ने 2020 में निर्यात पर प्रतिबंध लगाकर विदेशी कंपनियों को अपने देश में स्मेल्टर बनाने के लिए मजबूर किया। आज वही बैटरी धातुओं का वैश्विक केन्द्र है। इसके विपरीत, कांगो गणराज्य विशाल कोबाल्ट भंडार के बावजूद, गरीबी में फंसा हुआ है, क्योंकि मुनाफा विदेशी रिफाइनरों के पास जाता है। पाकिस्तान के सामने भी यही विकल्प है, इंडोनेशिया की तरह औद्योगिक संप्रभुता का रास्ता अपनाए या कांगो की तरह दोहन के चक्र में फंस जाए।

सस्टेनेबल डवलपमैंट पॉलिसी इंस्टीट्यूट (एसडीपीआई) के अर्थशास्त्रियों का कहना है, "टैरिफ और नीतिगत प्रोत्साहन तभी कारगर होंगे, जब वे घरेलू क्षमता निर्माण से जुड़े हों; वरना पाकिस्तान अपने स्ट्रैटेजिक मिनरल्स पर नियंत्रण खो देगा।" अंतरराष्ट्रीय अध्ययन भी बताते हैं और चेतावनी देते हैं कि जो देश केवल खनन तक सीमित रहते हैं, वे कभी रिफाइनिंग या इनोवेशन में प्रतिस्पर्धी बढ़त हासिल नहीं कर पाते, जबकि असली मूल्य वहीं पैदा होता है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अलवर बालिका गृह की अव्यवस्थाओं पर हाई कोर्ट ने रिपोर्ट मांगी

जयपुर, 7 अक्टूबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने अलवर बालिका गृह की अव्यवस्थाओं से जुड़े मामले में बाल अधिकारिता निदेशक को तलब करते हुए तथ्यात्मक रिपोर्ट देने के लिए कहा है। एक्टिंग सीजे एसपी शर्मा व जस्टिस बीएस संधू की खंडपीठ ने यह आदेश मामले में बालिका गृह की बालिकाओं की ओर से

- बालिका गृह की बालिकाओं ने गत दिनों हाई कोर्ट को शिकायती पत्र भेजा था।

भेजे एक पत्र पर लिए गए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान एएजी मनोज शर्मा ने कहा कि संबंधित बालिका गृह को राज्य सरकार साल 2022 तक अनुदान देती थी, लेकिन उसके बाद अनियमितताओं के चलते इसे बंद कर दिया। वहीं, बालिका गृह के संचालक ने ही मिलीभगत कर छात्राओं से

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

**जब जिन्दगी को अपने दिल के गीत सुनाने का मौका नहीं मिलता,
तब वह अपने मन के विचार सुनाने के लिए दार्शनिक पैदा कर देती है।**
–खलील जिब्रान

स्वदेशी माइक्रोचिप: आत्मनिर्भरता की ओर ऐतिहासिक कदम

भारत ने अपनी पहली स्वदेशी चिप बना लेने की घोषणा की है। इसका नाम भारतीय वैज्ञानिक विक्रम साराभाई के नाम पर विक्रम दिया गया है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने पिछले दिनों प्रधानमंत्री मोदी को इसरो द्वारा विकसित 'विक्रम 32-बिट प्रोसेसर' भेंट किया। इसरो की सेमीकंडक्टर लैब में निर्मित यह चिप, अंतरिक्ष प्रक्षेपण यान की चरम स्थितियों में उपयोग के लिए तैयार किया गया यह पहला पूर्णत: भारत में निर्मित प्रोसेसर है। विक्रम चिप को इस हिसाब से बनाया गया है कि वह अत्यधिक तापमान और अंतरिक्ष की विषम परिस्थितियों का सामना कर सके। यह चिप पर्याप्त मात्रा में मेमोरी को संभाल सकती है और रॉकेटों की लॉन्चिंग के लिए जरूरी जटिल निर्देशों का पालन कर सकती है। इन खूबियों की वजह से इस चिप को रक्षा, विमानन, ऑटोमोटिव और ऊर्जा जैसे जरूरी क्षेत्रों में भी इस्तेमाल किया जा सकता है। वैश्विक स्तर पर सेमीकंडक्टर बाजार अब 600 अरब डॉलर का हो चुका है और आने वाले सालों में इसके एक हजार अरब डॉलर से अधिक का हो जाने की उम्मीद है। सेमीकंडक्टर क्षेत्र में भारत के आगे बढ़ने की गति को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि भारत इस एक हजार अरब डॉलर के बाजार में अहम् हिस्सेदारी हासिल कर सकेगा। इस दिशा में 'सेमीकॉन' कार्यक्रम साल 2021 में शुरू किया गया था। 2023 में देश के पहले सेमीकंडक्टर प्लांट को स्वीकृति दी गई। 2024 में कई और प्लांटों को स्वीकृति मिली और 2025 में पांच अन्य परियोजनाओं को भी मंजूरी दी गई। इस समय फिलहाल दस सेमीकंडक्टर परियोजनाएं चल रही हैं, जिनमें 18 अरब डॉलर यानी 1.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश हो चुका है। नोएडा और बेंगलुरु में विकसित किए जा रहे डिजाइन सेंटरों में दुनिया की कुछ सबसे आधुनिक चिपों पर काम हो रहा है जिनमें प्रत्येक चिप में अरबों ट्रांजिस्टर समा सकते हैं। सीजी पावर कंपनी के पायलट प्लांट में इस साल अगस्त में काम शुरू हो चुका है और एक अन्य पायलट प्लांट में काम जल्द ही शुरू होने वाला है। इसके अलावा, टाटा और माइक्रोन के टेस्ट चिपों का पहले से ही उत्पादन हो रहा है। अनुमान है कि इस साल के अंत तक भारत में चिपों का वाणिज्यिक उत्पादन शुरू हो जाएगा। सेमीकंडक्टर चिपों का उत्पादन शुरू करने के उद्देश्य से भारत सरकार ने 2021 में इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम) शुरू किया था। इसके लिए सरकार ने 76 हजार करोड़ रुपये की उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना शुरू की थीजिसके तहत, स्टार्टअप्स और इनोवेटर्स की मदद करने के लिए 23 चिप डिजाइन परियोजनाओं को मंजूरी दी गई।

माइक्रोचिप एक बहुत ही छोटी इलेक्ट्रॉनिक चिप होती है, जिसे इंटीठोटेड सर्किट (आईसी) भी कहते हैं। इसमें हजारों, लाखों या अरबों ट्रांजिस्टर, रेसिस्टर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक घटक एक ही सिलिकॉन के टुकड़े पर बनाए जाते हैं। आसान भाषा में कहें तो माइक्रोचिप एक छोटा-सा दिमाग है जो किसी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण को सोचने-समझने और काम करने की क्षमता देता है। यह ज्यादातर सिलिकॉन से बनाई जाती है और वह आकार में बहुत ही छोटी (कुछ मिलीमीटर की) होती है, लेकिन इसकी क्षमता बहुत ज़्यादा होती है। इसका काम डेटा को प्रोसेस करना, स्टोर करना और निर्देशों के हिसाब से काम करना। इसका उपयोग कंप्यूटर, मोबाइल, टीवी, कार, एटीएम कार्ड, स्मार्टफोन, रोबोट, मेडिकल उपकरण, यहां तक कि पालतू जानवरों की पहचान के लिए भी किया जाता है। माइक्रोप्रोसेसर एक तरह से कंप्यूटर/मोबाइल का दिमाग होता है। इसी प्रकार माइक्रोकंट्रोलर वॉशिंग मशीन, माइक्रोवेव जैसे उपकरणों को भी नियंत्रित करता है। मेमोरी चिप डेटा को स्टोर करती है।

वर्तमान में दुनिया में अगर तेल को ऊर्जा का ईंधन माना जाए तो माइक्रोचिप को आधुनिक तकनीक का वाहक कहा जा सकता है। मोबाइल फोन, कंप्यूटर, इंटरनेट, अंतरिक्षयान, चिकित्सा उपकरण, बैंकिंग व्यवस्था, स्मार्ट कारें और कृत्रिम बुद्धिमत्ता तकहर जगह माइक्रोचिप निर्णायक भूमिका निभाती है। डिजिटल युग में इसकी अहमियत इतनी गहरी है कि बिना माइक्रोचिप के आधुनिक जीवन की कल्पना ही नहीं की जा सकती है। इस पृष्ठभूमि में भारत द्वारा अपनी पहली स्वदेशी माइक्रोचिप 'विक्रम' का निर्माण केवल तकनीकी उपलब्धि नहीं बल्कि आत्मनिर्भरता, राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक संप्रभुता की दिशा में क्रांतिकारी पहल है। 21वीं सदी में जो भी तकनीकी क्रांति हम देख रहे हैं, जैसे 5जी, क्वांटम कंप्यूटिंग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), इंटरनेट ऑफ थिंग्स या स्वचालित वाहन-उन सबका केंद्र माइक्रोचिप ही है। विश्व स्तर पर अमेरिका, ताइवान, दक्षिण कोरिया और जापान इस क्षेत्र में अग्रणी रहे हैं। ताइवान की कंपनी टीएसएमसी और दक्षिण कोरिया की सैमसंग इसकी शीर्ष निर्माता कंपनियां हैं। अमेरिका डिज़ाइन और अनुसंधान में अग्रणी है, जबकि चीन बड़े पैमाने पर उत्पादन पर ध्यान दे रहा है। इस तरह से माइक्रोचिप एक सामरिक तकनीक भी है। यही कारण है कि अमेरिका और चीन के बीच तकनीकी शीतयुद्ध का सबसे बड़ा केंद्र सेमीकंडक्टर उद्योग है।

'विक्रम' की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता इसका पूरी तरह स्वदेशी डिज़ाइन है। स्वदेशी डिज़ाइन होने से साइबर सुरक्षा और डेटा संरक्षण में भी यह मददगार है। कह सकते हैं कि आत्मनिर्भर भारत का यह स्तंभ है। यह भारत को आयात-निर्भरता से मुक्त करने की दिशा में एक निर्णायक कदम है। इससे रक्षा उपकरणों और संवेदनशील क्षेत्रों में विदेशी चिप्स पर निर्भरता खत्म होगी जिससे अरबों डॉलर का विदेशी मुद्रा व्यय बचेगा और देश में निवेश बढ़ेगा। स्वदेशी चिप होने से भारतीय स्टार्टअप और उद्योग नए प्रयोग कर पाएंगे और सेमीकंडक्टर विनिर्माण उद्योग से लाखों युवाओं को रोजगार मिलेगा।

सूचना प्रौद्योगिकी और सॉफ्टवेयर के क्षेत्र में भारत विश्व में अग्रणी रहा है, लेकिन हार्डवेयर निर्माण, खासकर सेमीकंडक्टर में, पिछड़ा हुआ था। भारत की विशाल जनसंख्या और डिजिटल क्रांति के बावजूद अब हम विदेशी माइक्रोचिप पर निर्भर रहे हैं। चाहे वह मोबाइल फोन हो या लैपटॉप, रक्षा उपकरण हो या मेडिकल मशीनरी-सब में आयातित चिप्स का उपयोग होता है। इस निर्भरता की कई समस्याएं रही हैं। हर साल अरबों डॉलर का विदेशी मुद्रा खर्च होती है। रक्षा और संचार क्षेत्र में विदेशी चिप पर निर्भरता जोखिम भरी भी मानी जाती है। भारत में अपनी चिप बनाने के लिए नवाचार की क्षमता लंबे समय तक सीमित रही। इससे आपूर्ति श्रृंखला का संकट भी रहा। कोविड महामारी के दौरान वैश्विक चिप संकट ने भारत सहित पूरी दुनिया को हिला दिया था। यही कारण था कि भारत सरकार ने सेमीकंडक्टर मिशन की शुरुआत की और आत्मनिर्भर भारत अभियान में सेमीकंडक्टर को शीर्ष प्राथमिकता दी। इसी कड़ी में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मद्रास के शक्ति माइक्रोप्रोसेसर प्रोजेक्ट से जुड़े वैज्ञानिकों ने भारत की पहली स्वदेशी माइक्रोचिप 'विक्रम' का विकास किया है। यह उपलब्धि केवल एक तकनीकी परियोजना नहीं बल्कि भारतीय आत्मनिर्भरता की दिशा में मील का पत्थर है। 'विक्रम' चिप का नाम भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के जनक डॉ. विक्रम साराभाई के सम्मान में उचित ही रखा गया है। 'विक्रम' की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता इसका पूरी तरह स्वदेशी डिज़ाइन है। विक्रम को भारतीय शोधकर्ताओं ने डिज़ाइन करके विकसित किया है। यह ओपन-सोर्स आर्किटेक्चर है जो आरआईएससी-वी पर आधारित है, जिससे भविष्य में उस पर स्वतंत्र रूप से विकास संभव है जो इसे वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाएगा। यह किफायती और ऊर्जा दक्ष है अर्थात विक्रम चिप कम ऊर्जा खपत और उच्च प्रदर्शन के साथ कार्य कर सकती है। इसी कारण इसे रक्षा, संचार, शिक्षा, ऑटोमोबाइल और उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स तक में उपयोग किया जा सकता है। स्वदेशी डिज़ाइन होने से साइबर सुरक्षा और डेटा संरक्षण में भी यह मददगार है। कह सकते हैं कि आत्मनिर्भर भारत का यह स्तंभ है। यह भारत को आयात-निर्भरता से मुक्त करने की दिशा में एक निर्णायक कदम है। इससे रक्षा उपकरणों और संवेदनशील क्षेत्रों में विदेशी चिप्स पर निर्भरता खत्म होगी जिससे अरबों डॉलर का विदेशी मुद्रा व्यय बचेगा और देश में निवेश बढ़ेगा। स्वदेशी चिप होने से भारतीय स्टार्टअप और उद्योग नए प्रयोग कर पाएंगे और सेमीकंडक्टर विनिर्माण उद्योग से लाखों युवाओं को रोजगार मिलेगा।

वैश्विक परिप्रेक्ष्य में देखें तो विश्व में सेमीकंडक्टर की मांग लगातार बढ़ रही है। अनुमान है कि 2030 तक यह बाज़ार एक ट्रिलियन डॉलर से भी अधिक का हो जाएगा। भारत इस विशाल अवसर का लाभ उठा सकता है क्योंकि भारत के पास पहले से ही मजबूत आईटी सेक्टर है, प्रचुर मानव संसाधन है, बड़ी घरेलू मांग है और साथ में सरकारी प्रोत्साहन योजनाएं मौजूद हैं। 'विक्रम' चिप का निर्माण भारत को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी बना सकता है। मगर इस राह में चुनौतियां भी कम नहीं है। यहां निर्माण अवसंरचना की कमी है। भारत में बड़े पैमाने पर चिप फैब्रिकेशन यूनिट अभी नहीं हैं। सेमीकंडक्टर उद्योग पूंजी-सघनता वाला उद्योग है। इसमें अरबों डॉलर की आवश्यकता होगी। अमेरिका, चीन, ताइवान और कोरिया इस क्षेत्र में पहले से बहुत आगे हैं। इस अकेले उद्योग के लिए लाखों कुशल इंजीनियरों और तकनीशियनों की भी ज़रूरत होगी। साथ ही वैश्विक राजनीतिक दबाव को भी झेलना होगा क्योंकि सेमीकंडक्टर उद्योग पर भूराजनीतिक खींचतान का असर भारत पर भी पड़ सकता है। भारत को 'विक्रम' जैसी परियोजनाओं को केवल प्रतीकात्मक उपलब्धि न मानकर इसे बड़े पैमाने पर उद्योग में बदलना होगा। इसके लिए सरकार को लंबी अवधि की नीति और वित्तीय सहायता जारी रखनी होगी। साथ ही निजी क्षेत्र और स्टार्टअप को शोध और नवाचार के लिए प्रोत्साहित करना होगा और देश के विश्वविद्यालयों और संस्थानों को सेमीकंडक्टर शिक्षा और प्रशिक्षण पर ध्यान देना होगा। 'विक्रम' केवल एक माइक्रोचिप नहीं, बल्कि भारत की तकनीकी स्वतंत्रता का प्रतीक है। यह भारत को उपभोक्ता से निर्माता और नवोन्मेषक में बदलने का अवसर देता है। जिस तरह 20वीं सदी में अंतरिक्ष और परमाणु ऊर्जा ने राष्ट्रों की ताकत तय की थी, उसी तरह 21वीं सदी में माइक्रोचिप और सेमीकंडक्टर तकनीक यह भूमिका निभाएंगे। भारत का भविष्य इस बात पर निर्भर करेगा कि हम इस अवसर को किस हद तक रणनीतिक दृष्टि से संभालते हैं। अगर 'विक्रम' को उद्योग, शिक्षा और नीतिगत स्तर पर व्यापक सहयोग मिले तो यह न केवल भारत की तकनीकी दिशा बदलेगा बल्कि विश्व मंच पर भारत को अग्रणी स्थान दिला सकता है।

**–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)**

भारतीय भाषा-भावों का संरक्षक "राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ"

डॉ. निमिषा गौड़

भाषा मनुष्य के विचारों और भावनाओं को व्यक्त करने का सबसे सुंदर माध्यम है। यही वह साधन है जो हमें अपने लक्ष्य तक पहुंचने का रास्ता दिखाता है। भाषा के माध्यम से ही व्यक्ति अपने परिवार, समाज और राष्ट्र से जुड़ता है। और यही जुड़ाव पूरी दुनिया के देशों को एक भावनात्मक सूत्र में बांध देता है। किसी भी क्षेत्र की भाषा, वहां की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक परंपराओं का सजीव प्रतिबिंब होती है। यह हमारी विरासत की अभिव्यक्ति करती है और जनमानस को अपनी जड़ों से जोड़ती है। भाषा के माध्यम से विचार प्रकट होते हैं और यही जुड़ाव राष्ट्र की पहचान बन जाता है। यही पह्चान राष्ट्र के विकास की आधारशिला होती है। भारत वासियों की भाषा और विचार, हमारी सनातन संस्कृति और सभ्यता की अमूल्य देन हैं। भारतीयों की राष्ट्रीय एकात्मता हमारी सांस्कृतिक धरा के साथ अनादिकाल से प्रवाहित होती आ रही है। इस सांस्कृतिक प्रवाह में संस्कृत को सभी भारतीय भाषाओं की जननी माना गया है। समय के साथ भारत में अनेक भाषाओं का उद्भव हुआ- जैसे हिन्दी, बंगला, मराठी, गुजराती, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, ओड़िया और असमिया आदि। इन्हीं भाषाओं की समृद्ध परंपरा में हिन्दी ने एक ऐसी कड़ी के रूप में स्थान प्राप्त किया है, जिसने उत्तर से दक्षिण और पूरब से पश्चिम तक पूरे देश को संवाद के सूत्र में बांधा।

हिंदी नवजागरण के अग्रदूत भारतेंदु हरिश्चंद्र ने लिखा है–

**निज भाषा उन्नति अहै,
सब उन्नति को मूल।
बिना निज भाषा ज्ञान के,
मिटै न हीय को शूल॥**

उक्त प्रचलित पंक्तियों के भावों में अपनी मातृ भाषा के विकास से सभी प्रकार की उन्नति का मूल आधार है। अपनी भाषा के ज्ञान के बिना ह्रदय की पीड़ा को दूर नहीं किया जा सकता है।

भारत में विदेशी आक्रांताओं ने न केवल हमारी भूमि पर अधिकार जमाने का प्रयास किया, बल्कि हमारी संस्कृति, भाषा और सामाजिक एकता पर भी चोट की। मुग़ल, अफ़ग़ान और अंग्रेजों के शासनकाल में भाषाओं को कभी सांस्कृतिक नियंत्रण का माध्यम बनाया गया तो कभी प्रशासनिक कामकाज में उनकी सीमाएँ तय की गईं। अंग्रेजों ने खास तौर पर "फूट डालो, राज करो" की नीति अपनाई। उन्होंने उत्तर और दक्षिण, हिंदी और द्रविड़ भाषाओं के बीच मतभेद पैदा करने की कोशिश की। सरकारी कामकाज और शिक्षा में हिंदी या स्थानीय भाषाओं की जगह अंग्रेज़ी को प्रोत्साहित किया गया, जिससे आम जनता का संवाद बाधित हुआ और राष्ट्रीय एकता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा।

आज भी दुर्भाग्यवश, कुछ राजनीतिक दल और व्यक्तियों ओछी मानसिकता और व्यक्तिगत लाभ के लिए भाषा के मुद्दे को हवा देते रहते हैं। वे इस प्रकार की बहसों को उभारकर समाज में दरार डालने का प्रयास करते हैं। लेकिन भारत की सांस्कृतिक विरासत और लोगों की समझदारी ने हमेशा इन प्रयासों को नाकाम किया है।

वर्ष 1925 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना सर्वे भवन्तु सुखिन: के भाव से हिंदू समाज को संगठित करने के निहित की गई। भारतीय संस्कृति और संस्कारों का वाहक संघ का स्वयंसेवक उत्तर-दक्षिण ओर पूर्व पश्चिम में प्रांतीय भाषाओं में संवाद के साथ साथ मातृ भाषा का संरक्षक भी बना।द्ध

संघ की शाखाओं ओर बैठकों में संवाद का माध्यम स्थानीय भाषाएं ही रही। यह परंपरा सौ वर्ष बाद यथावत है। संघ ने प्रारंभ से ही भारत की सभी भाषाओं को राष्ट्र की एकात्मक समृद्धि का आधार स्तंभ माना। संघ का स्पष्ट मत है कि भारत की सभी स्थानीय-भाषाएं राष्ट्रीय भाषाएं हैं। कोई भाषा क्षेत्रीय या कमतर नहीं है। राज्यों की भाषाएं सम्मान की पात्र हैं और उन्हें बढ़ावा मिलना चाहिए। बच्चों की शिक्षा की शुरुआत उनकी मातृभाषा या घर की भाषा में होनी चाहिए। इससे समझ बढ़ती है, भाषा-संस्कृति बचती है और बौद्धिक विकास बेहतर होता है। प्रत्येक भारतीय को कम-से-कम तीन भाषाएं आनी चाहिए- मातृभाषा, राज्य की भाषा और एक सम्पर्क भाषा। लोगों को न्याय पाने में भाषा की बाधा नहीं होनी चाहिए। इसलिए अदालतों में, सरकारी आदेशों आदि में स्थानीय भाषाओं का उपयोग बढ़ाया जाना चाहिए।

संस्कृत को भारत की सभ्यता और संस्कृति के मूल को परिभाषित करने वाली भाषा माना जाता है। संस्कृत सभी भारतीय भाषाओं की जननी है। इतना ही नहीं अनेक विदेशी भाषाओं पर भी संस्कृत की छाप दिखाई देती है। संघ ने भाषाओं की जननी संस्कृत को भी उचित स्थान दिया है। संविधान सभा की प्रस्तावना में डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी संस्कृत भाषा को राष्ट्रभाषा बनाने का पक्षधर था, क्योंकि स्वतंत्र भारत के संघर्ष में भाषाई संघर्ष इतना विराट न हो कि भारत की विविधता में एकता का प्रतिनिधित्व करने वाली संस्कृत भाषा का मूल विलुप्त हो जाए। भारतीय संविधान की 8वीं अनुसूची में 22 भाषाओं को ही मान्यता प्राप्त है जबकि देशभर में 1369 बोलिंया-मातृभाषाएं है।

वर्ष 2023 में भारत ने जब जीटू20 सम्मेलन की मेज़बानी की, तब उसने विश्व को "वसुधैव कुटुम्बकम" का संदेश दिया। यह वाक्यांश केवल एक नारा नहीं, बल्कि भारत की प्राचीन सभ्यता और समग्र दृष्टिकोण का प्रतीक है। इसमें पूरे विश्व को एक परिवार मानने की भावना निहित है, जो भारतीय संस्कृति की मूल आत्मा है। यह महान विचार संस्कृत भाषा की उसी समृद्ध शब्दावली से उत्पन्न हुआ है, जिसने सदियों से मानवता, एकता और सार्वभौमिक भाईचारे का संदेश दिया है।

भारत के भाव भारतीय भाषा में ही सच्चे प्रतीत होते हैं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉक्टर मोहन भागवत कहते हैं कि संघ के पास भारत की सभी भाषाओं के उत्कृष्ट गीत है इनकी संख्या लगभग 25-30 हज़ार है। संघ विरोधी साने गुरुजी का गीत "बलसागर भारत होवे" को भी संघ ने अपने मूल गीतों में शामिल किया है। वे कहते हैं कि साने संघ विरोधी थे किन्तु सच्चे देशभक्त रहे, इसी आधार पर संघ ने इस गीत को शामिल किया। इसी तरह जननी जन्मभूमि स्वर्ग से महान है गीत को सिनेमा में गाया गया है। इसे भी संघ गीतों में शामिल किया गया, क्योंकि इस गीत के पीछे भावना देश प्रेम और समर्पण की रही है।

संघ की अखिल भारतीय बैठकों में देश के दूर-दराज़ क्षेत्रों से आए स्वयंसेवक कन्नड़, पंजाबी, मराठी, तेलुगु, असमिया, गुजराती, हिंदी, कश्मीरी और राजस्थानी भाषाओं से जुड़े होते हैं। इन विविध भाषाई पृष्ठभूमियों के बावजूद, इन बैठकों में संवाद का संचालन सदैव हिन्दी में किया जाता है। सभी स्वयंसेवक आपसी समझ और सहयोग से सहज रूप में संवाद स्थापित कर लेते हैं।

यह परंपरा वर्षों से चली आ रही है, जो भारतीय भाषाओं के बीच एकता, समरसता और पारस्परिक सम्मान का जीवंत उदाहरण है। दक्षिण भारत में संघ कार्यों में संवाद का प्रमुख आधार स्थानीय भाषाएं होती हैं, जिससे न केवल कार्य की सहजता बढ़ती है बल्कि स्थानीय भाषाओं की पहचान और सम्मान भी सुदृढ़ होता है। संघ ने तमिलनाडु में 'देविगा तमिल संगम' नाम से एक संवाद-संबंधी संगठन की स्थापना की है, जो तमिल भाषी समाज से सीधे जुड़कर संवाद और सहयोग का माध्यम बना हुआ है। उत्तर भारत की तरह, दक्षिण भारत में भी संघ के शिविर आयोजित किए जाते हैं, जिनमें विचार-विमर्श, सांस्कृतिक कार्यक्रम और लोकसंपर्क जैसी गतिविधियां होती हैं।

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भी भारत के उत्कृष्ट विकास में भाषा से जुड़ी बाधाएं बनी रहीं। उस समय भारतीय शिक्षा प्रणाली और शासन-प्रशासन की भाषा में स्थानीय भाषाओं को पर्याप्त स्थान नहीं दिया गया। इसका चिंतन वर्ष 1965 की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा में 'भाषा नीति' नामक प्रस्ताव में रखा गया। जिसमें कहा गया कि देश का प्रशासन हमारी अपनी भाषा में चलाया जाए। विदेशी भाषा राष्ट्र की प्रतिभा को अभिव्यक्त नहीं कर सकती न ही उसके विकास में सहायक हो सकती है। इस तरह संघ के इस प्रस्ताव में भारतीय भाषाओं के प्रयोग को प्रखरता से रखा गया।

वर्ष 2018 में नागपुर में आयोजित प्रतिनिधि सभा के प्रस्ताव में "भारतीय भाषाओं का संवर्द्धन एवं संरक्ष" में यह मत रखा गया कि देश में प्रचलित विविध भाषाएं बोलियां हमारी संस्कृति, उदात्त परंपराओं, उत्कृष्ट ज्ञान, विपुल साहित्य को अक्षुण्ण बनाए रखने के साथ ही वैचारिक नव सृजन हेतु भी परम आवश्यक है। विभिन्न भाषाओं में उपलब्ध लिखित साहित्य की अपेक्षा कई गुना अधिक ज्ञान गीतों, लोकोक्तियों, लोक कथाओं और लोक परम्पराओं के रूप में होता है। आज भारत की अनेक भाषाएं एवं बोलियां विलुप्त हो चुकी है। कई बोलियों का अस्तित्व संकट में है। संघ की प्रतिनिधि सभा का यह मानना है कि देश की विभिन्न भाषाओं तथा बोलियों के संरक्षण और संवर्द्धन के लिए सरकारों अन्य नीति निर्धारकों और स्वैच्छिक संगठनों सहित समस्त समाज को हर संभव प्रयास करने चाहिए।

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में संघ की भाषा संरक्षण की भावना स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। इस नीति में प्राथमिक स्तर पर शिक्षा को मातृभाषा में प्रदान करने का विकल्प दिया गया है। साथ ही, उच्च शिक्षा और तकनीकी क्षेत्रों में भी हिंदी तथा अन्य भारतीय भाषाओं को शामिल किया गया है। इस पहल से विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता में वृद्धि होगी और शिक्षा का दायरा अधिक सुलभ व सार्थक बनेगा। अब भाषा के भेदभाव के कारण उत्पन्न होने वाली कठिनाइयों से भारतवासी मुक्त होंगे।

राजकाज से लेकर शैक्षणिक संस्थानों तक मातृभाषा और राष्ट्रभाषा के प्रयोग का प्रचलन संघ के सतत प्रयासों से बढ़ रहा है। डिजिटल तकनीक और एशियाई युग की संवाद-सुविधाओं ने इस दिशा में नई ऊर्जा प्रदान की है। भारतीय भाषाओं के माध्यम से सुगम संवाद और सर्वसमावेशी विकास की दिशा में भारत आगे बढ़ रहा है। इस नवभारत की नींव में संघ का भाषा संरक्षण का समर्पण अतुलनीय है।

**–डॉ. निमिषा गौड़,
भाजपा नैत्री, अ. प्रोफेसर
कनोड़िया पी. जी. महिला
महाविद्यालय जयपुर।**

माइनिंग सेक्टर प्रोएक्टिव मोड़ पर

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

राजस्थान का माइनिंग सेक्टर प्रोएक्टिव मोड पर आ गया है। प्रदेश में खनिज से जुड़े सभी पहलूओं के योजनावद्ध क्रियान्वयन, समन्वय, प्रबंधन, प्रभावी मोनेटरिंग, एक्सप्लोरेशन, राजस्व, निवेश एवं रोजगार बढ़ोतरी, सस्टेनेबल माइनिंग, माइनिंग सेक्टर में देश दुनिया में हो रहे नवाचार और नवीनतम तकनीक और उसके प्रदेश में उपयोग सहित विभिन्न बिन्दुओं को लेकर विभाग द्वारा उच्चस्तरीय परियोजना मोनेटरिंग इकाई (पीएमयू) का गठन किया है। माना जा रहा है कि प्रदेश में क्रिटिकल एवं स्ट्रेटेजिक खनिजों के साथ ही प्रधान व अप्रधान खनिजों के विपुल भण्डारों को देखते हुए पीएमयू के गठन से खनिज क्षेत्र को और अधिक गतिशील बनाया जाएगा।

इससे खानें जल्दी परिचालन आने के साथ ही निवेश एवं रोजगार के अवसर बढेंगे। वैसे भी आने वाले समय में माइनिंग सेक्टर की भूमिका में बड़ा बदलाव आने लगा है। अमेरिकी राष्ट्रप्रति ट्रंप की छटपटाहट से इसे आसानी से समझा जा सकता है। अमेरिका कभी कनाडा को अमेरिका का राज्य ही बनाने में जुटा है तो यूक्रेन की खनिज संपदा अपने नाम करवाने या रुस पर दबाव बनाने के पीछे धरती के गर्भ में समाई खनिज संपदा ही है। खनिज संपदा पर आज दुनिया के देशों की नजर है। चीन के वर्चस्व का बड़ा कारण उसका आरईई सहित खनिज संपदा पर एकाधिकार ही है और आज चीन के इस वर्चस्व को कम करने में ही जुटे हुए हैं।

खैर यह विषयांतर होगा पर एक बात साफ है कि माइनिंग सेक्टर में मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व व मार्गदर्शन में तेजी से काम होने लगा है और राजथान ऑक्शन सहित रेवेन्यू अर्जन विकास दर आदि में अव्वल हो गया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा माइनिंग सेक्टर में विपुल संभावनाओं को देखते हुए राजस्थान के माइनिंग सेक्टर को देश में अग्रणी राज्य बनाने पर जोर देते रहे हैं। नई खनिज नीति, एम-सेण्ड नीति, रिप्स में सहायता प्रावधान, एमनेस्टी योजना सहित प्रक्रिया के सरलीकरण और खनन क्षेत्र विकास के महत्वपूर्ण कदम उठाये गये हैं। पीएमयू के गठन के साथ ही खनन क्षेत्र से जुड़ी प्रमुख गतिविधियों को 7 सेक्टरों में चिन्हित किया गया है।

प्रमुख सचिव माइन्स रविकान्त का मानना है कि सभी क्षेत्रों में समन्वित व तेजी से विकास के लिए वरिष्ठ अधिकारियों को जोड़ते हुए पीएमयू का गठन किया गया है जिससे योजनावद्ध तरीके से तेजी से आगे बढ़ा जा सके। एक्सप्लोरेशन, ऑक्शन, शीघ्र परिचालन, रिसर्च एवं डव्लपमेंट, जीरो लॉस माइनिंग, इकोटूरिज्म की संभावनाओं, पेपरलेस सहित विभिन्न गतिविधियों का समावेश किया गया है। विभाग के वरिष्ठ व विशेषज्ञ अधिकारियों को प्रभारी अधिकारी बनाया गया है। अतिरिक्त निदेशक मुख्यालय महेश माथुर को नोडल अधिकारी व अधीक्षण अभियंता सतर्कता जयपुर प्रताप मीणा को सहप्रभारी बनाया गया है। अतिरिक्त निदेशक भूविज्ञान आलोक जैन, वित्तीय सलाहकार गिरिश कछारा, अधीक्षण खनि अभियंता एनएस शक्तावत, जयगुरुबख्सानी, अधीक्षण भूवैज्ञानिक सुनील वर्मा, संजय सक्सैना आदि को इन दलों की जिम्मेदारी दी गई है।

खनिज क्षेत्र से जुड़े 7 प्रमुख सेक्टरों में से पहले एक्सप्लोरेशन व ऑक्शन का बनाया गया है। इस दल द्वारां कोमोडिटी, मिनरल ग्रेड, खनन के प्रकार सहित विभिन्न बिन्दुओं पर कार्य करेगी। यह दल जीएसआई सहित तकनीकी विशेषज्ञों से समन्वय बनाते हुए एक्सप्लोरेशन से ऑक्शन आदि संबंधित कार्यों को और अधिक प्रभावी गति दी जा सकेगी। इसी तरह से ऑक्शन किये गये माइनर और मिनरल ब्लॉकों को जल्द से जल्द परिचालन में लाने के लिए संबंधित स्टेक होल्डर्स व खान विभाग सहित संबंधित विभागों से समन्वय बनाते हुए आवश्यक अनुमतियां दिलाने में सहयोग के साथ ही शीघ्र परिचालन में लाने का कार्य करेगी। विभाग का जोर खनन क्षेत्र में राजस्व बढ़ाने और राजस्व में किसी भी तरह की छीजत को रोकना भी है और इसके लिए एक दल को मोनेटरिंग सहित आवश्यक सभी जिम्मेदारियां दी गई है।

डीएमएफटी के कार्य को गति देने और राशि के बेहतर उपयोग की मोनेटरिंग की जिम्मेदारी सौंपते हुए डीएमएफटी फण्ड के अन्य प्रदेशों में उपयोग को लेकर अध्ययन सहित योजना, क्रियान्वयन व मोनेटरिंग का फ्रेमवर्क तैयार करने को कहा गया है। राज्य सरकार का सस्टेनेबल माइनिंग पर जोर रहने के साथ ही बदलते परिवेश में यह आवश्यक भी हो गया है। सस्टेनेबल माइनिंग और ऑटोमेशन और तकनीक सेक्टर दल द्वारा स्टार रेंटिंग, बंद व कार्य नहीं कर रही खानों में इको टूरिज्म की संभावनाओं व क्रियान्वयन, डम्प ओवरवर्डन आदि के रिसाइक्लिंग व उपयोग, श्रेष्ठ कार्य करने वाली खानों को प्रोत्साहित करने के साथ ही विभागीय सिस्टम को नई तकनीक से जोड़ने और पेपरलेस करने की दिशा में कार्य दिया गया है।

इसी तरह से खनिज क्षेत्र में शोध एवं विकास को बढ़ावा देने, अधिकारियों के रिओरियेंटेशन, खनन क्षेत्र से जुड़े स्टेक होल्डर्स व विभाग के बीच साझा मंच उपलब्ध कराने, देश दुनिया में तकनीक में आ रही बदलाव से रुबरु कराने सहित इस तरह के कार्यों के लिए कॉन्क्लेव, सेमिनार, संगोष्ठियां, प्रशिक्षण कार्यक्रम की रुपरेखा व आयोजन का कार्य किया जाएगा।

राज्य सरकार ने पीएमयू गठित कर जिम्मेदारी तय करने के साथ ही सरकार की ईच्छा शक्ति स्पष्ट कर दी है। अब पीएमयू टीम को जी जान से जुटते हुए माइनिंग के सभी क्षेत्रों में अग्रणी बनाने के लिए जुट जाना होगा।

माइनिंग सेक्टर आज देश दुनिया में महत्वपूर्ण सेक्टर हो गया है। ऐसे में राजस्थान सरकार द्वारा प्रोएक्टिव रोल अपनाने की पहल निश्चित रुप से सराहनीय प्रयास माना जाना चाहिए। आशा की जानी चाहिए कि आने वाले समय में राजस्थान का माइनिंग सेक्टर अग्रणी भूमिका निभाने वाला होगा।

**–डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा,
(वरिष्ठ लेखक)**

राशिफल बुधवार 8 अक्टूबर, 2025

पंडित अनिल शर्मा

कार्तिक मास, कृष्ण पक्ष, द्वितीया तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2082, अश्विनी नक्षत्र रात्रि 10:23 तक, हर्षण योग रात्रि 1:33 तक, तैतिल करण सायं 4:08 तक, चन्द्रमा आज मेष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-मेष, मंगल-तुला, बुध-तुला, गुरू-मिथुन, शुक्र-सिंह, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

राजयोग रात्रि 10:28 से सूर्योदय तक है। आज अशून्य शयन व्रत है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:21 तक, शुभ 10:48 से 12:16 तक, चर 3:10 से 4:38 तक, लाभ 4:38 से सूर्योदय तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 6:26, सूर्यास्त 6:03

मेष
मानसिक तनाव से राहत मिल सकती है। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

वृष
मित्रों/रिश्तेदारों के कारण समय खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा। आज घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है।

मिथुन
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

सिंह
शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को मानसिक तनाव हो सकता है।

कन्या
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा में दुर्घटना का भय रहेगा।

तुला
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

वृश्चिक
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

धनु
परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आपसी ईर्ष्या-वैमनस्यता के कारण परेशानी हो सकती है। आज व्यावसायिक आर्थिक मामलों पर ध्यान देना ठीक रहेगा।

मकर
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

मीन
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कैंसर की रोकथाम के लिए जागरूकता बहुत जरूरी : डॉ. शर्मा

चूरू (निसं)। लायंस क्लब समर्पण की ओर से मंगलवार को राजकीय कन्या महाविद्यालय में कैंसर जागरूकता विषय पर स्वास्थ्य चर्चा का आयोजन किया गया। क्लब अध्यक्ष लायन ओम प्रकाश बेरवा ने बताया कि लायंस क्लब इंटरनेशनल द्वारा पूरे विश्व में एक साथ 4 से 11 अक्टूबर तक सेवा सप्ताह सेवांकुर का आयोजन किया जा रहा है, जिसके तहत क्लब द्वारा विभिन्न प्रकार की गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी श्रृंखला में मंगलवार को कन्या महाविद्यालय में कैंसर जागरूकता पर एक स्वास्थ्य चर्चा का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर क्लब के निदेशक लायन डॉ. महेश शर्मा व चेयरमैन स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. उषा कस्वां ने स्त्रियों में होने वाले कैंसर रोगों के कारण और निवारण पर विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर डॉ. उषा कस्वां ने बताया कि महिलाओं में अमूमन दो प्रकार के कैंसर होते हैं जिसमें ब्रेस्ट व सर्वाइकल कैंसर ज्यादा पाए जाते हैं। यदि समय रहते हुये इस पर ध्यान दिया जाये तो इस रोग पर पूर्ण रूप से नियंत्रण पाया जा सकता है। इस अवसर पर डॉ. महेश

लायंस क्लब समर्पण द्वारा कन्या महाविद्यालय में कैंसर जागरूकता पर स्वास्थ्य चर्चा हुई।

शर्मा ने कैंसर जैसी बीमारी की रोकथाम के लिए लोगों को जागरूक होने पर जोर दिया।

इस दौरान डॉ. शर्मा ने छात्राओं से कहा कि सदैव लक्ष्य निर्धारित कर जीवन में आगें बढे, सफलता आपके कदम चूमेगी। लायंस क्लब के प्रांतीय सचिव डॉ. कमल वशिष्ठ ने कहा कि छात्राएं संकोच के कारण अपनी समस्याएं घर पर नहीं बताती हैं, इस कारण बीमारी उग्र रूप ले लेती है, अत: छात्राओं को जागरूक रहते हुए कैंसर के पूर्व रूप लक्षणों को समझते हुए चिकित्सकों से सलाह लेनी चाहिए। क्लब के पूर्व सचिव लायन डॉ. अक्षय शर्मा ने ओरल कैंसर के बारे में विस्तृत जानकारी दी। महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. सी एल वर्मा ने क्लब का धन्यवाद ज्ञापित किया। क्लब उपाध्यक्ष मंगतूराम तंवर ने सेवा सप्ताह के कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर प्रो. नरेंद्र ढाका व विनय कस्वां ने अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया।

दिवाली के बाद ओवरब्रिज का काम शुरू होगा : राजेंद्र भांबू

झुंझुनूं, (निसं)। पुलिस लाइन के पास लंबित पड़े ओवरब्रिज का काम दिवाली के बाद शुरू हो जाएगा। विधायक राजेंद्र भांबू ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इसके लिए आरएसआरडीसी ने लेटर ऑफ एक्सेप्टेंस जारी कर दिया है। जिसके बाद कांट्रेक्टर द्वारा निर्धारित प्रक्रिया 21 दिन में पूरी करने के बाद इसका काम शुरू हो जाएगा। इसलिए दिवाली के बाद कार्य शुरू हो जाएगा।

भांबू ने इसके लिए केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, सूबे की डिप्टी सीएम और पीडब्लूडी मंत्री दिया कुमारी समेत राजस्थान सरकार और भाजपा नेताओं का आभार जताया है। जिन्होंने उप चुनावों में किए गए वादे को पूरा करते हुए तमाम अड़चनों के बावजूद इस कार्य को ना केवल स्वीकृत किया। बल्कि इस कार्य को शुरू करने के लिए भी पहल की है।

भांबू ने बताया कि ओवरब्रिज और आडिटोरियम जैसे ऐसे कई कार्य थे। जो कांग्रेस ने अपने शासन के वक्त और कांग्रेस नेताओं ने मंत्री रहते हुए भी ना तो कभी पूरे करवाए और ना ही इन्हें शुरू करवाने के लिए कोई पहल की। लेकिन प्रदेश की डबल ईंजन सरकार ने उप चुनावों में जो वादा किया था। वो पूरा करते हुए ओवरब्रिज का काम शुरू करवाने की पहल की है। वहीं इस ओवरब्रिज को डबल लेन की बजाय फोर लेन में अपडेट करने का भी निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि उनका प्रयास है कि झुंझुनूं शहर ही नहीं, बल्कि पूरे विधानसभा क्षेत्र में जो काम अधूरे है। वो तो प्राथमिकता के आधार पर पूरे हो। साथ ही राजनैतिक दुर्भावना से दशकों से वंचित क्षेत्रों का भी सर्वांगिण विकास हो।

इस मौके पर भांबू ने बताया कि नगर परिषद में निर्माणाधीन आडिटोरियम के लिए भी बजट स्वीकृत करवा दिया गया है। जिसके अब तक के निर्माण को लेकर भी रिपोर्ट तैयार की गई है। आडिटोरियम का निर्माण भी दिवाली के बाद और इसी साल में शुरू करवाया जाएगा। आडिटोरियम की कार्यकारी एजेंसी भी आरएसआरडीसी को बनाया गया है। इधर, झुंझुनूं शहर के लोगों ने भांबू के प्रयासों से ओवरब्रिज का काम शुरू होने की राह खुलने पर खुशी जताते हुए सरकार का और भांबू का आभार जताया है। आपको बता दें कि सीकर-झुंझुनूं-लोहारू रोड पर यह ओवरब्रिज बनेगा। जिसके लिए 36 करोड़ 09 लाख 87 हजार 632 रूपए का टैंडर कांट्रेक्टर रमेश कुमार बंसल को दिया गया है। जो फोर लेन का ओवरब्रिज बनाएंगे।

सार-समाचार

बालाजी धाम में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

चूरू (निसं)। जिला मुख्यालय के निकटवर्ती ग्राम श्योपुरा के बालाजी धाम में शरद पूर्णिमा महोत्सव हर्षोंल्लास से मनाया गया। इस दौरान मंदिर की रंग-बिरंगे फूलों से व विद्युत लाइटों से भव्य सजावट की गई। मंदिर के पुजारी हरिचरण शर्मा ने बालाजी महाराज की ज्योत प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। गणेश वंदना से कार्यक्रम का आगाज किया गया। हरिचरण शर्मा ने बालाजी ने लाड लडावे माता अंजना, कीर्तन की है रात आदि भजनों की शानदार प्रस्तुतियां दी। देपालसर के अर्जुन पिलानिया ने बजरंग बली मेरी नाव चली, भजन गायकार सांवरमल कथक ने लाल लंगोटा हाथ में गोटा, थारी जय हो पवन कुमार सहित अनेक भजनों की आकर्षक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। पुष्पा शर्मा, हेमा शर्मा सुनीता, अनिता शर्मा, हिसार के सुरेंद्र शर्मा, मुरारी लाल ने नृत्य, कीरताण के गायकार, गोकुलराम शर्मा ने भी भजनों की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर किरताण के महंत बलदेव गिरी महाराज, बीरबल शर्मा, श्योपुरा बालाजी धाम के पुजारी प्रमोद शर्मा, मयंक शर्मा, संदीप शर्मा, महावीर प्रसाद शर्मा, ईशु, मनु शर्मा, उत्तम कुमार बील, श्याम मंदिर के पुजारी भोलाराम काछवाल, दौलत राम गोदारा, प्रेमचंद धायल, ज्योति प्रकाश काछवाल, फतेहपुर बजरंग लाल, राधेश्याम व कैलाश चंद्र नवहाल ने आयोजकीय भूमिका निभाई।

शरद पूर्णिमा महोत्सव मनाया

चूरू (निसं)। स्थानीय सब्जी मंडी स्थित प्राचीन बागला बालाजी मन्दिर में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी शरद पूर्णिमा महोत्सव सोमवार को धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर मंदिर की भव्य सजावट की गई। इस अवसर पर सोमवार रात्रि को मन्दिर प्रांगण में भव्य भजन संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ डॉ. कमल वशिष्ट ने गणेश वंदना से किया। तबले पर संगत ललित व्यास ने की। कार्यक्रम में कोलकाता प्रवासी राम मोहन मंत्री व सुनील सैनी ने आकर्षक भजनों की प्रस्तुति देकर कार्यक्रम में समां बांध दिया। भजन संध्या के बाद कलाकारों का सम्मान किया गया। दिनेश तोषाण व पवन कुमार शर्मा को विजय कुमार बागला, राम मोहन मंत्री को सुरेश कुमार गोटेवाला ने डॉ. प्रमोद बाजोरिया, सुरेश सरावगी, डॉ. सुरेन्द्र शर्मा, शिव कुमार गोयनका, सुरेश किला, विनोद बागला, रविन्द्र शर्मा ने माला पहनाकर, शॉल ओढाकर व प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मान किया। इस दौरान बालाजी महाराज की भव्य आरती की गई। इस अवसर पर प्रो. हेमन्त मंगल, सुशील अग्रवाल, योगेश लोहिया, राकेश गोयल, रूकमानन्द जालुका, सुनील गोयनका, गौरव बागला सहित अनेक महिला-पुरूष उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुशील हारित ने किया।

अमृता हाट नौ से

झुंझुनूं, (निसं)। महिला अधिकारिता विभाग एवं राजीविका झुंझुनूं की ओर से आयोजित अमृता हाट ए फैमिली फेयर का शुभारंभ नौ अक्टूबर 2025 से परमवीर पीरू सिंह स्कूल खेल मैदान झुंझुनूं में होगा। इस दौरान प्रतिदिन विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। जिसमें राज्य के सभी जिलों के स्वयं सहायता समूहों के उत्पाद मिलेंगे। महिला अधिकारिता विभाग के उप निदेशक विप्लव न्यौला ने जानकारी दी कि मेले का शुभारंभ नौ अक्टूबर को भव्य कार्यक्रम के साथ किया जाएगा। 10 अक्टूबर को सुहागन शक्ति करवा चैथ कार्यक्रम, 11 अक्टूबर को विराट कवि सम्मेलन, 12 अक्टूबर को अंतर महाविद्यालय नृत्य प्रतियोगिता तथा 13 अक्टूबर को अन्तर्राष्ट्रीय बालिका दिवस कार्यक्रम आयोजित होगा। इसी क्रम में 14 अक्टूबर को अन्तर्विद्यालय नृत्य प्रतियोगिता, 15 अक्टूबर को सांस्कृतिक संध्या धुन- द रायजिंग स्टार, 16 अक्टूबर को राजीविका महिला समूह नृत्य प्रस्तुतियां, 17 अक्टूबर को महिला स्वयं सहायता समूह सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। कार्यक्रम का समापन 18 अक्टूबर को समापन समारोह के साथ किया जाएगा। न्यौला ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य महिलाओं की प्रतिभा को मंच प्रदान करना, स्थानीय कलाकारों को प्रोत्साहन देना और समाज में महिला सशक्तिकरण की भावना को मजबूत करना है।

वन्य जीव सप्ताह मनाया

लक्ष्मणगढ़ शेखावाटी (निसं)। श्री भगवानदास तोदी महाविद्यालय में वन्य जीव सप्ताह मनाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में वन्य जीवों के प्रति जागरूकता फैलाना और उनके संरक्षण के लिए प्रेरित करना था। प्राचार्य डॉ. एन एस नाथावत ने इस अवसर पर वन्य जीवों के महत्व और पर्यावरणीय संतुलन में उनकी भूमिका पर प्रकाश डाला। साथ ही महाविद्यालय प्रशासक प्रमेन्द्र सिंह शेखावत ने छात्र छात्राओं को पर्यावरण एवं वन्य जीवों के संरक्षण हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा पीपीटी के माध्यम से वन्य जीवों के संरक्षण को विस्तार से समझाते हुए बताया कि जीव न केवल हमारे पर्यावरण का अहम हिस्सा हैं, बल्कि मानव जीवन के लिए भी अतिआवश्यक हैं।कार्यक्रम के समापन पर सभी ने यह संकल्प लिया कि वे वन्य जीवों की रक्षा और पर्यावरण संरक्षण के लिए समाज में जन-जागरण फैलाएंगे।कार्यक्रम का संचालन प्राणी शास्त्र विभाग के सहायक आचार्य डॉ राशिद अली ने किया जबकि विभागाध्यक्ष गुलशन वर्मा ने आभार व्यक्त किया।

आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर का समापन

झुंझुनूं, (निसं)। राजकीय कन्या महाविद्यालय हेतमसर में आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा के निर्देशानुसार चल रहे रानी लक्ष्मी बाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण के द्वितीय चरण का समापन हुआ। महिला पुलिसकर्मी मास्टर ट्रेनर सुलोचना एवं शर्मिला के नेतृत्व में छात्राओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण प्रभारी सहायक आचार्य वंदना कुमारी ने बताया कि 17 दिन तक चले इस प्रशिक्षण में छात्राओं को संम्भावित खतरों से निपटने और अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण तकनीकों की जानकारी दी गई। ताकि छात्राओं में सुरक्षित, स्वस्थ एवं भयमुक्त वातावरण का निर्माण हो। प्रशिक्षण में 150 छात्राओं को शारीरिक आत्मरक्षा, मानसिक सुरक्षा एवं कानून की विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण शिविर का आयोजन नौ सितंबर से छह अक्टूबर तक किया गया। इस दौरान प्राचार्या डॉ. सुनिता बेनीवाल एवं सहायक आचार्य सुभाषचंद्र, अविनाश कुमार मील, योगेंद्रकुमार, रविकांत मीणा, प्रियंका तथा समस्त मंत्रालयिक कर्मचारी उपस्थित रहे।

जीवन विज्ञान दिवस का आयोजन

बीदासर (निसं)। अणुव्रत समिति के तत्वाधान में अणुव्रत उद्बोधन सप्ताह के अंतर्गत मंगलवार को जीवन विज्ञान दिवस ज्ञान ज्योति आईटीआई एवं विद्यालय में कन्या मंडल संयोजिका गरिमा बोथरा के संयोजन में आयोजित किया गया। विद्यालय के विद्यार्थियों को गरिमा द्वारा विभिन्न योग व प्राणायाम करवाएं गए। समिति के मंत्री नवल किशोर मीणा ने विद्यार्थियों को जीवन विज्ञान के तहत विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में करवाए जाने वाले योग व प्राणायाम के द्वारा छात्रों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए नित्य प्रतिदिन सहभागिता अनिवार्य रूप से लागू करने की बात कही। मंत्री मीणा ने सप्ताह भर चले कार्यक्रम में कुछ न कुछ अच्छाई अपने जीवन में ग्रहण करने की प्रेरणा देने के साथ ही अणुव्रत उद्बोधन सप्ताह समापन की घोषणा की।

संभाग स्तरीय वर्कशॉप आज

सीकर, (निसं)। चिकित्सा विभाग की ओर से लक्ष्य व सुरक्षित मातृत्व आश्वासन (सुमन) कार्यक्रम की संभाग स्तरीय कार्यशाला का आयोजन 8 अक्टूबर को सुबह 9.30 बजे किया जाएगा। मिशन निदेशक एनएचएम डॉ अमित यादव की अध्यक्षता में होने वाली संभाग स्तरीय वर्कशॉप में सीकर, चूरू, झुंझुनूं, जयपुर जिलों के सभी जिला व जिला अस्पताल प्रभारी अधिकारी, प्रसव कक्ष प्रभारी, ऑपरेशन थियेटर प्रभारी भाग लेंगे। वर्कशॉप जिला परिषद सभागार में आयोजित होगी। यह जानकारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अशोक महरिया ने दी।

छात्राओं को गणवेश वितरित

बीदासर (निसं)। पीएमश्री धापू देवी चैरडिया राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय बीदासर में मंगलवार को सोहन लाल भीकमचंद चैरड़िया चैरी टेबल ट्रस्ट दिल्ली बीदासर के सौजन्य से विद्यालय की 90 छात्राओं को विद्यालय गणवेश ट्रस्ट के प्रतिनिधि मालचंद दर्जी द्वारा वितरित की गई। कार्यक्रम में विद्यालय के कार्यवाहक संस्था प्रधान मनोज कुमार, अमित कुमार दर्जी, सुरेश जानू, केशरीचंद सहित विद्यालय स्टाफ व विद्यालय की छात्राएं उपस्थित थी।

अटल जन सेवा शिविर स्थगित

सीकर (निसं)। जिला कलेक्टर मुकुल शर्मा ने बताया कि 17 सितम्बर 2025 से जिले के समस्त ब्लॉक में ग्रामीण सेवा शिविर का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि शिविरों के सफल आयोजन के लिए अधिकारियों, कर्मचारियों एवं जन-प्रतिनिधिगण की व्यवस्तता को दृष्टिगत रखते हुए 9 अक्टूबर 2025 (द्वितीय गुरूवार) को आयोजित होने वाले अटल जन सेवा शिविर को स्थगित कर दिया गया है।

समाज कल्याण सप्ताह का समापन

सीकर (निसं)। समाज कल्याण सप्ताह के तहत मंगलवार को समाज कल्याण सप्ताह का समापन कार्यक्रम विशेष योग्यजन कल्याण दिवस के रूप में दशरथ मनोविकास संस्थान सीकर में मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे सहायक निदेशक जनसम्पर्क पूरण मल वर्मा ने कहा कि समाज कल्याण सप्ताह के तहत एक अक्टूबर से 7 अक्टूबर तक मनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि एक अक्टूबर को अन्तर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस, 2 अक्टूबर को गांधी जयंती, 3 अक्टूबर को अपराधी सुधार दिवस, 4 अक्टूबर को बाल दिवस, 5 अक्टूबर को महिला एवं बालिका कल्याण दिवस, 6 अक्टूबर 2025 को जन चेतना दिवस, 7 अक्टूबर को विशेष योग्यजन कल्याण दिवस मनाया गया है। उन्होंने बताया कि समाज कल्याण सप्ताह के आयोजन का मुख्य उद्देश्य अनुसूचित जातियों जनजातियों, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक, विशेष योग्यजन, महिलाओं एवं बच्चों के कल्याण के लिए संचालित योजनाओं के माध्यम से लाभान्वित करने के साथ-साथ सामाजिक बुराइयों के विरुद्ध जन चेतना जागृत करना है।

सहायक निदेशक वर्मा ने कहा कि विशेष योग्यजन बच्चें कभी ये नहीं सोचे की मेरे साथ भगवान ने शारीरिक विकृति देकर गलत किया है या मेरे साथ बहुत गलत हुआ है बल्कि अच्छी शिक्षा लेकर आगे बढ़े तथा देश और समाज का नाम रोशन करें। कार्यक्रम में सामाजिक सुरक्षा अधिकारी पलसाना भंवर लाल गुर्जर ने विशेष योग्यजनों को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा चलाई जा रही विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं के बारें में जानकारी प्रदान की। वहीं कार्यक्रम में राज्य सराकार द्वारा दिए गए विशेष योग्यजनों के किट भी बच्चों को दिए गए। समापन समारोह में विशेष योग्यजन बच्चों ने एक से बढकर एक शानदार रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तृतियां दी। इस अवसर पर दशरथ मनोविकास सेवा संस्थान के सचिव धर्मेन्द्र कुमार शर्मा, संजय मुण्डोतिया जिला परिवीक्षा अधिकारी, ब्लॉक सामाजिक सुरक्षा अधिकारी धोद मनोज कुमार जाट आदि उपस्थित रहे।

शरद पूर्णिमा महोत्सव संपन्न

झुंझुनू (निसं)। शरद पूर्णिमा के अवसर पर सीतसर बालाजी धाम में मन्दिर के महंत पुष्कर लाल पारीक के सानिध्य में तीन दिवसीय शरद पूर्णिमा महोत्सव और विशाल मेला मंगलवार को संपन्न होकर इसका विधिवत समापन हुआ। मन्दिर समिति के अध्यक्ष पी एल शर्मा, सचिव सुरेश शर्मा, इंजीनियर रवि पारीक ने सयुंक्त रूप से जानकारी देते हुए बताया की इस अवसर पर सीतसर बालाजी महाराज का विशेष श्रृंगार किया गया बालाजी महाराज को रिझाने के लिए रात्रि जागरण के साथ साथ रामायण का अखंड पाठ भी किया गया बालाजी महाराज के और मन्दिर के पूर्व महंत स्वर्गीय सांवल राम जी की मूर्ति के समक्ष छप्पन भोग लगाया। विभिन्न तरह के धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन भी किया गया उन्होंने बताया की मेले के दौरान तीनो दिन विशाल भंडारा लगाया गया जिसमे कई हजारों की संख्या में भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया मेले में आये दूर दराज से यात्रियों के रहने व खाने पिने की मन्दिर समिति की तरफ से नि:शुल्क व्यवस्था थी।

साण्डवा के जसवीर मेमोरियल में द्वितीय राज बटालियन एनसीसी के दूसरे वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में कैडेट्स को हथियारो का प्रशिक्षण दिया गया। शिविर में कैडेट्स को हथियार की देखरेख व साफ सफाई के गुर सिखाए गए। कैम्प कमाण्डेन्ट ले. कर्नल प्रदीप दईया ने कहा कि यह प्रशिक्षण आपके जीवन में महत्वपूर्ण है। शिविर में आप जो भी सीख कर जायेंगे वो आपके बहुत काम आयेगा। कैडेट्स अपने क्षेत्र में स्वच्छता का ध्यान रखें। जिससे क्षेत्र में कभी कोई बिमारी न फैले। इस अवसर पर डिप्टी कैम्प कमाण्डेन्ट राजेश कुमार, सुबेदार मेजर प्रेम तमांग, सुबेदार रमेश लांबा, सुबेदार मोन्टू, नायब सुबेदार रामादर सिंह, बीएचएम ओमप्रकाश ढाका, हवलदार सतपाल, संदीप नैन, कैलाश, ओमप्रकाश, रमेश, जयपाल, हवलदार जाहिद हुसैन, प्रशासनिक अधिकारी शांतीलाल रक्षक, सतवीर धनखड़ व दीपक धनखड़ आदि मौजूद रहे।

ई-फाइल निस्तारण में तेजी लाने सहित विभागीय योजनाओं की प्रगति में गति लाने के निर्देश

सीकर, (निसं)। अतिरिक्त जिला कलेक्टर रतन कुमार की अध्यक्षता में आयोजित साप्ताहिक समीक्षा बैठक में जिला स्तरीय अधिकारियों को विभिन्न विभागीय योजनाओं, पोर्टल पर लंबित प्रकरणों, ई-फाइल निस्तारण एवं मुख्यमंत्री कार्यालय से प्राप्त ऑनलाइन प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए गए।

उन्होंने विशेष रूप से ई-फाइल डिस्पोजल का समय कम करने के निर्देश देते हुए विद्युत विभाग सहित सभी विभागों को लम्बित प्रकरणों का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में धार्मिक संस्थानों, कोचिंग संस्थानों, जीणमाता व खाटूश्यामजी जैसे पर्यटन स्थलों, मेडिकल संस्थाओं एवं एवीएनएल से संबंधित मामलों में नगर परिषद को दिशा-निर्देश जारी करने को कहा गया। श्री कल्याण अस्पताल की साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था की जांच करवाने एवं उस पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए गए। सीएमएचओ को सीएससी व पीएचसी में विद्युत सुरक्षा मानकों को सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया गया। उन्होंने विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के संदर्भ में विभागों को तैयारियों के निर्देश दिए गए, वहीं पशुपालन विभाग को मंगला पशुधन योजना के तहत दवा के निस्तारण की कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया।

बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना, गरीब मुक्ति योजना, लखपति दीदी योजना, मुखर्जी उत्थान योजना, कर्मभूमि से मातृभूमि योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, एनएफएसए अपीलों का निस्तारण सहित फ्लैगशिप योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट जिला स्तरीय अधिकारियों से मंगवाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने बताया कि विभिन्न विभागों की कुल 37 योजनाओं से संबंधित बिंदुओं पर रिपोर्ट अनिवार्य रूप से प्रस्तुत की जाए। एडीएम ने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, सामाजिक न्याय, पुलिस, पीएचडी, सहकारिता, शिक्षा, वन, रसद, आईसीडीएस, उद्योग, मनरेगा आदि विभागों के पोर्टल प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण करने तथा मुख्यमंत्री कार्यालय से प्राप्त ऑनलाइन प्रकरणों को प्राथमिकता से हल करने के निर्देश दिए।

अतिरिक्त जिला कलेक्टर शहर भावना शर्मा ने लाइट्स पोर्टल पर रिप्लाई नोट फाइलों को अपलोड करने के लिए समस्त विभागों को निर्देशित किया। एडीएम रतन कुमार ने चिकित्सा विभाग को मौसमी बीमारियों के दृष्टिगत एडवाइजरी जारी करने, टीबी मुक्त भारत अभियान में प्रगति बढाने, रसद विभाग को गिव अप अभियान के तहत पात्र लोगों को जोड़ने एवं अपात्र लोगों के नाम हटाने, कुसुम योजना की प्रगति में तेजी लाने एवं दीपावली से पूर्व घरेलू विद्युत कनेक्शन प्राथमिकता से जारी करने के निर्देश दिए। कृषि विभाग को किसानों के लिए खाद-बीज की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा नकली खाद की बिक्री रोकने के लिए टीम गठित कर कार्रवाई करने को कहा।

सहकारिता विभाग को 2 अक्टूबर से प्रारंभ सहकार सदस्यता अभियान के तहत सरकारी समितियों के लिए भूमि आवंटन व सदस्य संख्या वृद्धि की कार्रवाई करने को कहा गया। साथ ही रसद विभाग व साक्षरता कार्यालय के पास साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। योजनाओं की समयबद्ध प्रगति सुनिश्चित करने एवं लंबित प्रकरणों के त्वरित निस्तारण के साथ जनहित से जुड़ी सेवाओं को प्राथमिकता देने के निर्देश भी प्रदान किए। बैठक में सीईओ जिला परिषद राजपाल यादव, यूआईटी सचिव जेपी गौड, सहायक निदेशक प्रशासनिक सुधार विभाग इंदिरा शर्मा, अधीक्षण अभियन्ता विद्युत, जलदाय, सार्वजनिक निर्माण विभाग, आयुक्त नगर परिषद शशिकांत शर्मा, डीटीओ ताराचंद बंजारा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी रहे।

सार-समाचार

ट्यूबवैल का लोकार्पण

पिलानी, (निसं)। कस्बे के वार्ड नंबर 35 में स्थित कटारियों की ढाणी में विधायक पितरामसिंह काला के विधायक कोटे से स्वीकृत ट्ययूबवैल का लोकार्पण मनफूल सिंह सैनी की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम में विधायक पितराम सिंह काला द्वारा किया गया। विशिष्ट अतिथि विनोद काजला पिलानी ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष, सुनिल पंडित नगर अध्यक्ष कांग्रेस पिलानी, प्रेमप्रकाश मोयल, संतकुमार चावला, प्रदीप झाझड़िया, रणधीर गोठवाल, अनिल जांगिड, मनोज भास्कर थे। विधायक काला ने अपने उद्बोधन में कहा कि पिलानी में दस ट्ययूबवैल और स्वीकृत हुए हैं। जिनका निर्माण जल्दी ही पूरा हो जाएगा। उनके द्वारा विधानसभा में पानी का मुद्दा उठाने के पश्चात पिलानी के लिए कुंभाराम लिफ्ट कैनाल की 35.84 करोड़ की योजना बन गई है। जिसका टेंडर होने वाला है। जल्द ही पिलानी में पानी की समस्या नहीं रहेगी। पूरे विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों की किसी प्रकार से कमी नहीं रहने दी जाएगी। ट्ययूबवैल के शुभारंभ से वार्डवासियों में हर्षोल्लास का माहौल है। वार्डवासियों द्वारा पिलानी विधायक काला का साफा एवं माल्यार्पण कर स्वागत किया एवं पानी की समस्या दूर करने के लिए आभार जताया। इस अवसर पर बनवारीलाल सैनी, राजेश काजला, कन्हैयालाल सैनी, मोहनलाल सैनी, हजारीलाल, कृष्ण सैनी, विश्वंभर सैनी, प्रदीप सैनी, मदनलाल कटारिया, बजरंगलाल कटारिया, सत्यनारायण कटारिया, महेश कटारिया, सज्जन कटारिया, सुभाष कटारिया, रामप्रकाश कटारिया, बंटी हलवाई, अशोक, जुगलप्रसाद, गोपी, मुकेश, मूलाराम, सुनील, विनोद सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

बैडमिंटन चैम्पियनशिप का समापन आज

झुंझुनूं, (निसं)। राजस्थान बैडमिंटन संघ के तत्वावधान में झुंझुनूं एकेडमी विज्डम सिटी में जिला बैडमिंटन संघ की ओर से राज्य स्तरीय सब जूनियर बैडमिंटन चैम्पियनशिप का समापन बुधवार को सुबह 9.30 बजे से होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान बैडमिंटन संघ सचिव केके शर्मा होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला खेल अधिकारी राजेश ओला होंगे तथा विशेष अतिथि प्रायोजक सिंघानिया विश्वविद्यालय पचेरी के प्रतिनिधिगण होंगे। जानकारी देते हुए जिला बैडमिंटन संघ एवं चैम्पियनशिप ऑर्गेनाईजिंग सेक्रेटरी डॉ. दिलीप मोदी ने बताया कि पांच दिन से चल रही इस प्रतियोगिता के पांचवें दिन क्वॉर्टर फाइनल व सेमीफाइनल मैच के कड़े मुकाबले खेले गए और बुधवार को फाइनल मुकाबले खेले जाएंगे। साथ ही समापन समारोह में सभी विजेता खिलाडियों को मैडल्स एवं योग्यता प्रमाण पत्र के साथ आकर्षक नकद पुरुस्कार प्रदान किये जायेगे साथ ही सभी प्रतिभागियों को मैरिट प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।

हाईकोर्ट ने नोटिस जारी कर जवाब मांगा

झुंझुनूं, (निसं)। अनुकंपा नियुक्ति के एक मामले में राजस्थान हाईकोर्ट जयपुर ने मुख्य सचिव एवं संयुक्त सचिव गृह विभाग राजस्थान सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। जानकारी के अनुसार डूलानिया गांव की जनिता कुमारी के मामले में कोर्ट ने नोटिस जारी किए है। जनिता कुमारी की ओर से एडवोकेट विनोद पूनियां एवं आरके चौहान ने पैरवी की। जिसमें हाईकोर्ट के विद्वान न्यायाधीश ने एडवोकेट पूनियां के तर्कों से सहमत होकर राजस्थान के मुख्य सचिव एवं संयुक्त सचिव गृह विभाग को जनति जनिता कुमारी को अनुकम्पा नियुक्ति नहीं देने पर जवाब तलब किया है तथा दो सप्ताह में जवाब देने का आदेश दिया है। प्रार्थिया के पिता पुलिस विभाग में हवलदार के पद पर कार्यरत थे तथा उनकी ड्यूटी के दौरान मृत्यु हुई थी।

केशर तहसील प्रवक्ता बने

झुंझुनूं, (निसं)। जिले की सूरजगढ़ तहसील के काजड़ा ग्राम पंचायत निवासी केशरदेव गुर्जर को देवसेना का तहसील प्रवक्ता एवं ग्राम पंचायत अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई। यह जिम्मेदारी देवसेना प्रदेश संयुक्त सचिव सुनील गुर्जर सूरजगढ़ की अनुशंषा पर जिलाध्यक्ष रोहिताश गुर्जर डोई के निर्देशन पर जिला महामंत्री रोशन गुर्जर नेवरी के द्वारा नियुक्ति जारी की गई है। यह नियुक्ति आपके द्वारा किए गए समाजहित के कार्य को देखते हुए अहम जिम्मेदारी सौंपी गई है।

अपनी मांगों को लेकर किसान यूनियन ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा

चूरू (निसं)। बारिश के मौसम के चलते जिले के सम्पूर्ण क्षेत्र में किसानों की फसलें तबाह होने पर भारतीय किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष रामरतन सिहाग के नेतृत्व में किसानों के प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा को ज्ञापन दिया।

जिलाध्यक्ष रामरतन सिहाग ने बताया कि किसानों के खेतों की फसल मूँग, मोठ, ग्वार, बाजरे, तिलहन और कुछ जगहों पर मूंगफली की फसल चौपट हो गई है। तेज बारिश के पानी में फसले तैर रही है तथा सड़ कर नष्ट हो गई है। इस हेतु बारिश से नष्ट फसलों का सही आकलन, मुआवजा, ऑनलाइन गिरदावरी करने सहित फसल विक्रय पोर्टल खोलने की मांग की गई। इस पर जिला कलेक्टर ने किसानों की मेहनत व्यर्थ जाने पर खेद प्रकट करते हुए सकारात्मक आश्वासन दिया। जिलाध्यक्ष सिहाग ने बताया कि खराब हुई फसलों की शिकायत टोल फ्री नम्बर व क्रॉप इंश्योरेंस ऐप पर दर्ज करवा सकते है तथा पी एम एफ बी वाई व्हाटसप नम्बर 7065514447 पर दर्ज करवा सकेंगे और इसके साथ किसान के पास आवश्यक दस्तावेज कृषक का आधार कार्ड, पंजीकृत मोबाइल नंबर, बीमा पॉलिसी नम्बर हो तो ठीक रहेगा, आवश्यक नहीं है। इस अवसर पर हरफूलसिंह भाम्बू, पूर्व प्राचार्य हनुमानाराम इसराण, जाट महासभा जिलाध्यक्ष रणवीरसिंह कस्वाँ, पूर्व जिला परिषद सदस्य गिरधारीलाल सिहाग, जाट विकास संस्थान सचिव विजयपाल लाम्बा, कोषाध्यक्ष हरफूल बेरवाल, जाट महासभा कोषाध्यक्ष धर्मपाल सहारण, किसान सभा के दीपाराम प्रजापत, पूर्व सरपंच गंगाराम कडवासरा, युवा जिलाध्यक्ष रणजीत कडवासरा, मनीराम, भगवानाराम, राजकुमार, आयुष व पवन मेघवाल सहित अनेक किसान मौजूद थे।

भारतीय किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष रामरतन सिहाग के नेतृत्व में किसानों के प्रतिनिधिमंडल ने जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा को ज्ञापन दिया।

अपहरण के मामले में चार आरोपी गिरफ्तार

■ चार-पांच बदमाशों ने युवक से मारपीट की और थार गाड़ी में अपहरण कर ले गए थे

■ पुलिस टीम ने 150 से अधिक सीसीटीवी फुटेज चैक किए तो जानकारी मिली कि अपहरणकर्ता धौसा की तरफ गए हैं

निवाई, (निसं)। निवाई थाना पुलिस ने अपहरण के मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

थानाधिकारी रामजीलाल बैरवा ने बताया कि सूरजमल पुत्र हनुमान मीणा निवासी दौलतपुरा हाल निवासी दादू दयाल कॉलोनी निवाई ने सितंबर में मामला दर्ज करवाया था कि चार-पांच बदमाशों ने उसके भाई भरत मीणा के साथ मारपीट की और उसकी थार गाड़ी में अपहरण कर ले गए। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर टीम का गठन किया और तलाशी अभियान शुरू किया। पुलिस टीम ने 150 से अधिक सीसीटीवी फुटेज चैक किए और तकनीकी साक्ष्य जुटाए। इस पर टीम को जानकारी मिली कि अपहरणकर्ता दौसा की तरफ गए हैं। पुलिस ने उनका पीछा किया तो आरोपी करौली धौलपुर जिले की सीमा पर भरत मीणा को छोड़कर फरार हो गए।

पुलिस ने भरत मीणा को दस्तयाब कर सुरक्षित परिवार जनों को सौंप दिया। इसके बाद आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास में जुट गई। तलाशी अभियान के दौरान टीम को सूचना मिली कि आरोपी धौलपुर में ही हैं। उन्होंने बताया कि पुलिस टीम ने स्थानीय पुलिस की मदद से धौलपुर से आरोपी भगवान दास पुत्र छुट्टनलाल मीणा दोनों निवासी सुनकई, थाना आंगई, जिला धौलपुर, सुनील पुत्र संतराम मीणा व किशन लाल पुत्र सन्तराम मीणा दोनों निवासी मडासिल थाना सरमथुरा जिला धौलपुर को गिरफ्तार कर लिया।

कोलायत में मालगाड़ी पटरी से उतरी, 10 फीट दूर जाकर गिरे डिब्बे

'मालगाड़ी के 37 डिब्बे पटरी से उतरे हैं, लेकिन किसी तरह की जनहानि नहीं हुई है'

■ रेल की पटरियां अलग होकर करीब दो फीट तक एक दूसरे के ऊपर पहुंच गई

बीकानेर, (निसं)। यहां बीकानेर से जैसलमेर की ओर जा रही एक मालगाड़ी मंगलवार सुबह करीब सात बजे अचानक डिरेल हो गई। मालगाड़ी के करीब 37 डिब्बे पटरी से उतर गए और कुछ डिब्बे लगभग 10 से 20 फीट दूरी तक जा गिरे। रेल की पटरियां एक दूसरे से अलग होकर करीब दो फीट तक एक दूसरे के ऊपर पहुंच गईं। गनीमत रही कि ये मालगाड़ी का हादसा है। इसी ट्रैक से बीकानेर-जैसलमेर रेल भी दिन में दो बार आना-जाना करती है। मालगाड़ी के कारण कोई घायल नहीं हुआ। रेलवे प्रशासन मौके पर पहुंचा। डिब्बों को मौके से हटाकर इस मार्ग पर यातायात फिर से शुरू किया जाएगा। इस बीच बीकानेर से जैसलमेर के बीच सुबह 7 बजकर 40 मिनट पर रवाना होने वाली 14704 नंबर गाड़ी रद्द कर दिया गया।

उत्तर-पश्चिम रेलवे के प्रवक्ता शशि किरण ने बताया कि रेलवे के उच्चाधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। फिलहाल एक ट्रेन को रद्द किया गया है। जल्दी ही स्थिति सामान्य कर ली जाएगी। उन्होंने बताया कि कुल 37 डिब्बे पटरी से उतरे हैं लेकिन किसी तरह की जनहानि नहीं हुई है। कोलायत से बीकानेर के बीच इंदो का बाला गांव के पास ये हादसा हुआ है। सुबह सात बजे ये मालगाड़ी बीकानेर से जैसलमेर की ओर जा रही थी। इंदा का बाला गांव के ठीक पास ही पटरी से गाड़ी नीचे उतर गई। स्पीड में होने के कारण पटरी के कुछ डिब्बे तो दूर तक जा गिरे। एक दूसरे से जुड़े होने के कारण एक के बाद एक चार डिब्बे नीचे उतर गए। तभी मालगाड़ी के लोको पायलट ने इसे रोक दिया। रेलवे ट्रेक करीब 100 फीट तक क्षतिग्रस्त हो गया है, जिसे वापस जोड़कर इस मार्ग को शुरू किया जाएगा। हालांकि इस मार्ग पर सवारी गाड़ी के रूप में बीकानेर जैसलमेर ट्रेन ही चलती है। देर रात ये दोनों ट्रेन निकल चुकी है। अब रात में ही यहां से सवारी गाड़ी को निकलना है। तब तक रेलवे इसे दुरुस्त कर देगा। रेलवे के सीनियर डीसीएम भूपेश यादव ने बताया कि हादसे में किसी को चोट नहीं लगी है।

यादव फिलहाल कुछ भी कहने से बच रहे हैं। ये हादसा इतना जबरदस्त था कि रेल पटरियों को जहां से जोड़ा जाता है, वो वहां से अपना स्थान छोड़कर करीब 2 फीट आगे निकल गई। पटरियों के किनारे समानान्तर रूप से एक दूसरे के साथ हो गए। इतना ही नहीं जिस ट्रैक पर डिब्बे रखे होते हैं, वो भी उतरकर पटरियों से दूर जा गिरे। आमतौर पर रेल पटरियों के घुमाव वाले स्थान पर डिरेल हो जाती है लेकिन इंदों का बाला गांव में ये सीधी पटरियों पर ही पटरी से नीचे उतर गई। आमतौर पर ऐसा नहीं होता है। ऐसे में रेलवे को इसकी जांच करवानी पड़ेगी। इसी ट्रेक पर दो सवारी गाड़ी भी निकलती है।

जुआ खेलते दो आरोपी गिरफ्तार

टोंक, (निसं)। उनियारा उपखण्ड के थाना सोप क्षेत्र में पुलिस ने कई स्थानों पर दबिश देकर जुआ खेलते दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से नकद 980 रुपये भी जब्त किये हैं। थाना प्रभारी ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर सोप थाना टीम ने गोमती सागर की पाल स्थित पटवार घर के पास जुआबाजी करते विनोद कैर एवं सौराज बैरवा को सट्टे की खाईवाली करते हुए पकड़ा।

Office of the Superintendent Engineer and Project Manager WCDC, Karauli

No.:- ( ) / 1641 Date :- 03/10/2025

NOTICE INVITING BID
NIB No. : 28,29,30/2025-26

Bids for various works of Project PMKSY 2.0 & MJSA 2.0 of estimated value INR (153.72+70.72+59.79) 284.23 lacs, (64.80+15.51) 80.31 lacs & (5.32+3.42) 8.74 lacs are invited from interested bidders up to 6.00 PM, 08-10-2025. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in/) of the state, departmental website (https://water.rajasthan.gov.in/wdsc).

NIB No.	NIB CODE	UBN No.
28	WSC2526A0785	WSC2526WSRC01358 01359, 01360
29	WSC2526A0786	WSC2526WSRC01361, 01362
30	WSC2526A0787	WSC2526WSRC01363, 01364

Raj.Samwad/C/25/11581 Superintending Engineer and Project Manager

OFFICE OF THE CHAIRMAN FACULTY
Rajasthan University of Veterinary and Animal Science (Jobner)

No.:- F.( )/Chairman Faculty/RAJUVAS (Jbn.) Jaipur/2025/55 Date :- 06/10/2025

WALK-IN-INTERVIEW FOR TEACHING ASSOCIATES (CONTRACTUAL) CORRIGENDUM

In continuation to this office previous Advertisement No. 51 dated 25.09.2025, Last date and time for submission of applications from the eligible candidates to work as Contractual Teaching Associates in RUVAS (Jobner), Jaipur is extended up to 13th October, 2025, till 11:00 A.M. through email to Chairman Faculty on E-mail id: cfrajuvasjaipur@gmail.com. (no need for the post). The candidates can submit their application form personally also at the office of the Chairman Faculty, RUVAS (Jobner) Jaipur at Post Graduate Institute of Veterinary Education and Research (PGIVER), N.H.-11, Agra Road, Jamdoli, Jaipur. Other terms & conditions are remain same.

Raj.Samwad/C/25/11569 CHAIRMAN FACULTY

Rajasthan Council of School Education
S. Radha Krishnan ShikshaSankul, 5th Block, 2nd & 3rdFloor, JLN Marg, Jaipur – 17
Ph: 0141-2700366, 2715590, 2715550, E-Mail: rajssa_acctt@yahoo.co.in; rcse.ict@gmail.com

No.:- (Ref. No.) 1791 Dated :- 06/10/2025

NOTICE INVITING e-BID (NIB : 05/2025-26)

Request for proposal invited for Supply, Installation, Testing, Commissioning and operations of ICT Lab in 3213 Govt. Schools up to 1.00 PM of dated 27/10/2025 Other details may be seen in the Bidding Document at State Public Procurement Portal website www.sppp.rajasthan.gov.in or website "www.rajsmsa.nic.in" and e-proc portal.

Estimated cost: 35987.50 Lacs
UBN No : RSE2526GLOB01594

State Project Director RCScE, Jaipur

Raj.Samwad/C/25/11576

OFFICE OF THE MUNICIPAL COUNCIL JAISALMER
Off Address :- Near Air Force Circle, Jodhpur Road, Jaisalmer - 345001
Ph:- 02992-252503, E-mail: mbj_jsm@yahoo.com

S.No./MCJ Vikash/2025-26/4229 Date :- 03.10.2025

Notice Inviting Request for Proposal (RFP)
NIT No. 09/2025-26 RFP No. DLB2526RFP0032

Online Technical and Financial Bids in Single Stage two envelops are invited by Municipal Council Jaisalmer. Details may be seen at our office or at the website of the State Public Procurement Portal http://sppp.rajasthan.gov.in, http://eproc.rajasthan.gov.in and may be downloaded from these websites from.

RFP No DLB2526RFP0032

Commissioner Municipal Council Jaisalmer

Raj.Samwad/C/25/11606

कार्यालय नगर परिषद्, जैसलमेर (राज.) 345001

क्रमांक / स्टोर / 2025–26 / 325 दिनांक :–03.10.2025

निविदा सूचना स्टोर/2025–26/06
NIB Code-DLB2526A6716

नगर परिषद जैसलमेर की ओर से आपूर्तिकर्ता फर्म व नगर परिषद जैसलमेर में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से विभिन्न आपूर्ति कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। संविदा से संबंधित कार्यों की विस्तृत जानकारी निविदा की शर्तें आदि वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती हैं। उक्त कार्य के यू.बी.एन. नं. DLB2526SLOB20496 है।

आयुक्त नगर परिषद् जैसलमेर

राज.संवाद / सी / 25 / 11605

कार्यालय नगर पालिका मण्डल बांदीकुई (दौसा)
Email: bandikui.jaipur@gmail.com

क्रमांक :– न.पा.बा. / 2025 / 2848 दिनांक :– 03.10.2025

BID सूचना

समस्त पंजीकृत संवेदक / सामाजिक संस्थाओं को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका बांदीकुई NIB Code. DLB2526A6731 तथा UBN No. DLB2526GSRC20523, DLB2526GSRC20525, DLB2526SSRC20526, DLB2526SSRC20527, DLB2526SSRC20529 कार्य करवाना चाहती है अतः इच्छुक व्यक्ति नियत दिनांक 10.10.2025 को प्रातः 11:00 बजे तक अपनी दर ऑफलाईन प्रस्तुत कर सकते है। निविदा आफलाईन वेबसाईट http://sppp.goverment.gov.in पर देखी जा सकती है। निविदा से संबंधित शर्ते उपरोक्त वेबसाईट पर देखी जा सकती है।

अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका बांदीकुई

राज.संवाद / सी / 25 / 11537

कार्यालय जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर

क्रमांक :– जो.वि.प्रा./जोधपुर/जोन पूर्व/राजकाज 18124410 दिनांक :– 03/10/2025

ई-निविदा सूचना संख्या :- पूर्व/12/2025-26

जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर की ओर से प्राधिकरण एवं राजकीय विभाग में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार से सिविल कार्य हेतु मुहरबंद एवं ई निविदाएं आमंत्रित की जाती है। कार्य की अनुमानित लागत, निविदा बेचे जाने तथा प्राप्त करने की दिनांक, निविदा, शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट www.jodhpurjda.org, www.eproc.rajasthan.gov.in एवं https://sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

NIB CODE – JOD2526A0155, UBN No. – JOD2526WSOB00328, 329, 330, 331

राज.संवाद / सी / 25 / 11557 अधिशाषी अभियंता (पूर्व)

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड निवाई

क्रमांक-3262-77 दिनांक-25.09.2025

निविदा सूचना संख्या- 23/2025-26 खण्ड निवाई संशोधन आदेश

इस कार्यालय द्वारा आमन्त्रित निविदा सूचना क्रमांक 3070-79 दिनांक 16.09.2025 जिसके ऑनलाईन निविदा संख्या 23/2025-26 के क्र.सं. 1 से 6 पर इन्द्राज अनुमानित लागत निर्माण कार्यों की राशि 219.45 लाख रूपये के स्थान पर राशि रू. 396.55 लाख पढ़ा जावें।

नोट-निविदा की शेष शर्ते यथावत रहेगी।

DIPR RO NO.- 13997, Release Date- 24.09.2025

(गौतम मीणा) अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि. खण्ड निवाई मो.नं. 7296982833

DIPR/C/14554/2025

कार्यालय ग्राम पंचायत कंचनपुर, पंचायत समिति बाड़ी, जिला धौलपुर

क्रमांक- प.स.व./ई-निविदा/2025/170 दिनांक-29.10.2025

ई-निविदा सूचना 02/2025-2026

इस कार्यालय द्वारा स्वच्छता एवं कचरा प्रबन्धन हेतु पंजीकृत फर्मो से ऑनलाईन ई-निविदा दिनांक 10.10.2025 दोपहर 12 बजे तक आमंत्रित की जाती है। जिसका विस्तृत विवरण www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखा व डाउनलोड किया जा सकता है।

NIB NO. ZDH2526A0369, UBN NO. ZDH2526SLOB00476

सरपंच ग्राम पंचायत कंचनपुर पंचायत समिति, बाड़ी

ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत कंचनपुर पंचायत समिति, बाड़ी, राज.

DIPR/C/14540/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग खण्ड कोटपूतली

क्रमांक-1785-93 दिनांक-23.09.2025

ई-निविदा सूचना संख्या 11/2025-26 प्रकाशन बाबत

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से सिविल कार्य (तीन) अनुमानित राशि रु. 321.55 लाख (मय डीएलपी अवधि) के लिए निर्धारित प्रपत्र में दिनांक 09.10.2025 सायं 06.00 बजे तक ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। संबंधित पूर्ण विवरण वेब साईट http://dipr.rajasthan.gov.in/ tenders asp, http://eproc.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।

UBN NO. 1. PWD2526WSOB13147, 2. PWD2526WSOB13148, 3. PWD2526WSOB13150

(वी.एस. शेखावत) अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि. खण्ड कोटपूतली

DIPR/C/14507/2025

राजस्थान ऊर्जा विकास एवं आईटी सर्विसेज लिमिटेड
(राजस्थान सरकार का उपक्रम), पंजी. कार्या. : विद्युत भवन, ज्योति नगर, जयपुर - 302005

निविदा आमंत्रण विज्ञप्ति

रा. ऊ. वि. एवं आईटी सर्विसेज लि. जयपुर द्वारा ए.न. आई. टी संख्या HR 07/2025-26 में यथा उल्लेखित नियमों/ शर्तो/ तकनीकी विशिष्टता के अनुसार इच्छुक निविदा दाता/फर्म/एजन्सी से हायरिंग ऑफ मैनपावर सर्विस हेतु अलग अलग मोहरबंद लिफाफों मे निविदा आमंत्रित की जाती है। अधिक जानकारी के लिए कृपया www.sppp.rajasthan.gov.in तथा https://eproc.rajasthan.gov.in की वेबसाइट देखें। UBN-RUV2526SLOB00010

राज.संवाद/सी/25/11553 आरयूवीएनएल/टीआर- 108 (2025) उप निदेशक (मा. सं.)

बिजली शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6507

मधुमक्खियों का हमला, पांच बच्चे घायल

■ हैंडपंप पर नहाते समय हुई घटना, अस्पताल में भर्ती

डूंगरपुर, (निसं)। कोतवाली थाना क्षेत्र के महुडी वसुवा गांव में हैंडपंप पर नहाने गए नन्हे-नन्हे बच्चों पर मधुमक्खियों ने हमला कर दिया। हमले में पांच बच्चे घायल हो गए। घायल बच्चों को डूंगरपुर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार कोतवाली थाना के महुडी वसुवा गांव निवासी पंकज अर्चना किंजल और गंगा नहाने के लिए गांव के हैण्डपंप पर गए थे। हैण्डपंप के पास एक पेड़ पर मधुमक्खियों का छत्ता लगा हुआ था। बच्चों के नहाते समय अचानक मधुमक्खियों ने बच्चों पर हमला कर दिया। बच्चे रोते हुए दौड़कर अपने घर की ओर भागे। इस दौरान मधुमक्खियां बच्चों के पीछे लगी रही और बच्चे घर पहुंचे तो वहां भी मधुमक्खियों ने उन्हें काटा। इससे बच्चों के शरीर पर कई जगह सूजन आ गई और घायल हो गए, जिसके बाद परिजन सभी बच्चों को लेकर डूंगरपुर जिला अस्पताल पहुंचे और उन्हें भर्ती करवाया गया। फिलहाल बच्चों का जिला अस्पताल में इलाज जारी है।

पन्द्रह हजार की रिश्वत लेते संविदाकर्मी गिरफ्तार

■ आरोपी ने परिवादी से कार्य की एमबी भरने की एवज में अठारह हजार रुपए की रिश्वत मांगी

■ वर्तमान में पंचायत समिति अलीगढ़ में जेटीए (जूनियर टेक्नीकल असिस्टेन्ट) के पद पर संविदा पर कार्यरत है आरोपी

उनियारा/चौरू, (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो टोंक ने मंगलवार को अलीगढ़ पंचायत समिति में कार्यरत जेटीए (जूनियर टेक्नीकल असिस्टेन्ट) संविदाकर्मी विक्रम कुमावत पन्द्रह हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो टोंक की कार्रवाई के बाद पंचायत समिति अधिकारी व कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। इसके बाद भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो टोंक टीम ने रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़े गए आरोपी टी.ए. (जूनियर टेक्नीकल असिस्टेंट) संविदाकर्मी विक्रम कुमावत को गिरफ्तार कर पूछताछ कार्रवाई के लिए पुलिस थाना अलीगढ़ में लाया गया। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो टोंक अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक झाबरमल ने बताया कि रिश्वत लेने का आरोपी विक्रम कुमावत निवासी निवासी ग्राम गांबडी पुलिस थाना नीम का थाना जिला सीकर है, जो वर्तमान में पंचायत समिति अलीगढ़ में जेटीए (जूनियर टेक्नीकल असिस्टेन्ट) के पद पर संविदा पर कार्यरत है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि एसीबी की टोंक इकाई को प्राप्त शिकायत में परिवादी के पिताजी को नाम महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम के तहत वर्ष 2022-2023 में खेत पर मेंडबंदी, तालाब की पाल मिट्टी डालना, बागवानी, पशु आश्रय निर्माण कार्य के लिए स्वीकृत हुआ था। जिसमे से कुछ कार्य हो चुका है तथा कुछ कार्य शेष है। कुछ कार्य की मस्टरोल भरी जा चुकी थी। लेकिन आरोपी विक्रम कुमावत जे.टी.ए (जूनियर टेक्नीकल असिस्टेंट) संविदाकर्मी पंचायत समिति अलीगढ़ जिला टोंक द्वारा माप पुस्तिका (एम.बी.) भरने की एवज में 18 हजार रूपये की रिश्वत राशि मांग कर परिवादी को परेशान किया जा रहा था। इस पर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो टोंक ने शुक्रवार को आरोपी द्वारा अठारह हजार रुपए रूपये रिश्वत राशि की मांग कर परिवादी द्वारा काम करने की कहने पर, पन्द्रह हजार रुपए रिश्वत की मांग की जाकर रिश्वत राशि देने पर परिवादी का काम करने के कहने का आरोपी से शिकायत का सत्यापन किया गया।

इस पर मंगलवार को एसीबी के महावीर सिंह राणावत उप महानिरीक्षक पुलिस अजमेर रेंज अजमेर के सुपरविजन में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो टोंक टीम ने जाल बिछाया। इस पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक झाबरमल ने ट्रेप की कार्यवाई करते हुए आरोपी विक्रम कुमावत जे.टी.ए (जूनियर टेक्नीकल असिस्टेन्ट) संविदाकर्मी को परिवादी से पन्द्रह हजार रुपए रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया। आरोपी द्वारा पन्द्रह हजार रुपए की राशि प्राप्त कर परिवादी को खर्च के लिए पांच रूपये रिश्वत राशि में से लौटाये गये। इधर परिवादी का इशारा मिलते ही एसीबी ने आरोपी को रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा। एसीबी द्वारा आरोपी से पूछताछ तथा कार्रवाई जारी है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान शुरू किया गया।

Rajasthan State Forest Development Corporation Limited
(A Government of Rajasthan Undertaking) Badopal Road, GFC Colony, Suratgarh, Phone No: 01509-223326, Email-gmsuratgarh@rajasthan.gov.in

क्रमांक :- एफ8(9)/स्टोर/वन/राजवनिविनिलि/2025-26/1109 दिनांक :- 29/09/2025

ई-बोली संख्या 02/2025-26

महाप्रबंधक राजस्थान राज्य वन विकास निगम लिमिटेड क्षेत्रीय कार्यालय, सूरतगढ़ में लकड़ी (ईमारती व जलाऊ) पातन, चट्टा लगाई तथा निर्धारित विभागीय विक्रय केन्द्रों तक परिवहन (मय भराई, कांटा तुलाई व खाली कराई) कार्य करवाया जाना है। बोली प्रस्तुत करने की आरम्भ तिथि दिनांक 29.09.2025 तथा अन्तिम तिथि दिनांक 24.10.2025 है। उक्त कार्य की अनुमानित लागत राशि रूपये 951.00 लाख है। बोली से संबंधित समस्त विवरण वेबसाईट "http://eproc.rajasthan.gov.in व www.sppp.raj.nic.in पर भी देखी / डाउनलोड की जा सकती है।

NIB No. FOR2526A1760
UBN No. FOR2526WLOB02321

महाप्रबंधक राजस्थान राज्य वन विकास निगम लिमिटेड क्षेत्रीय कार्यालय, सूरतगढ़

राज.संवाद/सी/25/11579

राजस्थान सरकार
कार्यालय खनि अभियन्ता, खान एवं भू-विज्ञान विभाग, करौली

क्रमांक-खअ/करौ/बजरी अवैध/2025/ दिनांक-

प्रेस विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि कार्यालय द्वारा अवैध खनन/निर्गमन/भण्डारण की चैकिंग के दौरान जब्त की गयी खनिज बजरी की नीलामी दिनांक 27.10.2025 को प्रातः 11.00 बजे कार्यालय खनि अभियन्ता, करौली परिसर में की जावेगी। इच्छुक बोलीदाता नीलामी से पूर्व बयाना राशि एवं प्रतिभूति राशि का डी.डी. खनि अभियन्ता, करौली के पक्ष में कार्यालय में जमा कराकर बोली में भाग ले सकेंगे।

क्र. सं.	सामग्री का नाम	भण्डारण स्थल	अनुमानित मात्रा	अनुमानित लागत मूल्य	बयाना राशि	अमानत राशि
1	खनिज बजरी	राजस्व ग्राम हाड़ौती (कांटडा) तहसील सपोटरा	2790 टन	18,13,500/-	36270/-	90675/-

नोट-नीलामी से संबंधित शर्तें एवं खनिज बजरी के स्टॉक (भण्डारण) की सूची का अवलोकन विभागीय वेबसाईट mines.rajasthan.gov.in पर आकार किया जा सकता है एवं इस संबंध में जानकारी कार्यालय दिवस में कार्यालय से भी प्राप्त की जा सकती है।

(डी.एस. मीना) खनि अभियन्ता, करौली

DIPR/C/14532/2025

कार्यालय नगर पालिका मण्डल नवलगढ़ (झुन्झुनूं)

क्रमांक : न.पा.न. / 2025–26 / भूमि / 3008 दिनांक : 06.10.2025

ई-निविदा सूचना संख्या 05/2025-26

कुल कार्यो की संख्या	01
निविदा की कुल लागत (लाखों में)	22.40 लाख
कुल धरोहर राशि 02 प्रतिशत (रुपये में)	44800 / –रूपयें
कुल धरोहर राशि ½ प्रतिशत (रुपये में)	11200 / –रूपयें
निविदा डानलोड करने की तिथि	07.10.2025 को प्रातः 10:00 बजे से दिनांक: 15.10.2025 सायः 6:00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा जमा करने की तिथि	07.10.2025 को प्रातः 10:00 बजे से दिनांक: 15.10.2025 सायः 6:00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथि	16.10.2025 को प्रातः 10.00 बजे
निविदा कॉपी / मूल दस्तावेज जमा कराने की तिथि	

निविदा सूचना एवं निविदा सूची इंटरनेट साईट http://sppp.raj.nic.in वेबसाईट पर NIB Code DLB2526A6826 के UBN No. से DLB2526SLOB20760 तक पर भी देखी जा सकती है तथा शेष शर्तें RPPT एक्ट 2013 के अनुसार होगी।

अध्यक्ष नगरपालिका नवलगढ़ / अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका नवलगढ़

राज.संवाद / सी / 25 / 11547

कोलायत क्षेत्र में बारिश के साथ ओले गिरे, फसलों को नुकसान पहुंचा

गांवों में बारिश और ओलों से मूंग, मोठ, कपास, ग्वार और तिल की फसल को भारी नुकसान हुआ

■ बीठनोक, भोलासर, मौखां, हाडलां, मढ, कोटड़ी, माधोगढ़ और सांखला सहित कई गांवों में फसलें पूरी तरह से बर्बाद हो गई

बीकानेर, (निसं)। यहां सुबह से देर रात तक हुई बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी। वहीं कोलायत क्षेत्र में करीब आधे घंटे तक ओलावृष्टि हुई, जिससे गांवों में बारिश और ओलों से मूंग, मोठ, कपास, ग्वार और तिल की फसल को भारी नुकसान हुआ है।

कोलायत क्षेत्र में शाम करीब आधे घंटे तक ओलावृष्टि हुई। चने के आकार के ओलों ने खेतों में खड़ी फसलों को तहस-नहस कर दिया। बीठनोक, भोलासर, मौखां, हाडलां, मढ, कोटड़ी, माधोगढ़ और सांखला सहित कई गांवों में फसलें पूरी तरह से बर्बाद हो गईं। किसानों का कहना है कि खेतों में पकी हुई मोठ, मूंग, ग्वार, कपास और तिल की फसल चौपट हो गई, जिससे भारी आर्थिक नुकसान होना तय है। लूणकरनसर से श्रीडूंगरगढ़ और नोखा से कोलायत तक कई गांवों में फसलें प्रभावित हुई हैं। बारिश और ओलावृष्टि से हुए नुकसान को देखते हुए किसान अब प्रशासन से फसलों की गिरदावरी कराने और बीमा कंपनी से मुआवजे की मांग कर रहे हैं। किसानों ने कहा कि इस बार की बरसात ने मेहनत पर पानी फेर दिया।

बीकानेर में मौसम सुहाना हो गया है। दो दिन की बारिश के बाद मंगलवार को धूप खिली है लेकिन तल्खी कुछ कम है। अब तक आसमान में बादलों की आवाजाही बनी हुई है, जिससे पारे में बढ़ोतरी का ग्राफ कुछ कम है। पिछले चौबीस घंटे में बीकानेर में अधिकतम तापमान महज 29.3 और न्यूनतम 20.8 डिग्री सेल्सियस ही रहा। आज इसमें कुछ बढ़ोतरी हो सकती है।

कार्यालय नगरपरिषद, राजसमन्द
जिला परिषद रोड, राजनगर

टेलिफोन नं. 02952–220034, फेक्स नं. 02952–221233, ई–मेल rajsamandnagarpalika@gmail.com

क्रमांक : एफ( )नपरा / ईजी / ई निविदा / 19 / 2025–26 / 5230 दिनांक :– 01.10.2025

ई-निविदा सूचना संख्या 19/2025-26

नगर परिषद राजसमन्द द्वारा नगरीय विकास कर एवं अन्य सर्विस हेतु समस्त विभागों में पंजीकृत सर्विस प्रोवाईडर, संवेदकों, कम्पनी, संगठनों / संस्थानों से ई–प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन तकनीकी व वित्तिय निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in से देखी व डाउनलोड की जा सकती है।

निविदा कार्यक्रम	तिथि व समय	
कार्य की संख्या	1	
कार्यो की अनुमानित लागत	70.00 लाख	
निविदा अपलोड की तिथि	06.10.2025	06:00 PM
निविदा डाउनलोड प्रारम्भ तिथि	07.10.2025	09:00 PM
ऑनलाईन निविदा प्रस्तुत करने की अन्तिम तिथि	16.10.2025	06:00 PM
भौतिक रूप से दस्तावेज जमा करने की तिथि	17.10.2025	01:00 PM
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथि	17.10.2025	04:00 PM
ऑनलाईन निविदा हेतु वेबसाईट	http://eproc.rajasthan.gov.in	
दोष निवारण अवधि	नियमानुसार	
UBN NO-	DLB2526SLOB20485	

राज.संवाद / सी / 25 / 11608 सभापति नगरपरिषद राजसमन्द / आयुक्त नगरपरिषद राजसमन्द

सीकर में चार इंच से ज्यादा बारिश, नानी बीहड़ में बना कच्चा बांध टूटा

■ नेशनल हाइवे संख्या 52 पर करीब 5 से 6 किलोमीटर तक गंदा पानी आ गया

सीकर, (निसं)। प्रदेश में एक्टिव हुआ मानसून सीकर में मेहरबान रहा। यहां पिछले 24 घंटे में करीब चार इंच से ज्यादा बारिश हुई। रात को करीब 12 बजे बारिश का दौर शुरू हुआ जो सुबह करीब 2-3 बजे तक चला। सुबह भी आसमान में बादल छाए रहे। इसके बाद सीकर में धूप निकली हुई हुई।

सीकर में बीती रात हुई बारिश के बाद नानी बीहड़ में बना गंदे पानी का कच्चा बांध टूट गया। ऐसे में यहां सुंदर नगर में रास्ते की मिट्टी का कटाव होने की वजह से मुख्य सड़क से संपर्क टूट गया। नजदीक से ही गुजरने वाले नेशनल हाइवे संख्या 52 पर करीब 5 से 6 किलोमीटर तक गंदा पानी आ गया। इस गंदे पानी के बीच से ही लोग निकलने को मजबूर रहे। यहां बार-बार जाम भी लगता रहा। हालांकि स्पेशे टीम और ट्रैफिक पुलिस ने ट्रैफिक को दुरुस्त करवाया।

सीकर में हुई बरसात के बाद कई जगह पर जल भराव हो गया।

सीकर के कृषि अनुसंधान केंद्र फतेहपुर पर सुबह न्यूनतम तापमान 18.5 डिग्री और अधिकतम तापमान 27.7 डिग्री दर्ज किया गया है। इससे पहले सोमवार का दिन सीजन का सबसे ठंडा दिन रहा था। जिले में न्यूनतम तापमान 19 डिग्री और अधिकतम तापमान 24.5 डिग्री दर्ज किया गया था। न्यूनतम और अधिकतम तापमान में मात्र 5 डिग्री का ही फर्क रहा था। सीकर में देर रात करीब दो घंटे तक बारिश होने के चलते नवलगढ़ रोड पर करीब आधा इंच तक जलभराव हुआ। इसके साथ ही यहां काफी कीचड़ रहा। ऐसे में पैदल चलने वाले लोगों की आवाजाही न के बराबर रही।

जयपुर मौसम केंद्र के मुताबिक आज भी राजस्थान में वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव रहने के चलते बारिश होने के आसार हैं। सीकर में भी आज बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है। कल से सीकर में बारिश का दौर थम जाएगा। जबकि आठ अक्टूबर से मौसम सामान्य रहने का अनुमान है। ऐसे में यहां पर मौसम साफ रहने के साथ ही तापमान में 3 से 5 डिग्री की गिरावट होगी। तापमान में गिरावट होने के साथ ही सुबह और रात के समय सर्दी का असर बढ़ने लगेगा।

वहीं सीकर ग्रामीण में 72 एमएम, सीकर सिटी में 54, पलसाना में 86, पाटन में 27, दांतारामगढ़ में 39, फतेहपुर में 34, रामगढ़ शेखावाटी में 42, धोद में 83, नीमकाथाना में 39, लोसल में 102, नेछवा 62, श्रीमाधोपुर में 105, रींगस में 94, अजीतगढ़ में 52, खंडेला में 92 एमएम बरसात दर्ज की गई।

जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड
कॉरपोरेट आइडेंटिफिकेशन नम्बर (सीआईएन)-U40109RJ2000SGC016483
पंजीकृत कार्यालय : न्यू पॉवर हाउस, जोधपुर-342003, फोन नं. : 0291-2742264
ईमेल : secivildjdvvnl@gmail.com, वेबसाइट : http://energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl

ई-निविदा संख्या 14/2025-26

केन्द्र / राज्य सरकार के विभागों में 'ए' व 'एए' श्रेणी तथा जो.वि.वि.नि.लि. के उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत, अनुभवी, वित्तीय एवं सेवाकर (GST) विभाग से पंजीकृत निविदाकारों से अधिशाषी अभियन्ता (सिविल) जोधपुर डिस्कॉम, जोधपुर 9413359193 / बाड़मेर: 9413359455 / बीकानेर: 9413359744 के अधीन विभिन्न सिविल निर्माण कार्यो के लिए ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया से ऑनलाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण, अनुमानित लागत, निविदा शुल्क, प्रक्रिया शुल्क, अमानत राशि, निविदा खोलने की तिथि व सामान्य अनुबन्ध की शर्ते आदि समस्त विवरण, वेबसाईट http://energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl एवं http://sppp.raj.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है। भविष्य में संशोधन/अवधि विस्तार, यदि कोई हो तो, उसकी सूचना http://energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl एवं http://sppp.raj.gov.in, http://eproc.rajasthan.gov.in पर प्रकाशित की जावेगी।

JVV2526WSOB00588, JVV2526WSOB00558, JVV2526WSOB00572, JVV2526WSOB00581, JVV2526WSOB00589, JVV2526WSOB00559, JVV2526WSOB00573, JVV2526WSOB00583, JVV2526WSOB00590, JVV2526WSOB00560, JVV2526WSOB00538, JVV2526WSOB00583, JVV2526WSOB00591, JVV2526WSOB00537, JVV2526WSOB00574, JVV2526WSOB00561, JVV2526WSOB00592, JVV2526WSOB00540, JVV2526WSOB00575, JVV2526WSOB00562, JVV2526WSOB00590, JVV2526WSOB00539, JVV2526WSOB00576, JVV2526WSOB00563, JVV2526WSOB00593, JVV2526WSOB00541, JVV2526WSOB00577, JVV2526WSOB00564, JVV2526WSOB00594, JVV2526WSOB00542, JVV2526WSOB00578, JVV2526WSOB00565, JVV2526WSOB00595, JVV2526WSOB00532, JVV2526WSOB00579, JVV2526WSOB00566, JVV2526WSOB00596, JVV2526WSOB00535, JVV2526WSOB00572, JVV2526WSOB00567, JVV2526WSOB00569, JVV2526WSOB00534, JVV2526WSOB00580, JVV2526WSOB00568, JVV2526WSOB00570, JVV2526WSOB00571, JVV2526WSOB00556, JVV2526WSOB00555

राज.संवाद/सी/25/11564 अधीक्षण अभियन्ता (सिविल)

बिजली संबंधी शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6045

मुख्यमंत्री भजनलाल की पहल पर ''रिम्स'' स्थापना के काम को मिल रही गति

एम्स नई दिल्ली और राजस्थान सरकार के बीच एम.ओ.यू. हुआ

- रिम्स की स्थापना से प्रदेश के युवाओं को मिलेगी विश्वस्तरीय चिकित्सा शिक्षा
- राजस्थान की स्वास्थ्य सेवाएं और सुदृढ़ होंगी

जयपुर, 07 अक्टूबर। मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा की पहल पर एम्स की तर्ज पर जयपुर में रिम्स की स्थापना के काम को प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है। इसी कडी में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली और राजस्थान सरकार के चिकित्सा शिक्षा विभाग के बीच मंगलवार को राजस्थान आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स), जयपुर की स्थापना और संचालन के लिए एक एमओयू हस्ताक्षिरत किया गया। एमओयू पर एम्स नई दिल्ली के निदेशक डॉ. एम. श्रीनिवास और राजस्थान सरकार के चिकित्सा शिक्षा आयुक्त डॉ. इकबाल खान ने हस्ताक्षर किए।

चिकित्सा शिक्षा सचिव अम्बरीष कुमार ने बताया कि यह समझौता संस्थागत विकास पर केंद्रित है, जिसमें तकनीकी, शैक्षिणक और संगठनात्मक सहायता के माध्यम से पारस्परिक लाभ पर जोर दिया गया है, जिससे नवाचार और उत्कृष्टता को बढ़ावा मिलेगा। एम्स की वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त विशेषज्ञता का लाभ लेकर रिम्स को एक अग्रणी तृतीयक चिकित्सा संस्थान के रूप में विकसित किया जाएगा, जिससे स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और अनुसंधान में अंतरराष्ट्रीय मानक सुनिश्चित हो सकेंगे।

एम्स नई दिल्ली के निदेशक डॉ. एम. श्रीनिवास ने कहा कि एम्स अपनी संस्थागत विरासत को रिम्स जैसे उभरते उत्कृष्टता केंद्रों के साथ साझा करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह एमओयू दूरदृष्टि और विशेषज्ञता का एक सहज संयोजन है, जो राजस्थान के युवाओं और समुदायों को विश्वस्तरीय चिकित्सा शिक्षा देने के साथ ही स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त करेगा।

चिकित्सा शिक्षा आयुक्त डॉ. इकबाल खान ने कहा कि एम्स के साथ साझेदारी रिम्स जयपुर के लिए एक परिवर्तनकारी कदम है। यह पहल चिकित्सा क्षेत्र में बुनियादी ढांचे को मजबूत करेगी। साथ ही, चिकित्सा अनुसंधान और सार्वजनिक स्वास्थ्य में टिकाऊ प्रगति को भी बढ़ावा देगी, जो राज्य के आमजनों को लाभान्वित करेगी। एमओयू के तहत एम्स द्वारा रिम्स के लिए साइट योजना, रोगी प्रवाह डिजाइन, नियामक अनुपालन और वास्तुशिल्प ढांचे पर मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा, ताकि रिम्स में अत्याधुनिक सुविधाएं सुगमता से विकसित की जा सकें। प्रदेश में एमबीबीएस और स्नातकोत्तर शिक्षण के लिए पाठ्यक्रम डिजाइन, संकाय प्रशिक्षण, विनिमय कार्यक्रम और मेंटरशिप में संयुक्त प्रयास किया जायेगा, जिससे नैदानिक और शैक्षिणक क्षमताओं का संवर्द्धन होगा। साथ ही, संगठनात्मक ढांचे, मानव संसाधन नीतियों, खरीद फ्रेमवर्क, जैव-सुरक्षा मानकों, नैतिकता समितियों और आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन सेल की स्थापना में सहायता मिल सकेगी।

एमओयू के क्रियान्वयन से अनुसंधान और नैदानिक उत्कृष्टता आयेगी। संयुक्त अनुसंधान पहल, नैदानिक प्रयोगशालाएं और मानक संचालन प्रक्रियाएं बेहतर हो सकेंगी, जिससे साक्ष्य-आधारित अभ्यास और रोगी परिणामों में सुधार होगा।

प्रधानमंत्री मोदी का जीवन राष्ट्र को समर्पित : सुधांशु त्रिवेदी

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और राज्यसभा सांसद डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने मंगलवार को जयपुर में प्रेस वार्ता की।

जयपुर। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और राज्यसभा सांसद डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सुशासन के 24 वर्ष पूर्ण होने पर शुभकामनाएं देते हुए उन्हें भारतीय राजनीति में सेवा, समर्पण और सुशासन का प्रतीक बताया।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में डॉ. त्रिवेदी ने कहा कि 7 अक्टूबर 2001 को नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में पहली बार शपथ ली थी और तब से अब तक उन्होंने बिना किसी अवकाश के 24 वर्षों तक निरंतर राष्ट्र की सेवा की है। यह उपलब्धि भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था में अद्वितीय है।

डॉ. त्रिवेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का जीवन एक प्रेरणा है। उन्होंने अपने तन, मन और हर क्षण को राष्ट्र को समर्पित किया है। पहले गुजरात को विकास मॉडल के रूप में स्थापित किया और अब बीते 11 वर्षों में भारत को वैश्विक मंच पर अग्रणी आर्थिक शक्ति के रूप में प्रतिष्ठित किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत आज दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और आर्थिक विषमताओं के बावजूद सबसे तेज़ी से आगे बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था के रूप में उभर रहा है।

- बिहार चुनावों की स्थिति पर टिप्पणी करते हुए डॉ. त्रिवेदी ने कहा कि ''हाल के जनमत सर्वेक्षणों में एनडीए को स्पष्ट बढ़त मिल रही है, जो वास्तविक परिणामों में बदलकर प्रचंड बहुमत में परिवर्तित होगी।''

त्रिवेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी भारतीय राजनीति के ऐसे विलक्षण नेता हैं, जिन्होंने लगातार तीन बार मुख्यमंत्री और फिर तीन बार प्रधानमंत्री रहते हुए हर पल राष्ट्र प्रथम की भावना को जीवित रखा। यह प्रत्येक भारतवासी के लिए गर्व और गौरव का विषय है।

प्रेस वार्ता के दौरान डॉ. त्रिवेदी ने बिहार चुनावों की स्थिति पर भी टिप्पणी करते हुए कहा कि हाल के जनमत सर्वेक्षणों में एनडीए को स्पष्ट बढ़त मिल रही है, जो वास्तविक परिणामों में बदलकर प्रचंड बहुमत में परिवर्तित होगी। उन्होंने कहा कि बिहार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए पूरी स्थिरता और सामंजस्य के साथ काम कर रहा है, जबकि विपक्षी दलों में स्पष्ट नेतृत्व का अभाव और पारिवारिक कलह साफ नजर आ रही है। डॉ. त्रिवेदी ने विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' पर कटाक्ष करते हुए कहा कि यह गठबंधन अंतर्विरोधों से घिरा हुआ है – ना केवल दलों के बीच, बल्कि पार्टी के भीतर और नेतृत्वकर्ता परिवारों के भीतर भी। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा, जो खुद को मुख्यमंत्री समझते हैं, उनके पास क्षमता नहीं है, और जो खुद को प्रधानमंत्री इन वेटिंग कहते हैं, वे प्रेस कॉन्फ्रेंस में भी यह स्पष्ट नहीं कर पाते कि उनका नेता कौन है।

युवाओं एवं महिलाओं को सहकारी समितियों से जोड़ने पर विशेष फोकस

जयपुर । राज्य सरकार द्वारा 2 से 15 अक्टूबर तक आयोजित किए जा रहे ''सहकार सदस्यता अभियान'' के अंतर्गत मंगलवार तक प्रदेश में 3207 पैक्स के स्तर पर शिविरों का सफलतापूर्वक आयोजन किया जा चुका है। इन शिविरों के माध्यम से सहकारी समितियों की सदस्य संख्या में तीव्र गति से वृद्धि हो रही है तथा अभियान के अंतर्गत प्रावधित किये गए अन्य कार्य भी सुगमतापूर्वक सम्पन्न हो रहे हैं।

- ''सहकार सदस्यता अभियान'' के लिए 3207 पैक्स के स्तर पर हो चुका शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन

'सहकार सदस्यता अभियान' के तहत मंगलवार को जयपुर के सेंट विल्फ्रेड कॉलेज में युवाओं के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार को प्रदेश में 630 पैक्स के स्तर पर शिविरों का आयोजन किया गया। अभियान के अंतर्गत अब तक 959 नवीन पैक्स के गठन हेतु प्रस्ताव सहकारिता विभाग को प्राप्त हो चुके हैं तथा 1076 पैक्स एवं केवीएसएस द्वारा गोदाम निर्माण हेतु भूमि चिह्नीकरण की कार्यवाही सम्पन्न की जा चुकी है। वहीं, पीएम किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत 18 हजार 595 कृषकों की आधार सीडिंग तथा 8,419 कृषकों की ई-केवाईसी का कार्य किया गया है। अभियान के अंतर्गत युवाओं एवं महिलाओं को सहकारी समितियों से जोड़ने का कार्य तीव्र गति से जारी है।

जबकि, प्रतिदिन बड़ी संख्या में जनसाधारण को प्रस्तावित नवीन सहकारी अधिनियम के प्रमुख प्रावधानों की जानकारी भी प्रदान की जा रही है। अब तक लगभग 2.50 लाख लोगों को नवीन सहकारी अधिनियम के प्रावधानों की जानकारी प्रदान की जा चुकी है। अभियान के अंतर्गत अधिक से अधिक युवाओं एवं महिलाओं को सहकारी समितियों से जोड़ने पर विशेष रूप से फोकस किया जा रहा है। इसके लिए शैक्षिणक संस्थाओं, एनजीओ, राजीविका, हिन्दुस्तान स्काउट एंड गाइड आदि का सहयोग लिया जा रहा है। मंगलवार को जयपुर के सेंट विल्फ्रेड कॉलेज में 'सहकार सदस्यता अभियान' के अंतर्गत युवाओं के साथ संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस दौरान सहकारिता विभाग के अधिकारियों ने विद्यार्थियों को सहकारिता के विभिन्न आयामों एवं विभाग की कल्याणकारी योजनाओं की विस्तार से जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम के दौरान लगभग 2,000 छात्र-छात्राओं से सदस्यता फॉर्म भरवाये गए। अतिरिक्त रजिस्ट्रार (द्वितीय) संदीप खण्डेलवाल, अतिरिक्त रजिस्ट्रार (जयपुर खण्ड) मदनलाल गुर्जर, केन्द्रीय सहकारी बैंक, जयपुर के प्रबंध निदेशक दिनेश कुमार शर्मा एवं उप रजिस्ट्रार जयपुर (शहर) शिरीष वि. चान्दे इस दौरान मौजूद रहे।

विद्युत प्रसारण निगम और एम.एन. आई.टी. के बीच करार

जयपुर। मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जयपुर और राजस्थान विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड द्वारा संचालित स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर, जयपुर के बीच विद्युत क्षेत्र में नई तकनीक अपनाने के समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

इस समझौते का उद्देश्य ज्ञान साझाकरण, अनुसंधान एवं विकास, कौशल संवर्द्धन तथा क्षमता निर्माण के क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देना है।राजस्थान विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड के अध्यक्ष अजिताभ शर्मा ने बताया कि यह समझौता संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं, औद्योगिक प्रशिक्षण, छात्र इंटर्नशिप, कार्यशालाओं एवं फैकल्टी, उद्योग, संवाद जैसे विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से शिक्षा और उद्योग के बीच सम्बन्धों को सुदृढ़ करेगा तथा तकनीकी उत्कृष्टता एवं राजस्थान को ऊर्जा क्षेत्र के भविष्य की चुनौतियों के रूप मे भी तैयार करेगा।

अब एस.डी.ओ. व मेला अधिकारी भी जारी कर सकेंगे विशेष परमिट

जयपुर । राजस्थान से ऊंटों को अन्य राज्यों में ले जाना अब और भी आसान हो गया है, इसके लिए पशुपालन विभाग ने पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के कैबिनेट मंत्री श्री जोराराम कुमावत से नियमों की स्वीकृति लेकर नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। अब ऊंटपालकों को निर्धारित प्रपत्रों के माध्यम से ऊंट ले जाने की अनुमति होगी। कुमावत ने कहा कि राजस्थान ऊंट (वध का प्रतिषेध और अस्थायी प्रव्रजन या निर्यात का विनियमन) अधिनियम, 2015 में ऊंट को चराई, खेती डेयरी और पशु मेलों में भाग लेने के लिए राज्य से बाहर ले जाने का प्रावधान है।

- ऊंट परिवहन को लेकर नए नियमों का नोटिफिकेशन जारी
- कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने दिए आदेश

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल से महिलाओं को मिला खेती में नया संबल

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार ने महिला कृषकों को सशक्त बनाने के लिए खरीफ 2025 सीजन में नि:शुल्क बीज मिनीकिट वितरित किए हैं।

मूंग, मोठ, मक्का, बाजरा, ज्वार, मूंगफली और सोयाबीन जैसी फसलों के कुल 27,95,337 मिनीकिट विभिन्न योजनाओं के तहत किसानों तक पहुँचाए गए हैं। इनमें से बड़ी संख्या में किट महिलाओं को प्रदान की गई हैं।

महिला की हत्या करने वाले अभियुक्त को आजीवन कारावास

जयपुर । एससी, एसटी मामलों की विशेष अदालत महानगर प्रथम ने आपसी विवाद के चलते परिचित महिला की हत्या करने वाले अभियुक्त सोनू को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्त पर एक लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी मोहन लाल जाट ने अपने आदेश में कहा कि अभियुक्त ने महिला की हत्या करने जैसा गंभीर अपराध किया है। ऐसे में उसके प्रति नरमी नहीं अपनाई जा सकती।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक अभियोजक ने अदालत को बताया कि मामले में संजय साहू ने 23 दिसंबर, 2018 को खोह-नागोरियान थाने में रिपोर्ट दी थी। जिसमें कहा कि वह दोपहर को वह दुकान से लूनियावास खाना खाने जा रहा था। मंगल बाजार मैदान के पास उसे काफी भीड नजर आई। उसने पास जाकर देखा तो पेड के नीचे महिला की लाश पडी हुई है और साडी खून से सनी है। इस पर उसने अपने मोबाइल से पुलिस कंट्रोल रूम में सूचना दी थी। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया। सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष के एक गवाह मोहन ने अदालत को बताया कि मृतका प्रेम देवी के पति की मौत होने के बाद अभियुक्त उसके घर आने लगा था।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने की जनसुनवाई

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने मंगलवार को अपने सरकारी आवास पर जनसुनवाई का आयोजन किया, जिसमें बड़ी संख्या में आमजन अपनी विभिन्न समस्याएं लेकर पहुंचे।

जनसुनवाई के दौरान दिया कुमारी ने प्रत्येक व्यक्ति से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना। जनता ने सड़क, पानी, बिजली, पेंशन और अन्य नागरिक सुविधाओं से जुड़ी समस्याएं रखीं। उपमुख्यमंत्री ने मौके पर उपस्थित संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी शिकायतों का शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाए और किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस अवसर पर संबंधित विभागों के अधिकारी भी मौजूद रहे, जिन्हें समस्या समाधान के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। दिया कुमारी ने कहा कि सरकार जनता के साथ है और उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान सरकार की प्राथमिकता है।

ब्रिटिश संसद पहुंचे देवनानी, अजमेर की ऐतिहासिक पेंटिंग भी देखी

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने अपने लंदन प्रवास के दौरान ब्रिटिश संसद का भ्रमण किया। उन्होंने हाउस ऑफ कॉमंस और हाउस ऑफ लार्ड्स की कार्यप्रणाली और संसदीय परंपराओं को करीब से समझा। उन्होंने वेस्टमिंस्टर हॉल और सेंट्रल लॉबी का अवलोकन करते हुए कहा कि हालांकि ब्रिटेन की संसदीय परंपराएं पुरानी हैं, पर भारत का लोकतंत्र आज विश्व का सबसे बड़ा और सुदृढ़ लोकतंत्र है। इस अवसर पर देवनानी ने सेंट स्टीफन हॉल में लगी सर थॉमस रॉ एट द कोर्ट ऑफ अजमेर 1614 की ऐतिहासिक पेंटिंग को भी देखा। उन्होंने कहा कि यह चित्र भारत-ब्रिटेन के गहरे ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों का प्रतीक है।

इकोलॉजिकल जोन में धड़ल्ले से हो रहा अवैध निर्माण, जे.डी.ए. प्रशासन मौन!

आगरा रोड पर जामडोली क्षेत्र में कृषि भूमि पर काटी जा रही है अवैध कॉलोनियां

जयपुर (कासं)। राजधानी में आगरा रोड स्थित इकोलॉजिकल जोन में इन दिनों अवैध कॉलोनियां काटकर उनमें धडल्ले से अवैध निर्माण किए जा रहे है। इसके बावजूद जे.डी.ए. की प्रवर्तन विंग यहां कार्रवाई के बजाय चुप्पी साधे बैठी है।

बताया जा रहा है कि जामडोली और उसके आसपास के क्षेत्र में कृषि भूमि का रूपांतरण करवाये बिना ही गृह निर्माण सहकारी समितियों के बैकडेट के पट्टों की आड़ में धल्ल्ले से कॉलोनियां बसाने का खेल चल रहा है। यहां भू-माफियाओं और बिल्डरों के गठजोड़ के कारण रातोंरात ही अवैध कॉलोनियां बस रही है, परंतु जेडीए प्रशासन तमाम शिकायतों के बावजूद भी यहां चुप्पी साधे बैठा है।

- गृह निर्माण सहकारी सोसायटियों के बैक डेट के पट्टे देकर लोगों को ठग रहे हैं भू-माफिया और बिल्डर

आगरा रोड पर जामडोली चौराहे स्थित विरासत विहार में अवैध निर्माण कार्य जोरों पर है।

सूत्रों ने बताया कि आगरा रोड पर जामडोली चौराहे पर केशव विद्यापीठ के नजदीक 1 बीघा ज़मीन पर अवैध कॉलोनी ''विरासत विहार'' में भी पुन: अवैध निर्माण जोरों पर है। यहां जेडीए की टीम ने करीब 4 महीने पहले अवैध निर्माण कार्य रुकवाया था। इसके बाद करीब 3 महीने तक सब कुछ काम बंद रहा, परंतु नवरात्रि और दशहरे की छुट्टियों की आड़ में अब यहाँ तेज़ी से निर्माण कार्य पुन: शुरू हो गए।

भू-माफिया और बिल्डर लोगों को सस्ते मकान देने की आड़ में यहां तेजी से मकान बनाने में जुटे है। लोगों से एडवांस बुकिंग राशि लेकर दीपावली पर मकान का पजेशन सौंपने के दावे किए जा रहे है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सरकार द्वारा ब्लैक लिस्टेड की गई सोसायटियों से फ़र्ज़ी बैक डेट के पट्टे दिए जा रहे है। इसके बावजूद जेडीए का ज़ोन 10 प्रशासन यहाँ सख़्ती से कार्रवाई नहीं कर रहा।

एस.के.आई.टी. में बैटरी मैनेजमेंट सिस्टम पर पांच दिवसीय वर्कशॉप का आगाज

जयपुर (कासं)। स्वामी केशवानंद इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मैनेजमेंट एंड ग्रामोथन (एसकेआईटी) जयपुर के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के आईई(आई) छात्र अध्याय द्वारा ''ड्राइविंग द फ्यूचर: पावर, मोबिलिटी एंड इंटेलिजेंस (बैटरी मैनेजमेंट सिस्टम)'' विषय पर पाँच दिवसीय हैंड्स-ऑन वर्कशॉप का शुभारंभ हुआ।

कार्यशाला का उद्घाटन डॉ. अंकुश टंडन, विभागाध्यक्ष (इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग) द्वारा किया गया। अपने उद्घाटन संबोधन में डॉ. टंडन ने इलेक्ट्रिक वाहनों तथा सतत ऊर्जा समाधान के विकास में बैटरी मैनेजमेंट सिस्टम की बढ़ती भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों से सक्रिय भागीदारी करने और आधुनिक ऊर्जा प्रौद्योगिकियों की व्यवहारिक समझ विकसित करने का आव्हान किया। कार्यशाला के संयोजक जितेन्द्र सिंह, जिनेन्द्र राहुल तथा डॉ. सुमन शर्मा, एवं सह-संयोजक दिनेश कुमार ने आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सह-संयोजक दिनेश कुमार ने विद्यार्थियों को बैटरी मैनेजमेंट सिस्टम के संतुलन और तीव्र चार्जिंग की प्रक्रिया के महत्व को समझाया।

उन्होंने बताया कि कैसे उचित बैलेंसिंग बैटरी की कार्यक्षमता और जीवनकाल को बढ़ाती है। साथ ही, उन्होंने प्रायोगिक प्रदर्शन के माध्यम से विद्यार्थियों को बैटरी प्रबंधन की वास्तविक कार्यप्रणाली से अवगत कराया। उद्घाटन सत्र के साथ ही कार्यशाला की शुरुआत विभिन्न प्रायोगिक गतिविधियों, डेमो एवं प्रशिक्षण सत्रों से हुई, जिनमें बैटरी पैक डिज़ाइन, चार्ज-डिस्चार्ज नियंत्रण तथा स्मार्ट ऊर्जा प्रबंधन पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया। विभाग के अनेक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

76 हजार किलो संदिग्ध खाद्य पदार्थ जब्त

- राजस्थान में मिलावटखोरी पर भजनलाल सरकार की बड़ी कार्रवाई

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार ने त्यौंहारी सीजन के मद्देनज़र मिलावट के खिलाफ एक बड़ा अभियान शुरू किया है। अभियान के तहत अब तक प्रदेशभर में 76283 किलोग्राम संदिग्ध या मिलावटी खाद्य सामग्री जब्त की गई है, जबकि 58,780 किलोग्राम सामग्री को नष्ट किया जा चुका है। यह कार्रवाई खाद्य सुरक्षा आयुक्तालय द्वारा 'सिर्फ रोशनी ही नहीं, बल्कि प्रत्येक थाली भी हो सुरक्षित' थीम के तहत संचालित की जा रही है, जिससे त्योहारों के दौरान आमजन को शुद्ध और सुरक्षित खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराए जा सकें।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने जानकारी दी कि अभियान की निगरानी स्वयं मुख्यमंत्री कर रहे हैं और चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के मार्गदर्शन में पूरे राज्य में सघन निरीक्षण किए जा रहे हैं। मिठाई, घी, तेल, मावा, डेयरी उत्पाद और खाद्य रंग जैसे उत्पादों के साथ-साथ इनके निर्माण में उपयोग होने वाले कच्चे माल की आपूर्ति करने वाली इकाइयों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

एक सितंबर से अब तक कुल 2835 निरीक्षण किए जा चुके हैं, जिनमें 2556 प्रवर्तन जांचें शामिल हैं। इसके साथ ही 3,520 नमूनों की जांच के लिए टीमें फील्ड में भेजी गईं। यह कार्रवाई उन विक्रेताओं और निर्माताओं के खिलाफ केंद्रित है जो दूध, खोया, खाद्य तेल और घी जैसे उच्च मांग वाले उत्पादों में मिलावट करते हैं।

विभाग की ओर से जहां आवश्यक पाया गया, वहां सुधार नोटिस जारी किए गए हैं और खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के अंतर्गत कानूनी कार्रवाई भी की जा रही है। खाद्य सुरक्षा आयुक्त डॉ. टी. शुभमंगला ने बताया कि राज्यभर में चल रहे इस अभियान का मुख्य उद्देश्य त्योहारों के दौरान उपभोक्ताओं को मिलावट रहित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा मिठाई निर्माताओं और खाद्य व्यवसायियों के लिए स्वच्छता, भंडारण तथा शुद्ध कच्चे माल के उपयोग पर कार्यशालाएं आयोजित की गई हैं। उन्होंने आमजन से अपील की है कि वे यदि किसी भी प्रकार की संदिग्ध या अस्वच्छ खाद्य गतिविधि को देखें तो तत्काल इसकी सूचना एफएसएसएआई के फूड सेफ्टी कनेक्ट ऐप या स्थानीय नियंत्रण कक्ष में दर्ज कराएं, जिससे मिलावटखोरी के खिलाफ जारी इस मुहिम को और अधिक सशक्त बनाया जा सके।

सोते परिवार पर हमला, दो बहनों को बोलेरो से टक्कर मारी, दोनों की मौत

हमले में परिवार के आठ सदस्य गंभीर रूप से घायल, पुलिस ने 10 हमलावरों को पकड़ा

अजमेर, (कासं)। कायड़ चौराहा जनाना रोड स्थित बंजारों की बस्ती रविवार की आधी रात चीखों से गूंज उठी। विवाहिता को ससुराल भेजने की बात पर रिश्तेदारी दुश्मनी में बदल गई। युवक के ससुराल पक्ष के लोग दो गाड़ियों में भरकर आए और सोते हुए परिवार पर जानलेवा हमला बोल दिया। इस हादसे में आठ लोग जख्मी हो गए। हमला कर भाग रहे लोगों ने दो बहनों पर कार चढ़ा दी, जिससे वह अचेत होकर जमीन पर गिर पड़ी। सूचना मिलने पर सिविल लाइन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को उपचार के लिए जेएलएन अस्पताल पहुंचाया, जहां दो बहनों की मौत हो गई।

मारपीट में घायल पीड़ित परिवार के लोगों का उपचार किया।

- विवाहिता को ससुराल भेजने की बात पर दुश्मनी में बदल गई रिश्तेदारी
- ससुराल पक्ष के लोग दो गाड़ियों में आए और सोते हुए परिवार पर हमला बोल दिया

सिविल लाइन थाना प्रभारी शंभु सिंह ने बताया कि रात करीब साढ़े बारह बजे जब परिवार सो रहा था, तभी बोलेरो और पिकअप में सवार करीब 10 लोग डेरे पर पहुंचे। ईश्वर की पत्नी रीना तीन माह पहले अपने पीहर किशनगढ़ चली गई थी। उसे ससुराल वापस लाने को लेकर चार अक्टूबर को झगड़ा हुआ था। इसी रंजिश के चलते यह हमला किया गया।

परिवादी ईश्वर बंजारा ने पुलिस को बताया कि हमलावरों में उसका ससुर छोटूलाल, साला मुकेश, चाचा ससुर हेतराम और अन्य लोगों ने आते ही सोते हुए परिवार पर सरियों और डंडों से हमला कर दिया। जब हमलावर भागने लगे, बीच-बचाव कर रही मीनाक्षी और पिंकी पर बोलेरो चढ़ा दी। दोनों गंभीर रूप से घायल हो गई और अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पीड़िता काजल ने बताया कि सोते हुए परिवार पर जानलेवा हमला किया गया है। पीड़ित परिवार की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस मामले में पुलिस ने दस लोगों को डिटेन किया है।

बाप-बेटे करवा रहे थे धर्म परिवर्तन, बेटा गिरफ्तार, पिता फरार

श्रीगंगानगर, (निसं)। बीमारी ठीक करने का दावा करते हुए पास्टर (पादरी) पिता और उसका बेटा धर्म परिवर्तन करवा रहे हैं। अन्य धर्मों के खिलाफ अपशब्द भी बोल रहे हैं। पुलिस ने बाप-बेटे के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। बेटे को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि पिता फरार है।

- मामला श्रीगंगानगर में बॉर्डर एरिया के हिंदुमलकोट इलाके का है

मामला श्रीगंगानगर में बॉर्डर एरिया के हिंदुमलकोट इलाके का है। उधर, देर रात काफी संख्या में लोग हिंदुमलकोट थाने के सामने इकट्ठे हुए थे। खाटलबाना गांव के रहने वाले शिकायतकर्ता सतनाम सिंह ने पुलिस को रिपोर्ट दी थी। रिपोर्ट में बताया कि सतनाम लंबे समय से बीमार है। उसी के गांव के रहने वाले पास्टर बग्गुसिंह ने उसकी बीमारी ठीक करने का दावा किया। इसके लिए बग्गुसिंह उसके घर आया। आरोप है कि बग्गुसिंह ने कहा कि ईसाई धर्म अपनाने से उसकी बीमारी ठीक हो जाएगी। इसके बाद उसे अपने घर ले जाकर जल पिलाया, मंत्र पढ़े और सिर पर हाथ रखकर कहा कि अब तुम ईसाई हो गए हो। प्रभु यीशु तुम्हारी बीमारी ठीक करेंगे। इस दौरान बग्गुसिंह ने विभिन्न धर्मों और धर्म गुरुओं के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की। सतनाम सिंह (शिकायतकर्ता) ने यह बात अपने बेटे सुखविंद्र सिंह को बताई। सुखविंद्र सिंह ने पास्टर बग्गुसिंह से बात की। बग्गु ने धमकी देते हुए कहा कि उसके बड़े अधिकारियों से संपर्क हैं। उसका कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता। बग्गुसिंह के बेटे अमनदीप ने भी फोन पर जान से मारने की धमकी दी। सतनाम सिंह और उसके लड़के सुखविंद्र सिंह ने पुलिस को कॉल रिकॉर्डिंग समेत तमाम सबूत पुलिस को सौंपे हैं। श्रीगंगानगर के खाटलबाना गांव में पास्टर बग्गुसिंह और उसके बेटे अमनदीप पर लोगों को लालच देकर धर्म परिवर्तन कराने का आरोप लगाया गया है। शिकायतकर्ता सतनाम सिंह ने बताया कि बग्गुसिंह ने खाटलबाना में अपने घर पर चर्च बनाया है। यहां रोजाना प्रार्थना सभाएं और धर्म परिवर्तन की गतिविधियां चल रही हैं। गरीब और मजदूर वर्ग को लालच देकर ईसाई बनाया जा रहा है। हिंदुमलकोट थाने के एसएचओ गुरमेल सिंह बराड़ ने कहा कि बग्गुसिंह का नाम इससे पहले भी धर्म परिवर्तन के मामले में सामने आ चुका है। मार्च 2024 में संगरिया थाने में उसके और बोलांवाली निवासी अनिल कुमार के खिलाफ केस दर्ज हुआ था। इसमें शिकायतकर्ता बंशीलाल शर्मा ने बताया था कि 26 फरवरी 2024 को बग्गुसिंह ने बोलांवाली में अनिल कुमार के घर पर धार्मिक आयोजन के बहाने लोगों को बुलाया था। विभिन्न धर्मों की बुराई कर एक-एक लाख रुपए में ईसाई धर्म अपनाने को कहा। हिंदुमलकोट पुलिस ने 6 अक्टूबर को मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने धर्म परिवर्तन से जुड़े इस मामले से सबूत भी इकट्ठे किए हैं। इसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है। हिंदुमलकोट थानाधिकारी गुरमेल सिंह मामले की जांच कर रहे हैं।

थानाधिकारी गुरमेल सिंह ने बताया कि बग्गु सिंह ने गांव खाटलबाना में 25 घरों में धर्म परिवर्तन करवाया है। उसने अपने घर में ही चर्च बना रखा है। आज गांव के लोगों से पूछताछ की जाएगी। साथ ही आरोपियों को कोर्ट में पेश किया जाएगा। बराड़ ने बताया कि आरोपी बाप-बेटे के खिलाफ धर्म परिवर्तन व धार्मिक मामलों को ठेस पहुंचाने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। उधर, जब सतनाम सिंह व उसका परिवार मामला दर्ज करवाकर जा रहे थे तो उनके साथ आरोपी पवन सिंह ने धक्का-मुक्की की और मारपीट की। जिसके बाद पवन सिंह को शांतिभंग में गिरफ्तार किया गया। पवन सिंह, बग्गुसिंह के मामा का बेटा है।

कास्टिंग एवं मॉडलिंग के नाम पर सायबर धोखाधड़ी में आरोपी गिरफ्तार

पूर्व में गिरफ्तार आरोपी दीपक मीणा से रिमांड अवधि में अनुसंधान के बाद कार्रवाई की

कोटा, (निसं)। सायबर पुलिस टीम ने कास्टिंग एवं मॉडलिंग के नाम पर युवतियों से साइबर ठगी के दर्ज प्रकरण में कार्रवाई करते हुए पूर्व में गिरफ्तार आरोपी दीपक मीणा से रिमांड अवधि के दौरान अनुसंधान करते हुए मामले में एक और आरोपी भोला बराता को पुरानी सब्जी मंडी से डिटेन कर पूछताछ के बाद प्रकरण में गिरफ्तार किया।

- पकड़े गये आरोपियों से ठगी की राशि को शौक में खर्च किया जाना बताया है

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि सायबर ठगी के प्रकरण में पूर्व में गिरफ्तार आरोपी दीपक मीणा से पूछताछ के दौरान अनुसंधान में सामने आया कि सायबर ठगी के काम में आने वाली मोबाइल सिम भोला बराता से खरीदी थी। शहर एसपी ने बताया कि सायबर थाने के थानाधिकारी सतीश चन्द के नेतृत्व में गठित टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी श्यामनगर निवासी भोला बराता को गिरफ्तार किया। शहर एसपी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी भोला बराता से पूछताछ के दौरान सामने आया कि आरोपी से शौक एवं नशा करने के लिये उक्त सिम पूर्व में गिरफ्तार आरोपी दीपक मीणा को चार सिम 1200 रूपये प्रति सिम के हिसाब से 4800 रूपये में बेच दी थी।

शहर एसपी ने बताया कि आरोपी ने सिम अपने परिचितों जिसमे उसकी पत्नी, चचेरे भाई, मौसेरी बहिन एवं चचेरे भाई की पत्नी के नाम से बोरखेड़ा इलाके से जारी करवाई थी। शहर एसपी ने बताया कि पकड़े गये आरोपियों से ठगी की राशि को शौक में खर्च किया जाना बताया है। पकड़े गये आरोपियों से अनुसंधान जारी है।

शहर एसपी ने बताया कि 21 सितम्बर को फरियादी समीर ने विज्ञान नगर थाने में रिपोर्ट दी। रिपोर्ट में कहा कि उसकी ई-मित्र की दुकान पर एक लड़का दीपक मीणा आता है, जो उसके अकाउंट मे ऑनलाइन रूपये डलवाता है एवं उससे नकद लेकर जाता है। रिपोर्ट में कहा कि उसके अकाउंट पर अलग-अलग जगह से सायबर फ्रॉड की शिकयातें सामने आई, जिस पर बैंक से जानकारी प्राप्त की तो सामने आया कि यें शिकायतें दीपक मीणा द्वारा किये गये ट्रांजेक्शन के कारण हुई है।

शहर एसपी ने बताया कि फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर सायबर थानाधिकारी सतीशचन्द के नेतृत्व में गठित टीम ने मामले में अनुसंधान किया तो सामने आया कि दीपक मीणा ने अपने मोबाइल में फर्जी कास्टिंग कंपनी का अकाउंट बना रखा है, आरोपी दीपक मीणा 18-25 वर्ष की युवतियों को कास्टिंग में काम दिलाने के नाम पर व्हाट्सएस पर बिजनेस अकाउंट बनाकर युवतियों से चैट करके उनको प्रवंचित कर रूपये ई-मित्र के माध्यम से नकद प्राप्त कर ठगी करता था।

शहर एसपी ने बताया कि सायबर टीम ने कार्रवाई करते हुए पूर्व में आरोपी दीपक मीणा को गिरफ्तार किया। मामले में सामने आया कि ठगी के काम में उपयोग होने वाली मोबाइल सिम भोला बराता ने आरोपी दीपक मीणा को बेची, जिनसे आरोपी ठगी की वारदात को लगातार अंजाम देता रहा। सायबर टीम ने मामले में दूसरे आरोपी भोला बराता को भी गिरफ्तार किया।

बदमाशों ने घर पर पत्थरबाजी की

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के मांडल थाना क्षेत्र के लुहारिया गांव में सोमवार को एक दर्जन बदमाशों ने घर पर पत्थरबाजी और गाली-गलौज की वारदात को अंजाम दिया। यह घटना उस समय हुई जब पीड़ित अपने घर में मौजूद थे। वहीं, पीड़ित परिवार ने आरोप लगाया कि एक माह पूर्व की गई कीचड़ फेंकने की वारदात के बावजूद मांडल पुलिस ने अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की, जिससे बदमाशों के हौसले और बढ़ गए हैं।

पीड़ित शहनाज बानू ने बताया कि बदमाश थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने के दौरान भी उनके ऊपर दबाव बनाने के उद्देश्य से थाने के बाहर खड़े होकर निगरानी बनाए रखे। उन्होंने कहा कि हमें हर समय डर सताता है। कभी भी ये लोग हमें जान से मार सकते हैं। अगर पिछले आरोपियों पर कठोर कार्रवाई हुई होती तो वे इतने हिम्मत नहीं दिखा पाते। शहनाज ने पुलिस पर यह भी आरोप लगाया कि कीचड़ फेंकने की वारदात में शामिल आरोपियों को केवल पाबंद करके छोड़ दिया गया, जबकि उन्हें कड़ी सजा दी जानी चाहिए थी।

ईरांस के शमशान घाट की बदहाल स्थिति, कीचड़ भरे रास्ते से परेशानी

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के रायला क्षेत्र के निकटवर्ती ईरांस ग्राम पंचायत स्थित श्मशान घाट वर्षों से बदहाल स्थिति में है। यहां अंतिम संस्कार के लिए बना टीन शेड पूरी तरह जर्जर हो चुका है, जिसकी छत और खंभों में दरारें आ गई हैं। टीन की चद्दर जगह-जगह से टूटकर लटक रही है, जिससे किसी भी समय हादसा होने की आशंका बनी रहती है।

- अंतिम संस्कार के लिए बना टीनशेड पूरी तरह जर्जर, छत और खंभों में दरारें आई

जानकारी के अनुसार रविवार को रात्रि को अल्टो कार की टक्कर से राकेश वैष्णव (27) पुत्र श्यामदास वैष्णव की मौके पर ही मौत हो गई थी और साथी पिंटू घायल हो गया, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी थी। राकेश का हादसे के बाद शव को रायला चिकित्सालय की मोर्चरी में रखवाया गया। सोमवार को रायला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर और गुलाबपुरा पुलिस टीम द्वारा पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सुपुर्द किया गया। इसके बाद जब ग्रामीण अंतिम संस्कार के लिए ईरांस श्मशान पहुंचे, तो उन्हें कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। बरसात के पानी से रास्ते में कीचड़ हो रहा और नालियों नही होने रास्ते में खड्डे गंद पानी से भर गए थे, जिससे शव को शमशान घाट तक ले जाने में परेशानी का सामना करना पड़ा। ग्रामीणों के कंधो पर शव को कीचड़ से निकालने दौरान बारिश से भी परेशानियां झेलनी पड़ी और जर्जर अवस्था में टीनशेड में अंतिम संस्कार करना पड़ा। मानसी नदी के किनारे स्थित इस श्मशान भूमि पर बैठने या आश्रय की कोई समुचित व्यवस्था नहीं होने से शोकाकुल परिजनों व ग्रामीणों को खुले में खड़ा रहना पड़ा।

ग्रामीणों ने बताया कि यह टीन शेड लगभग 20 से 25 वर्ष पुराना है, जो अब पूरी तरह जर्जर हो चुका है। खंभों में दरारें हैं और अंदर सांप-बिच्छू का डर बना रहता है। ग्रामीणों का कहना है कि शमशान भूमि के लिए भूमि आवंटित भी की जा चुकी है, लेकिन कार्य अधूरा छोड़े जाने से अब तक स्थिति जस की तस बनी हुई है। कई बार शिकायत करने के बावजूद भी प्रशासन द्वारा इस ओर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द नया टीन शेड बनवाया जाए, शमशान घाट तक पक्का मार्ग बनाया जाए, और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएं, ताकि भविष्य में किसी भी परिवार को ऐसी स्थिति का सामना न करना पड़े।

गरीब हिन्दुओं का धर्मांतरण कराने के मामले में पांच आरोपी गिरफ्तार

अलवर, (निसं)। हिन्दू धर्म के गरीब महिला और पुरुषों का धर्मान्तरण कराने वाले पांच आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर उनके कब्जे से एक पेन ड्राईव और धर्म प्रचार की सामग्री को बरामद किया है। यह कार्रवाई बड़ौदामेव पुलिस थाना क्षेत्र में की गई है।

सुधीर चौधरी आईपीएस पुलिस अधीक्षक जिला अलवर ने जानकारी देते हुए बताया कि डॉ. प्रियंका आरपीएस अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण जिला अलवर व कैलाश जिन्दल आरपीएस वृताधिकारी वृत लक्ष्मणगढ़ जिला अलवर के निकटतम सुपरविजन में प्रभावी कार्रवाई करते हुए बड़ौदामेव पुलिस टीम द्वारा हिन्दू धर्म की गरीब महिलाओं एव पुरुषों को ईसाई धर्म अपनाने के लिए प्रलोभन एवं भय दिखाकर धर्म परिवर्तन हेतु प्रेरित करने वालों के विरुद्ध अभियोग पंजीबद्ध कर पांच आरोपियों बहला एमआईए अलवर निवासी प्रशांत जाटव, मुरादाबाद निवासी रोहित जाटव, मालाखेड़ा अलवर निवासी रामनारायण, महेश मेघवाल और जगतपुरा जयपुर निवासी केशव वैदादा को गिरफ्तार किया गया।

एसपी सुधीर चौधरी ने बताया कि परिवादी द्वारा पुलिस थाना उपस्थित होकर एक रिपोर्ट प्रस्तुत कि की ग्राम नैनापुर में हिन्दू धर्म की गरीब महिलाओं एवं पुरुषों को ईसाई धर्म अपनाने के लिए प्रलोभन एवं भय दिखाकर धर्म परिवर्तन हेतु अवैध धर्मान्तरण कराया जा रहा है। जिस पर विजयपाल सिंह उ.नि. थानाधिकारी मय जाब्ता के उक्त जगह पर पहुंचे। वहां पर मौजूद लोगों से इस बारे में जानकारी की गई व रिकॉर्ड को देखा गया, जिस पर यह तथ्य सामने आए कि हिन्दू धर्म के विरुद्ध गलत बातें सिखाई जाती हैं। जिस पर थाना बड़ौदामेव पर प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। प्रकरण में गवाह बयानात व जब्तशुदा पेन ड्राइव व धर्म प्रचार-प्रसार सामग्री एवं उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर जुर्म प्रमाणित पाया जाने पर पांच व्यक्तियों को हिरासत में लेने के बाद पूछताछ कर गिरफ्तार किया गया।

गुलकंद फैक्टरी में जहरीली गैस रिसाव से तीन मजदूर अचेत

पुष्कर, (निसं)। ग्राम चावंडिया में रोशन फूड गुलकंद फैक्टरी में मंगलवार को पानी से टंकी की सफाई के दौरान गैस रिसाव से बड़ा हादसा टल गया। फैक्टरी में गुलकंद निकालने के बाद टंकी की सफाई कर रहे तीन मजदूर जहरीली गैस की चपेट में आने से अचेत हो गए।

- पानी से टंकी की सफाई के दौरान गैस रिसाव हो गया था

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि मजदूर सोनू टंकी की सफाई के लिए नीचे उतरा था, लेकिन कुछ ही देर जहरीली गैस की चपेट में आने से वे बेहोश हो गया। उसे निकलने के लिए धनराज और दीपू भी टंकी में उतरे तो वो भी गैस की चपेट में आ गए और अचेत हो गए। मौके पर मौजूद अन्य श्रमिकों ने तुरंत शोर मचाया और साथियों की मदद से तीनों मजदूरों को बाहर निकाल कर तत्काल पुष्कर राजकीय चिकित्सालय लाया गया, जहां उनकी हालत गंभीर देख डॉक्टरों ने अजमेर रैफर कर दिया। घटना के बाद गांव में हड़कंप मच गया।

सुरक्षा मानकों की अनदेखी :- स्थानीय लोगों का कहना रहा कि गुलकंद फैक्टरी में सुरक्षा मानकों की अनदेखी की जा रही है। किसी भी टंकी की सफाई से पहले गैस स्तर जांचने के उपकरण, ऑक्सीजन मास्क या वेंटिलेशन सिस्टम मौजूद नहीं हैं। यह लापरवाही मजदूरों की जान पर भारी पड़ी। मीडिया के मौके पर पहुंचने से पहले ही फैक्टरी प्रबंधन ने गेट पर ताला जड़ दिया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि हादसे के बाद भी फैक्टरी संचालक घटना को छिपाने की कोशिश कर रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि यह फैक्टरी लंबे समय से बदबू, केमिकल प्रदूषण और गंदे पानी के बहाव से ग्रामीण जीवन को प्रभावित कर रही है। कई बार प्रशासन से शिकायतें की गईं, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों ने चेताया कि अगर अब भी कार्रवाई नहीं की गई तो कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। ग्रामीणों की मांग है कि फैक्टरी संचालक के खिलाफ औद्योगिक सुरक्षा कानूनों के तहत सख्त कार्रवाई की जाए और ऐसी इकाइयों को आबादी से बाहर स्थानांतरित किया जाए। पुष्कर थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अलवर जिले में मिलावट की आशंका पर खाद्य पदार्थों के नमूने लिए

"शुद्ध आहार मिलावट पर वार" अभियान के तहत जिले के विभिन्न स्थानों पर कार्रवाई

अलवर, (निसं)। जिला कलेक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला के निर्देशन में दीपावली के त्यौहार पर खाद्य पदार्थों में मिलावट की आशंका को दृष्टिगत रखते हुए जिले में चलाए जा रहे 'शुद्ध आहार मिलावट पर वार' अभियान के तहत के जिले के विभिन्न स्थानों पर जांच हेतु खाद्य पदार्थों के नमूने लेने एवं मिलावटी खाद्य पदार्थों को जब्त करने व नष्ट करने की कार्रवाई की गई।

- मिलावटी खाद्य पदार्थ होने पर दूषित खाद्य पदार्थों को मौके पर ही नष्ट कराया
- मिलावटखोरी पर लगाम लगाने हेतु अभियान 19 अक्टूबर तक जारी रहेगा

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी अलवर डॉ. योगेंद्र शर्मा ने बताया कि खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा राजगढ़ क्षेत्र के रामसाला मोतीवाड़ा स्थित कलाकंद निर्माण एवं विक्रय इकाई भोले बाबा मिल्क प्रोडक्ट से कलाकंद का नमूना जांच हेतु लिया गया एवं करीब 110 लीटर दूषित दूध एवं 80 किलो दूषित कलाकंद एवं अन्य मिठाई को मौके पर ही नष्ट कराया गया। साथ ही मौके पर रखे करीब 25 किलो स्कीम मिल्क पाउडर एवं करीब 30 किलो रिफाइंड सोयाबीन ऑयल को जब्त किया गया। इसी प्रकार राजगढ़ क्षेत्र में ही स्थित कलाकंद निर्माण एवं विक्रय इकाई एस. वी. फूड से कलाकंद का नमूना जांच हेतु लिया गया एवं करीब 90 लीटर दूषित दूध एवं 50 किलो दूषित कलाकंद एवं अन्य मिठाई को मौके पर ही नष्ट कराया गया तथा मौके पर रखे करीब 25 किलो स्कीम मिल्क पाउडर एवं करीब 45 किलो रिफाइंड सोयाबीन ऑयल को जब्त किया गया। साथ ही दोनों खाद्य कारोबारकर्ताओं को साफ-सफाई नहीं पाए जाने पर नोटिस दिया गया।

उन्होंने बताया कि राजगढ़ कस्बे में मांदरी मोहल्ला स्थित रसगुल्ला निर्माण एवं विक्रय इकाई श्री हरि रसगुल्ला भंडार से रसगुल्ले एवं घी का नमूना जांच हेतु लिया गया एवं करीब 30 किलो दूषित चासनी को मौके पर ही नष्ट कराया गया एवं मिलावट की आशंका होने पर 10 किलो घी को जप्त किया गया। इसी प्रकार गोल मार्केट राजगढ़ स्थित लल्लू राम डेरी से घी का नमूना जांच हेतु लिया गया एवं करीब 14 किलो घी को मिलावट की शंका होने पर जप्त किया गया। खंडेलवाल मिष्ठान भंडार, राजगढ़ से कलाकंद एवं मावे का नमूना जांच हेतु लिया गया। सैनी मिष्ठान भंडार गोल मार्केट राजगढ़ के बाहरला वास स्थित मिठाई निर्माण के कारखाने से मावा एवं दही का नमूना जांच हेतु लिया गया एवं उक्त कारखाने पर रखे करीब 60 किलो एक्सपायर रसगुल्ला एवं करीब 20 किलोग्राम पुरानी सूखी मिठाई को नष्ट कराया गया।

वहीं अलवर शहर में भी विभिन्न स्थानों पर कार्रवाई की गई जिनमें कमल डेयरी 60 फीट रोड अलवर से घी का नमूना जांच हेतु लिया गया, बहरोड रोड, स्कीम नंबर 10, अलवर स्थित बर्गर सिंह (एमजी एसोसिएट) से यूज्ड रिफाइंड पामोलिन तेल का नमूना जांच हेतु लिया गया। उन्होंने बताया कि दीपावली के त्योहार के अवसर पर जिले में मिलावटखोरी पर लगाम लगाने हेतु यह अभियान 19 अक्टूबर तक निरन्तर जारी रहेगा।

आठ आरोपियों को पकड़ा

गंगापुर सिटी, (निसं)। पुलिस ने एक दिवसीय एरिया डोमिनेशन अभियान चलाकर एटीएम चोरी, अपहरण और आर्मस एक्ट सहित विभिन्न मामलों में वांछित कुल आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी राजवीर सिंह के नेतृत्व में गठित दो टीमों ने अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर आरोपियों को पकड़ा।

एटीएम काटकर नकदी चोरी के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। गत दिनों आदर्श नगर स्थित एक्सिस बैंक के एटीएम को गैस कटर से काटकर 3.95 लाख रुपए चोरी किए गए थे। इस मामले में तिजारा, जिला खैरथल निवासी साहुन, आरिफ और अलीजान को दौसा जिला कारागृह से प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों से बरामदगी की कार्रवाई जारी है।

अपहरण के एक अन्य मामले में बालोती निवासी रजनेश कुमार और धांधूरेत निवासी सुरेश उर्फ सुस्या को गिरफ्तार किया गया। रिपोर्ट के अनुसार, 20 अगस्त को एक युवक का सालोदा मोड से अपहरण कर बालोती ले जाकर मारपीट की गई थी। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त बोलेरो वाहन भी जब्त किया है। इसके अतिरिक्त, पूर्व में आर्म्स एक्ट व आबकारी अधिनियम में चालानशुदा चार आरोपियों आजाद खान, उत्तम सिंह, धान सिंह और सलमान खान को भी पकड़ा गया है। ये सभी उदेईमोड व गंगापुर सिटी क्षेत्र के रहने वाले हैं।

नायक सुनील कुमार मीणा का सैनिक सम्मान के साथ अंतिम संस्कार

हजारों महिला-पुरुषों की मौजूदगी में कोठी नारायणपुर से अंतिम यात्रा तिरंगे से सजी बाइकों के साथ पैतृक ग्राम तक निकाली गई

राजगढ़, (निसं)। राजगढ़ क्षेत्र के ग्राम दुब्बी ग्राम निवासी दिल्ली हेडक्वार्टर 5 एसआईजी जीपी सेना में कार्यरत नायक सुनील कुमार मीणा (35) का हजारों लोगों की मौजूदगी में सैनिक सम्मान के साथ मंगलवार को अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान अंतिम संस्कार के समय भारी संख्या में महिलाएं उपस्थित रही। अलवर से जाट रेजीमेंट की टुकड़ी ने दिवंगत सुनील कुमार के सम्मान में सशस्त्र सलामी दी। इससे पूर्व सेना के विशेष वाहन से सुनील कुमार मीणा की पार्थिव देह कोठी नारायणपुर पहुंची। हजारों महिला-पुरुषों की मौजूदगी में कोठी नारायणपुर से अंतिम यात्रा तिरंगे से सजी बाइकों के साथ पैतृक ग्राम तक निकाली गई। इस दौरान थानागाजी विधायक कांतिलाल मीणा, भाजपा नेता बन्नाराम मीणा, राजगढ़ लक्ष्मणगढ़ विधायक मांगेलाल मीणा, आदिवासी सेवा संघ के प्रदेश अध्यक्ष अमरचंद फौजी, उपखंड अधिकारी सीमा मीणा, उपअधीक्षक पुलिस मनीषा मीणा, थानाप्रभारी राजेश मीणा, धारासिंह सहित प्रमुख लोगों ने पुष्पांजलि अर्पित कर वीर शहीद को श्रद्धांजलि दी। नायक सुनील कुमार की अंतिम यात्रा निवास पर पहुंचने के बाद गांव में भारत माता की जय, सुनील कुमार मीणा की जयकारे से माहौल देशभक्ति पूर्ण रहा। विधि विधान के साथ घर से सेना के जवानो ने कंधा देकर स्कूल के समीप पहुंचे। नायक सुनील कुमार के परिवार में पिता माता, बड़ा भाई, बहिन पत्नी एवं 3 वर्षीय पुत्र तनवीर, प्रमुख है। नायक सुनील कुमार अलवर क ईटा राणा के समीप मंगलम रेजिडेंसी में रहते थे। चार दिन पूर्व ही अलवर से दिल्ली गए थे। रविवार रात्रि को सेवा की ओर से 10:30 बजे परिजनों को सुनील कुमार की मृत्यु की सूचना दी। इसके बाद परिजन पहुंचे एवं पार्थिव देह सोमवार रात्रि को अलवर पहुंची। मंगलवार को पैतृक ग्राम में सैनिक सम्मान के साथ हजारों महिला-पुरुषों की मौजूदगी में अंतिम संस्कार किया गया।

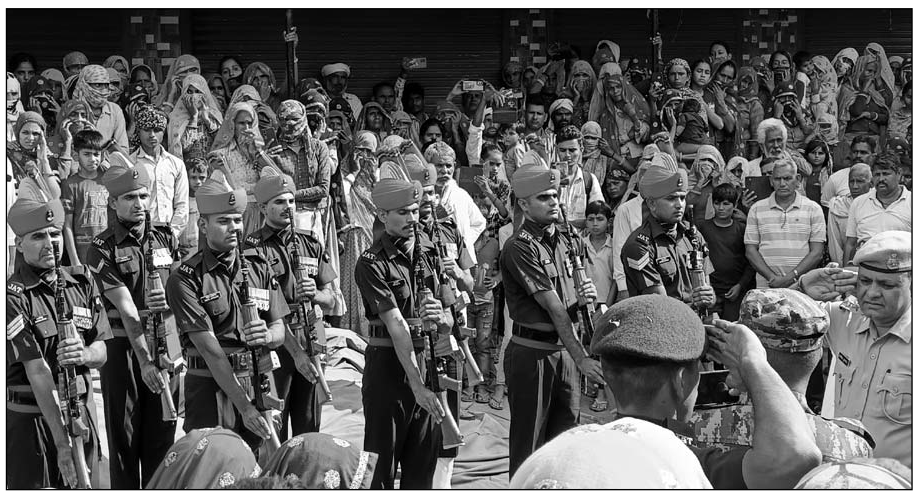

अलवर से जाट रेजीमेंट की टुकड़ी ने दिवंगत सुनील कुमार के सम्मान में सशस्त्र सलामी दी।

वहां तीरंदाजी वैसी है जैसे भारत में क्रिकेट या अमेरिका में फुटबॉल। बच्चे काफी कम उम्र से ही पेशेवर तीरंदाज बनने का सपना देखते हैं। उनके 50वें रैंक के खिलाड़ी की आमदनी शायद मुझसे ज्यादा है।'' – ब्रैडी एलिसन

अमेरिकी तीरंदाज, कोरिया में तीरंदाजी की लोकप्रियता पर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ **सुनील जोशी**

पूर्व भारतीय ऑफ स्पिनर सुनील जोशी पंजाब किंग्स का दामन छोड़ दिया है। उन्होंने पंजाब किंग्स के स्पिन गेंदबाजी कोच का पद छोड़ दिया है।55 वर्षीय सुनील जोशी आईपीएल 2023 से पहले पंजाब किंग्स की टीम से गेंदबाजी कोच के रूप में जुड़े थे। वह इस साल की शुरुआत में फाइनल में जगह बनाने वाली टीम का भी हिस्सा रहे। आईपीएल सूत्र ने बताया कि वह पंजाब की टीम छोड़ रहे हैं क्योंकि वह बेंगलुरु में अपने परिवार के साथ ज्यादा समय बिताना चाहते हैं। वह पिछले कार्यकाल में भी पंजाब किंग्स के कोचिंग स्टाफ का हिस्सा थे। जब अनिल कुंबले मुख्य कोच थे।

क्या आप जानते हैं ?... भारत एशिया कप की सबसे सफल टीम है। टीम इंडिया ने अब तक खेले गए 16 सीजन में 8 बार खिताब पर कब्जा जमाया है। अब भारत की नजर 9वें खिताब पर है।

जयपुर स्पोर्ट्स अकादमी में बैडमिंटन प्रतियोगिता सम्पन्न

जयपुर, 7 अक्टूबर। जयपुर स्पोर्ट्स अकैडमी वैशाली नगर में दीपावली स्पेशल बैडमिंटन टूर्नामेंट का समापन हुआ इसमें मुख्य अतिथि राजस्थान बैडमिंटन एसोसिएशन के हेडकोच अतुल गुप्ता ने

परितोषित वितरण किया विवेक कुमार, ऋषभ जैन व मुकेश कुमार ने दोहरे खिताब जीते आज संपन्न हुई प्रतियोगिता में पुरुष एकल का खिताब विवेक कुमार तथा रनर अप ब्रजराज रहे वहीं पुरुष युगलपीठ में विवेक कुमार व ऋषभ जैन विजेता तथा वत्सल व सूरज पण्ड्या उप विजेता रहे मिक्स्ड डबल्स में आयुष कानूनगो, हर्षिता यादव ने फाइनल में मोहित शर्मा व मैत्री कंवर को हरा खिताब जीता पुरुष युगल टोटल आयु 120 वर्ष में नवीन चौधरी व सुरेश मालू विजेता मुकेश पंडित व सुबोध उप विजेता मेंस डबल्स 105 मुकेश कुमार व दिलीप विजेता रोहित शर्मा व भवानी सिंह उपविजेता पुरुष युगल 90 मुकेश कुमार तरुण विजेता विकास सुनील उप विजेता पुरुष युगल 75 प्लस राहुल मेहता घनश्याम विजेता आदित्य राजेश उपविजेता पुरुष युगल 60 ऋषभ जैन आदित्य विजेता पीयूष कौशल उपविजेता रहे कार्यक्रम के अंत में ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेट्री रोहित शर्मा ने सभी खिलाड़ियों का धन्यवाद दिया तथा सभी विजेता वह विजेता खिलाड़ी में ऑफिशियल स्टाफ को मुख्य अतिथि अतुल गुप्ता नेट्रॉफी व मोमेंटो को भेंट किया

जयपुर राजस्थान की बेटी पिंकी का वर्ल्ड ग्रैपलिंग चैम्पियनशिप के लिए चयन, सर्बिया में लहराएंगी तिरंगा

जयपुर, 7 अक्टूबर। राजस्थान की प्रतिभाशाली पिंकी शर्मा ने एक बार फिर प्रदेश का मान बढ़ाया है। उनका चयन वर्ल्ड ग्रैपलिंग चैंपियनशिप के लिए हुआ है, जो आगामी 14 से 16 अक्टूबर तक बेलग्रेड (सर्बिया) में आयोजित होगी। ग्रेपलिंग एसोसिएशन ऑफ राजस्थान के अध्यक्ष संजय सिंह शेखावत ने बताया कि पिंकी शर्मा 8 अक्टूबर से हरियाणा में आयोजित राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर में भाग लेंगी, जिसके पश्चात राष्ट्रीय टीम 13 अक्टूबर को दिल्ली से सर्बिया के लिए रवाना होगी। इस अवसर पर पीएचईडी स्पोर्ट्स क्लब जयपुर में आयोजित एक भव्य सम्मान समारोह में पिंकी शर्मा का सम्मान किया जाएगा। इस मौके पर ग्रैपलिंग फेडरेशन ऑफ़ इंडिया के वरिष्ठ उपाध्यक्ष महेश कायथ, राजस्थान अध्यक्ष संजय सिंह शेखावत, संरक्षक जगदीश शर्मा, सचिव प्रदीप वर्मा, कोशल शर्मा और सुरेंद्र सिंह ने पिंकी शर्मा को हार्दिक बधाई देते हुए कहा पिंकी शर्मा जैसी बेटियाँ ही राजस्थान का गौरव हैं। हमें पूर्ण विश्वास है कि वे सर्बिया में तिरंगा लहराकर भारत का नाम रोशन करेंगी।

कानोता पोलो ने ट्रोजंस पोलो टीम को हराया

जयपुर, 7 अक्टूबर। कैवेलरी पोलो ग्राउंड पर ट्रोजंस पोलो ओर कानोता पोलो टीम के बीच मैच खेला गया जिसमें कानोता पोलो ने ट्रोजंस पोलो

टीम को 3 के मुकाबले 4 गोलों से हराया। ट्रोजंस पोलो टीम की ओर से हुर्र अली ने 1 गोल ओर कुलदीप सिंह ने 2 गोल किये। जबकि कानोता पोलो टीम की ओर से प्रताप सिंह ओर डीनो धनखड़ ने 2- 2 गोल किए।

पंत के फैंस के लिए अच्छी खबर

द. अफ्रीका के खिलाफ सीरीज से पहले कर सकती है वापसी

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर। टीम इंडिया के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के फैंस के लिए गुड न्यूज है। दरअसल, पंत फिट होने की राह पर है और वह 14 नवंबर से साउथ अफ्रीका के खिलाफ दो मैचों की सीरीज से पहले मैदान र दिख सकते हैं। पंत 25 अक्तूबर से शुरू होने वाले 2025-26 रणजी ट्रॉफी के दूसरे दौर में खेलते दिख सकते हैं।

भारतीय टीम के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने पिछले महीने दुबई में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए टीम की घोषणा करते समय कहा कि साउथ अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में खेलते दिख सकते हैं। जुलाई के आखिर में इंग्लैंड दौरे के दौरान ओल्ड ट्रैफर्ड में खेले गए टेस्ट मैच के दौरान पंत के दाहिने पैर में फ्रेक्चर हो गया था। क्रिकइंफो की रिपोर्ट के अनुसार है कि वह रिहैब के अंतिम चरण में हैं और इस हफ्ते के अंत में बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में उनकी फिटनेस का आकलन किया जाएगा। तीन हफ्ते से भी ज्यादा समय पहले उनके पैर की प्लास्टर हटा दी गई थी और अब वह बिना किसी परेशानी के चल फिर रहे हैं।

वहीं अगर मंजूरी मिल जाती है तो पंत के उनके दिल्ली टीम से जुड़ने की उम्मीद है। जो 15 अक्तूबर से हैदराबाद के खिलाफ रणजी ट्रॉफी के पहले दौर में खेलेगी। डीडीसीए को पंत के पहले राउंड में खेलने पर संदेह है। भारत-इंग्लैंड के चौथे टेस्ट मैच में क्रिस वोक्स की गेंद पर रिवर्स स्वीप करने के प्रयास में चोटिल होने से पंत मैदान से बाहर हैं। उन्हें चोट के कारण रिटायर्ड हर्ट होना पड़ा और स्कैन में फ्रेक्चर की पुष्टि हुई।

आईसीसी टूर्नामेंट में भारत-पाकिस्तान मैच पर लगेगी रोक : माइकल एथरटन

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर। ऑपरेशन सिंदूर के बादभारत और पाकिस्तान के बीच रिश्ते और ज्यादाखराब हो गए हैं। जिसका असर क्रिकेट के ग्राउंड पर भी दिखा जब एशिया कप में पहले हाथ नहीं मिलाने पर बवाल हुआ। उसके बाद एशिया कप की ट्रॉफी भारत को नहीं मिलने पर बड़ी कंट्रोवर्सी सामने आई। अब इन सभी पहलुओं को देखते हुए इंग्लैंड, के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर माइकल एथरटन ने बड़ा बयान दिया है। दरअसल, एथरटन के मुताबिक आईसीसी, ब्रॉडकास्टर और स्पॉन्सर्स को भारत-पाकिस्तान के बीच आईसीसी टूर्नामेंट के लीग राउंड में मैच रखना ही नहीं चाहिए।

उनके इस बयान से पूरे क्रिकेट जगत में हड़कंप मच गया है। वहीं मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक बीसीसीआई के भी एक अधिकारी ने इस प अपनी प्रतिक्रिया दी है।

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल एथरटन ने एशिया कप में हुए विवाद के बाद क्रिकेट की गरिमा को ठेस पहुंचने का हवाला देते हुए ये बयान दिया है। उनके मुताबिक क्रिकेट के सहारे कूटनीतियों का पहिया आगे बढ़ाया जा रहा है। इसलिए उन्होंने साफतौर पर कहा कि, अब सही समय आ गया है कि अब इस पूर्व निर्धारित चीजों को खत्म कर दिया जाए कि आईसीसी टूर्नामेंट में कम से कम एक बार भारत और पाकिस्तान का भिड़ना जरूरी है। अगर क्रिकेट पहले डिप्लोमेसी को आगे बढ़ाने का साधन था तो अब साफतौर पर तनाव र प्रपोगंडा बनाने का मंच बन गया है।

उन्होंने अपने बयान में आगे आईसीसी से गुहार लगाते हुए कहा कि अगले आईसीसी टूर्नामेंट के कार्यक्रम को निष्पक्षता से बनाना चाहिए। कोई जरूरी नहीं है हर बार भारत और पाकिस्तान की टीमें आपस में खेल पाएं। अगर दोनों टीमें नहीं खेल पाती हैं तो कार्यक्रम को बदलना नहीं चाहिए। दोनों टीमें के मुकाबले को जानबूझकर रखा जाता है ताकि स्पॉन्सर्स और ब्रॉडकास्टर्स को फायदा हो। लेकिन ये तरीका पूरी तरह निष्पक्ष नहीं है। दोनों देशों के बीच तनाव के कारण वह आईसीसी टूर्नामेंट के अलावा आपस में नहीं खेलते हैं। एक समय क्रिकेट दो देशों के बीच बातचीत का जरिया था। लेकिन आज सब बदल चुका है। हाल ही में चैंपियंस ट्रॉफी में भी बड़ी मुश्किल से बात नहीं थी जब भारत ने सभी मैच दुबई में खेले थे।

विशाखापट्टनम स्टेडियम में मितालीराज के नाम पर स्टैंड, 12 अक्टूबर को उद्घाटन

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर। विशाखापट्नम स्टेडियम में पूर्व भारतीय कप्तान मिताली राज के नाम पर स्टैंड होगा। वहीं विकेटकीपर रवि कल्पना के नाम पर गेट का नाम रखा जाएगा। इनका उद्घाटन विमेंस वर्ल्ड कप में 12 अक्टूबर को भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाले मैच से पहले किया जाएगा।

आंध्रप्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन ने एक बयान में कहा, महिलाओं के क्रिकेट में योगदान का सम्मान करने के तहत, आंध्रप्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टैंड का नाम मिताली राज के नाम पर और एक गेट का नाम रवि कल्पना के नाम पर रखा जाएगा।

मिताली और कल्पना ने कई प्लेयर्स को इंस्पायर किया

आंध्रप्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन ने कहा, मिताली राज और रवि कल्पना ने भारत में महिला क्रिकेट को एक नई पहचान दी। दोनों ने अगली पीढ़ी को बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित किया है।

मिताली भारतीय टीम की पूर्व कप्तान हैं और महिला क्रिकेट के इतिहास में सबसे महान बल्लेबाजों में से एक हैं। कल्पना, आंध्र प्रदेश में जन्मीं विकेटकीपर-बल्लेबाज हैं, जिनका राज्य स्तर से भारतीय टीम तक का सफर रहा।

मिताली के नाम सबसे ज्यादा वनडे रन मिताली राज के नाम महिला वनडे में सबसे अधिक रन बनाने का रिकॉर्ड है। उन्होंने 232 वनडे में 50.68 की औसत से 7 शतकों के साथ 7805 रन बनाए। 89 टी-20 इंटरनेशनल में, उन्होंने 17 अर्धशतकों के साथ 37.52 की औसत से 2364 रन बनाए। वहीं, 12 टेस्ट मैचों में, उन्होंने 43.68 की औसत से 699 रन बनाए, जिसमें 214 का उनका बेस्ट स्कोर रहा। उन्होंने 23 साल के करियर के बाद 2022 में खेल के सभी फॉर्मेट से संन्यास ले लिया।

रजत पाटीदार मध्यप्रदेश टीम की कमान संभालेंगे

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर। आईपीएल 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को चैंपियन बनाने वाले रजत पाटीदार के अच्छे दिन चल रहे हैं। दलीप ट्रॉफी में सेंट्रल जोन को खिताब दिलाने वाले रजत को अब इस टीम ने कप्तानी का जिम्मा सौंपा है। दरअसल, रजत पाटीदार को मध्यप्रदेश टीम के सभी फॉर्मेट की कप्तानी सौंपी गई है। उन्हें रणजी ट्रॉफी के साथ शुरू होने वाले 2025-26 के घरेलू सत्र से पहले ये जिम्मा सौंपा गया जिसकी शुरुआत 15 अक्तूबर से होने जा रही है। 32 वर्षीय रजत पाटीदार ने शुभमन शर्मा को बतौर कप्तान रिप्लेस किया है। रजत को ये जिम्मेदारी मध्य प्रदेश के क्रिकेट निदेशक चंद्रकांत पंडित ने सौंपी है। रजत पिछले सीजन सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के दौरान कप्तान के रूप में पहली बार आजमाया गया था। पाटीदार ने अपनी कप्तानी में आरसीबी को पहली बार 17 साल के लंबे इंतजार के बाद आईपीएल चैंपियन बनाया।

सेना के मुक्केबाजों का दबदबा, विश्वनाथ, हुसामुद्दीन, वंशज और अन्य ने जीते स्वर्ण

चेन्नई, 7 अक्टूबर। मंगलवार को चेन्नई में संपन्न हुए पहले बीएफआई कप 2025 के पुरुष वर्ग के मुकाबलों में सेना के मुक्केबाजों ने राष्ट्रीय सर्किट पर अपना दबदबा कायम रखा। विश्वनाथ, हुसामुद्दीन, वंशज, सचिन और अंकुश जैसे जाने-माने मुक्केबाजों ने स्वर्ण पदक जीते।

एशियाई अंडर-22 चैंपियन एस. विश्वनाथ (सर्विसेज) ने (47-50 किग्रा) वर्ग में आशीष (हरियाणा) पर 5:0 की शानदार जीत के साथ दिन की शुरुआत की, जबकि आशीष (सर्विसेज) ने एक रोमांचक (50-55 किग्रा) फाइनल में नवराज (एआईपी) को 3:2 से हराया।

विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता मोहम्मद हुसामुद्दीन (सर्विसेज) ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए (55-60 किग्रा) मुकाबले में सागर जाखड़ (साई) को 5:0 से हराया। (60-65 किग्रा) वर्ग में, वंशज (सर्विसेज) ने अपने ही साथी प्रीत मलिक (सर्विसेज) को 3:2 के कड़े मुकाबले में हराया, जबकि सुमित कुमार (साई) ने (65-70 किग्रा) के फाइनल में रजत (सर्विसेज) को 5:0 से हराकर पूरी तरह से नियंत्रण बनाए रखा।

सचिन (सर्विसेज) ने (70-75 किग्रा) मुकाबले में नीरज (हरियाणा) को 5:0 से हराकर टीम का दबदबा कायम रखा, जिसके बाद अंकुश (सर्विसेज) ने (75-80 किग्रा) फाइनल में अमन (चंडीगढ़) को 5:0 से एकतरफा अंदाज में हराया।

भारी भार वर्गों में, नवीन बूरा (सर्विसेज) ने (80-85 किग्रा) वर्ग में विनीत (रेलवे) को 3:0 से हराया, जबकि दक्ष (साई) ने विशाल गुप्ता (सर्विसेज) को 3:2 से हराकर (85-90 किग्रा) का खिताब जीता। प्रतियोगिता का समापन सावन गिल (चंडीगढ़) द्वारा लक्ष्य राठी (साई) को (90-90 किग्रा) सुपर हैवीवेट फाइनल में 3:2 से हराने के साथ हुआ। सात स्वर्ण पदकों के साथ, सर्विसेज शीर्ष प्रदर्शन करने वाली टीम के रूप में उभरी, उसके बाद हरियाणा और रेलवे का स्थान रहा।

राजस्थान-उत्तराखंड अंडर-19 वीमेन अभ्यास मैच (राजस्थान जीती)

राजस्थान सीनियर वीमेन टीम का बीसीसीआई सीनियर वीमेन टी-20 ट्रॉफी में नागपुर में पांडिचेरी से मुकाबला

जयपुर, 7 अक्टूबर। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत के अनुसार बीसीसीआई के आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र 2025 – 26 की अंडर 23, अंडर 19 वीमेन, अंडर 16 प्रतियोगिता की पूर्व तैयारियों के लिए जयपुर में खेले जा रही प्रतियोगिताओं व अभ्यास मैच का परिणाम व स्कोर :-

आरसीए अकादमी – राजस्थान – उत्तराखंड अंडर 19 वीमेन अभ्यास मैच (राजस्थान जीती), राजस्थान पारी 155 /3 (20 ओवर), राजस्थान के लिए प्रतीक्षा सिंह ने 51 (46 गेंद, 4 चौके, 3 छक्के), धृति माथुर 48 (46 गेंद, 6 चोक्के, 1 छक्का), तनिका शर्मा नाबाद 42 (23 गेंद , 4 चोक्के, 3 छक्के) । उत्तराखंड के गेंदबाज तन्वीतोमर 16 /2 व रुद्राशर्मा 22 /1 विकेट उत्तराखंड पारी 135/8, टीम के लिए भूमि 39 व धृति आनंद 35 रन राजस्थान के गेंदबाज मैना सियोल 20/4, तनिका शर्मा, प्रियांशीव निष्ठा प्रत्येक 1-1 विकेट।

राजस्थान - पंजाब अंडर 23

अभ्यास मैच के अंतिम दिन मैच बिना किसी नतीजे के समाप्त, पहले दिन का खेल :-राजस्थान पहली पारी 322 आल आउट, पंजाब पारी 138/4, अंडर 16 प्रतियोगिता (आज खेल गए मैच)

जीआरग्राउंड बूंदी - टोंक (टोंक 3 विकेट से जीती)

बूंदी पारी 77 आल आउट (भव्य 12 रन), टोंक के गेंदबाज सयैदअज़ीन 42 /5, अभिमन्यु 9/2 विकेट, टोंक पारी 78/7, टीम के लिए अभिनव शर्मा 16 , यश शर्मा 15 रन, बूंदी के गेंदबाज समीर 19/3 व भव्य 14/2 विकेट

अरावली ग्राउंड राजसमंद - सिरोही (बारिश का कारण स्थगित), अंडर 23 चैलेंजरट्रॉफी मल्टी डेज :- अनंत ग्राउंड, टीम सी – टीम बी (ड्रा) (टीम बी को पहली पारी में बढ़त)

टीम सी पारी 331 /5 घोषित, टीम बी पारी 381 आल आउट, टीम के लिए आव्यांशसिंह 109, शुभम सिंह 73, डेविड सिंह 67 व अनिरुद्ध 43 रन, टीम सी के गेंदबाज मो साद 80/4, राजवंश सिंह 53/3 विकेट

पी एस ग्राउंड टीम ऐ – टीम डी (बिना किसी नतीजे के समाप्त), टीम ऐ पारी 342/7 घोषित, टीम डी पारी 95/4 (सचिन लखेसर 48 रन)।

अभिषेक और कुलदीप आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ के लिए नामांकित

दुबई, 7 अक्टूबर। भारत के अभिषेक शर्मा और कुलदीप यादव, ज़िम्बाब्वे के ब्रायन बेनेट के साथ, सितंबर के लिए आईसीसी पुरुष प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार की दौड़ में हैं, जबकि भारत की स्मृति मंधाना, पाकिस्तान की सिदरा अमीन और दक्षिण अफ्रीका की तेजमिन ब्रिट्स महिला प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार की दौड़ में हैं। संयुक्त अरब अमीरात में एशिया कप में अभिषेक के प्लेयर ऑफ द सीरीज प्रदर्शन और टूर्नामेंट के दौरान स्पिनर यादव के महत्वपूर्ण प्रदर्शन ने उन्हें इस दौड़ में ला खड़ा किया है, जबकि बेनेट विभिन्न श्रृंखलाओं में कुछ बेहतरीन टी20 प्रदर्शनों के आधार पर इस दौड़ में शामिल हैं।

दूसरे टेस्ट में मिल सकती है बल्लेबाजी के लिए अनुकूल पिच

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर। दिल्ली में 10 अक्टूबर से शुरू होने वाले दूसरे और अंतिम भारत-वेस्टइंडीज टेस्ट मैच की पिच पर कुछ हिस्सों में घास होगी और कुछ हिस्सों में सपाट सतह होगी, जबकि पहले टेस्ट मैच की अहमदाबाद की पिच पर घास की समतल परत थी। दिल्ली की पिच काली मिट्टी की होगी और बल्लेबाजों के अनुकूल होगी, तथा सतह धीरे-धीरे सूखने के कारण स्पिन की भूमिका भी महत्वपूर्ण होगी।

2019 में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप शुरू होने के बाद से भारत की सबसे हरी पिचों में से एक पर पहले टेस्ट में पहले बल्लेबाजी करने के बाद वेस्टइंडीज तीन दिन के अंदर ही हार गया। लाल मिट्टी वाली पिच पर चार मिलीमीटर तक घास बिछी होने और अच्छी उछाल के साथ, जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज ने पहले दिन शानदार प्रदर्शन किया और वेस्टइंडीज 44.1 ओवर में ऑल आउट हो गया। मेहमान टीम अपनी दूसरी पारी में सिर्फ़ 45.1 ओवर ही खेल पाई और एक पारी और 140 रनों से करारी हार का सामना करना पड़ा।

हालांकि, अरुण जेटली स्टेडियम की पिच बल्लेबाजों के लिए ज़्यादा अनुकूल मानी जाती है, क्योंकि आउटफ़ील्ड तेज है और बाउंड्रीज़ थोड़ी छोटी हैं। यहां खेला गया आख़िरी टेस्ट 2023 में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफ़ी का दूसरा टेस्ट था। उस मैच में, धीमी टर्निंग वाली पिच पर पहले बल्लेबाजी करने का फ़ैसला करने वाली ऑस्ट्रेलिया की टीम तीन दिन के अंदर छह विकेट से हार गई थी।

आईसीसी रैंकिंग में स्मृति मंधाना टॉप पर कायम, दीप्ति शर्मा को हुआ नुकसान

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर। आईसीसी ने अपनी ताजा रैंकिंग जारी की है। जहां, भारत की स्टार क्रिकेटर स्मृति मंधाना वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में टॉप पर बनी हुई हैं। हालांकि, इस करिश्माई बल्लेबाज की बढ़त कम हो गई है। स्मृति मंधाना 791 रेटिंग अंकों के साथ इंग्लैंड की नैट साइवर-ब्रंट से अब सिर्फ 60 अंक आगे हैं। वैसे ये तब है जब भारत और श्रीलंका में चल रहे आईसीसी महिला वनडे वर्ल्ड कप 2025 में दो मैच में सिर्फ 31 रन ही बना पाई हैं।

स्मृति मंधाना ने महिला वर्ल्ड कप 2025 में श्रीलंका के खिलाफ 8 और पाकिस्तान के खिलाफ 23 रन बनाए हैं। हालांकि, वर्ल्ड कप से ठीक पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में उन्होंने लगातार शतक लगाए थे। खास ये है कि महिला वर्ल्ड कप 2025 में अब तक सबसे ज्यादा विकेट लेने विकेट लेने वाली भारतीय ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा को वनडे गेंदबाजी रैंकिंग नुकसान हुआ है। दीप्ति शर्मा महिला वनडे गेंदबाजी रैंकिंग में टॉप-5 से बाहर हो गईं हैं। अब वह एक स्थान के नुकसान के बाद छठे नंबर पर खिसक गई हैं। उनके 640 रेटिंग अंक हैं। दीप्ति शर्मा शीर्ष 10 में शामिल एकमात्र भारतीय हैं। इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टोन 792 रेटिंग अंकों के साथ नवीनतम गेंदबाजी सूची में शीर्ष पर हैं।

पृथ्वी शॉ ने पहले ठोका शतक... फिर भिड़ गए मुंबई के खिलाड़ी मुशीर खान से, बीच मैदान पर हाई वोल्टेज ड्रॉमा

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर। पृथ्वी शॉ ने महाराष्ट्र के खिलाफ प्रैक्टिस मैच में कमाल का शतक जमाया लेकिन उनके आउट होते ही मैदान पर हाई वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला। दरअसल, पृथ्वी शॉ मुंबई के खिलाड़ी मुशीर खान से भिड़ गए। पृथ्वी ने वो कर दिखाया है जिसके लिए वो जाने जाते हैं।

रणजी ट्रॉफी से पहले महाराष्ट्र के लिए प्रैक्टिस मैच खेल रहे पृथ्वी शॉ ने तूफानी शतक लगाया है। बड़ी बात ये है कि उन्होंने ये शतक अपनी पुरानी टीम मुंबई के खिलाफ जड़ा। एमसीए में खेले जा रहे इस मैच में पृथ्वी ने मुंबई के गेंदबाजों की जमकर धुनाई की। शॉ ने तूफानी बैटिंग करते हुए 219 गेंदों में 181 रन ठोके।

पृथ्वी शॉ की लड़ाई

वहीं पृथ्वी शॉ ने मुंबई के गेंदबाजों के फीते खोल दिए वो 73.2 ओवर तक क्रीज पर रहे और इस दौरान उन्होंने 219 गेंदों में 181 रन बनाए।

शॉ के शतक की मदद से महाराष्ट्र टीम 430 रनों तक पहुंच चुकी थी लेकिन जैसे ही ये खिलाड़ी आउट हुआ बीच मैदान पर बड़ा बवाल हो गया। पृथ्वी शॉ को मुशीर खान ने आउट किया और इसके बाद मुंबई के खिलाड़ियों ने उनके खिलाफ स्लेजिंग की। स्लेजिंग सुनते ही पृथ्वी शॉ ने आपा खो दिया और वो मुंबई के खिलाड़ियों पर चिल्लाते दिखे। जब मामला बढ़ा तो अंपायर को बीच बचाव के लिए आना पड़ा।

पृथ्वी शॉ ने अपनी पारी में कमाल बैटिंग की। इस खिलाड़ी ने ऑलराउंडर अर्शीन कुलकर्णी के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 305 रन जोड़े। बड़ी बात ये है कि पृथ्वी शॉ ने इस मैच में अपने अंदाज से हटकर बल्लेबाजी की।

ऑस्ट्रेलिया का सामना संघर्षरत पाकिस्तानी महिलाओं से

कोलंबो, 7 अक्टूबर। जब आप महिला क्रिकेट में प्रभुत्व की बात करते हैं, तो बहुत कम टीमें ऑस्ट्रेलियाई महिलाओं की निरंतरता की बराबरी कर पाती हैं, और कल आर प्रेमदासा अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में पाकिस्तान महिलाओं के साथ होने वाला आईसीसी विश्व कप मुकाबला एकतरफा उत्कृष्टता का एक और उदाहरण है।

ऑस्ट्रेलिया इस मुकाबले से पहले पाकिस्तान से 16 वनडे मैचों में कभी नहीं हारा है, यह रिकॉर्ड न केवल कौशल बल्कि मानसिक दृढ़ता, तैयारी और दबाव में अच्छा प्रदर्शन करने की क्षमता का प्रमाण है। इस टूर्नामेंट में, उन्होंने अपनी इसी फॉर्म को जारी रखा है, अपने पिछले छह वनडे मैचों में से पांच जीते हैं और न्यूजीलैंड महिलाओं पर 89 रनों की शानदार जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की है।

भारत ने श्रीलंका को हराकर दूसरी जीत दर्ज की

गुवाहाटी, 7 अक्टूबर। मेजबान भारत ने मिश्रित टीम चैंपियनशिप के नॉक-आउट चरणों में अपनी बढ़त जारी रखते हुए ग्रुप एच में श्रीलंका के खिलाफ एक और शानदार प्रदर्शन किया, जबकि फिलीपींस ने मंगलवार को नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में सुहांदिनाता कप के लिए योनेक्स सनराइज बीडब्ल्यूएफ विश्व जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप के दूसरे दिन ग्रुप एफ के एक रोमांचक मुकाबले में हांगकांग को हराया। भारत नॉक-आउट चरण में आगे बढ़ने का प्रबल दावेदार है क्योंकि ग्रुप में शीर्ष पर रहने वाली और दूसरी वरीयता प्राप्त टीम ने उम्मीदों पर खरा उतरते हुए श्रीलंका पर 45-27, 45-21 से जीत दर्ज की, जिसने सोमवार को एक रोमांचक मुकाबले में संयुक्त अरब अमीरात को हराया था।

प्रदेश में एकता मार्च अभियान के साथ होगा भव्य आयोजन : नीरज के. पवन

जयपुर, 7 अक्टूबर। भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के निर्देशानुसार, सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में 6 अक्टूबर से 6 दिसंबर 2025 तक ''एकता मार्च अभियान'' चलाया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देना और सरदार पटेल के दृष्टिकोण को श्रद्धांजलि देना है।

शासन सचिव, युवा मामले एवं खेल विभाग तथा अध्यक्ष-राजस्थान युवा बोर्ड डा. नीरज के. पवन ने पत्रकार वार्ता में इस अभियान की दृष्टि, कार्यक्रम की रूपरेखा और जनभागीदारी के अवसरों के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि सरदार150 यूनिटी मार्च अभियान सरदार पटेल की जयंती को समर्पित है और पूरे राज्य में आयोजित किया जाएगा। सबसे पहले जिला स्तर पर पदयात्रा का आयोजन 31 अक्टूबर से 15 नवम्बर 2025 तक

होगा तथा राष्ट्रीय स्तर पर पदयात्रा 26 नवम्बर से 06 दिसम्बर 2025 तक होगी, जो सरदार वल्लभ भाई पटेल के जन्म स्थली करमसाद से एकता नगर (स्टेच्यू ऑफ यूनिटी) तक जाएगी। 152 किलोमीट की पदयात्रा में प्रदेश के सभी जिलों से दो-दो प्रतिनिधि जायेंगे।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा एकता मार्च अभियान के रूप में शुरू की गई पहल विकसित और आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को प्रतिनिधितत्व करती है। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार माय भारत पोर्टल पर राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है, जो युवाओं को देशभक्ति की भावनाओं और एकता के सन्देशों को व्यक्त करने के लिए के लिए एक रचनात्मक मंच प्रदान करेगा।

डा. नीरज के. पवन ने बताया कि इस दौरान निबन्ध प्रतियोगिता भी आयोजित की जाएगी, जिसमें चार विषयों विविधता में एकता भारत की एकता को बनाए रखने में युवाओं की भूमिका, सरदार वल्लभ भाई पटेल से सीखने वाले पाठ एक विकसित भारत के लिए व्यावहारिक नेतृत्व, भारत के भविष्य को आकार देने हेतु एक सामूहिक युवा कारेवाई तथा सरदार पटेल के जीवन मूल्य जीने का एक तरीका में से एक विषय पर 250 शब्द में लिखना है। 15 वर्ष से 29 वर्ष के मध्य के युवा भाग ले सकते है। उन्होंने बताया कि इसके अलावा पॉडकास्ट, प्रश्नोत्तरी एवं राष्ट्रीय रील प्रतियोगिता भी होगी। सभी पंजीकरण और गतिविधियां माय भारत पोर्टल पर हो रही है। सभी युवाओं से आग्रह है कि वे ऐतिहासिक पहल में जुड़े और सक्रिय भागीदारी करे। इस अवसर पर राजस्थान युवा बोर्ड के सचिव कैलाश पहाडिया और माई भारत के निदेशक कृष्ण कुमार के अलावा एनएसएस के अधिकारी भी उपस्थित थे।

धोनी ने ड्रोन पायलट प्रशिक्षण पूरा किया

चेन्नई, 7 अक्टूबर। भारत के अग्रणी ड्रोन निर्माता, गरुड़ एयरोस्पेस ने घोषणा की है कि उसके ब्रांड एंबेसडर और निवेशक, महेंद्र सिंह धोनी ने चेन्नई स्थित कंपनी के डीजीसीए-अनुमोदित रिमोट पायलट ट्रेनिंग ऑर्गनाइजेशन (आरपीटीओ) में अपना ड्रोन पायलट प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। यह उपलब्धि न केवल कंपनी के साथ धोनी के जुड़ाव को मजबूत करती है, बल्कि भारत के सबसे प्रसिद्ध खेल दिग्गजों में से एक के विमानन प्रौद्योगिकी के भविष्य में कदम रखने के एक महत्वपूर्ण क्षण को भी चिह्नित करती है। यह निवेश और ब्रांड एंबेसडरशिप से परे गरुड़ एयरोस्पेस के साथ उनके जुड़ाव को और मजबूत करता है। कठोर प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरा करने के बाद, धोनी अब ड्रोन उड़ाने के लिए प्रमाणित हो गए हैं, जो भारत की विकास गाथा को बदलने की उनकी क्षमता को उजागर करता है। यह प्रशिक्षण प्रमाणित और सुरक्षित ड्रोन संचालन को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसमें सैद्धांतिक ग्राउंड कक्षाओं के साथ-साथ सिमुलेटर और वास्तविक ड्रोन पर गहन व्यावहारिक उड़ान सत्र भी शामिल हैं। गरुड़ एयरोस्पेस अपने प्रशिक्षण केंद्रों के बढ़ते नेटवर्क और अग्रणी शैक्षिणक संस्थानों के सहयोग से स्थापित 300 से अधिक ''उत्कृष्टता केंद्रों'' के माध्यम से इस प्रयास में अग्रणी है। ये पहल यह सुनिश्चित करती हैं कि पायलट औपचारिक रूप से प्रमाणित हों, जिससे कंपनी की गुणवत्ता और विश्वसनीयता के प्रति प्रतिबद्धता और भी मजबूत होती है। धोनी की उपलब्धि के बारे में बात करते हुए, गरुड़ एयरोस्पेस के संस्थापक और सीईओ अग्निश्वर जयप्रकाश ने कहा, ''हमारे ब्रांड एंबेसडर और निवेशक, एमएस धोनी का व्यक्तिगत रूप से प्रशिक्षण लेना और पायलट के रूप में प्रमाणित होना हमारे लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

भजनलाल आज सूरत में प्रवासी राजस्थान मीट में भाग लेंगे

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री सूरत के फार्मास्यूटिकल्स, टैक्सटाइल्स, सिरेमिक्स व पैट्रोकैमिकल्स के उद्यमियों से मिलेंगे

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

- सूरत का आयोजन 10 दिसम्बर को जयपुर में आयोजित ''प्रवासी राजस्थानी दिवस'' के तहत किया जा रहा है। इसका उद्देश्य ''कनैक्ट, कोलैबोरेट एंड कॉन्ट्रिब्यूट'' के सिद्धांत पर चलते हुए प्रवासी राजस्थानियों को राज्य की विकास यात्रा में भागीदार बनाना है।

जयपुर, 7 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बुधवार को गुजरात के सूरत शहर में 'प्रवासी राजस्थानी मीट' में हिस्सा लेंगे। इस अवसर पर वे वहां रह रहे प्रवासी राजस्थानी समुदाय से संवाद करेंगे और उन्हें राजस्थान में निवेश के लिए आमंत्रित करेंगे। मुख्यमंत्री के साथ संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल एवं संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी सम्मेलन में मौजूद रहेंगे।

इस सम्मेलन का आयोजन कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री के सहयोग से किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य प्रवासी राजस्थानियों और उद्योग जगत के साथ राज्य के संबंधों को प्रगाढ़ बनाना है। कार्यक्रम के दौरान, मुख्यमंत्री शर्मा सूरत के फार्मास्यूटिकल्स, टेक्सटाइल्स, सिरेमिक्स और पेट्रोकेमिकल्स क्षेत्रों के उद्यमियों से भी मुलाकात करेंगे। इसके अतिरिक्त वे सूरत के डायमंड बूअर्स का भी अवलोकन करेंगे।

यह कार्यक्रम आगामी 10 दिसंबर को जयपुर में आयोजित होने वाले 'प्रवासी राजस्थानी दिवस' के तहत आयोजित हो रहा है। इस श्रृंखला की पहली कड़ी दो सप्ताह पूर्व हैदराबाद में आयोजित की गई थी। इस पहल का उद्देश्य है, 'कनेक्ट, कोलेबोरेट एंड कॉन्ट्रिब्यूट' के सिद्धांत पर चलते हुए प्रवासी राजस्थानियों को राज्य की विकास यात्रा में भागीदार बनाना। राजस्थान सरकार ने निर्णय लिया है कि हर वर्ष 10 दिसंबर को प्रवासी राजस्थानी दिवस के रूप में मनाया जाएगा। उद्योग विभाग और राजस्थान फाउंडेशन के नेतृत्व में आयोजित होने वाले इस विशेष कार्यक्रम का उद्देश्य है, प्रवासी राजस्थानी समुदाय से सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक रिश्तों को सुदृढ़ करना तथा उन्हें राज्य के सतत विकास में सहभागी बनाना।

कर्नाटक में बांध का गेट खुलने से 6 लोग बहे

बंगलूरू, 07 अक्टूबर। कर्नाटक के तुमकुरु जिले में मंगलवार दोपहर मरकोनाहल्ली बांध का गेट अचानक खुल जाने से पानी के तेज बहाव के कारण कई लोग बह गए। इस हादसे में छह लोगों की मौत हो गई है। दो लोगों के शवों को बरामद किया गया है और चार लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं। पुलिस के अनुसार, सभी मृतक तुमकुरु शहर के बीजी पल्या इलाके के रहने वाले थे। ये लोग पिकनिक मनाने बांध के पास पहुंचे थे, तभी हादसा हो गया।

- पंद्रह लोग पिकनिक पर गये थे, बांध का गेट अचानक खुलने से वे बह गए, चार लोग अभी भी लापता हैं।

तुमकुरु के पुलिस अधीक्षक अशोक केवी ने बताया, मंगलवार को सार्वजनिक अवकाश होने के कारण 15 लोग बीजी पाल्या से मडिपल्या गए थे और बांध देखने का फैसला किया था। जल स्तर कम होने के कारण सात लोग बांध के निचले हिस्से में पहुंच गए। अचानक पानी का प्रवाह बढ़ गया और वे बह गए। पुलिस ने बताया कि अब तक दो शव बरामद किए गए हैं, जबकि चार अन्य लापता हैं।

पूर्व मंत्री भरत सिंह का पैतृक गांव में दाह संस्कार हुआ

उनकी स्पष्टवादिता व ईमानदारी की उनके विरोधी भी प्रशंसा करते थे

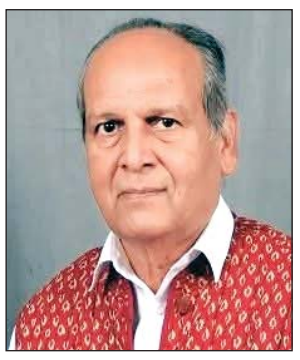

भरत सिंह

- भरत सिंह सरपंच, प्रधान तथा चार बार विधायक रहे। उनके पिता जुझार सिंह कांग्रेस के वरिष्ठ व प्रतिष्ठित नेता थे।

कोटा, 7 अक्टूबर (निसं)। पूर्व मंत्री भरत सिंह के निधन के बाद मंगलवार को उनके पैतृक गांव कुंदनपुर में उनका अंतिम संस्कार किया गया। उनके पुत्र भगवती सिंह और गंगा सिंह ने मुखाग्नि दी। इस दौरान लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा था। खुद प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सहित तमाम नेता इस दौरान मौजूद थे। भरत सिंह के पिता जुझार सिंह लंबे समय तक राजनीति में सक्रिय रहे थे। झालावाड़ लोकसभा सीट से सांसद के रूप में उन्होंने प्रतिनिधित्व भी किया था।

इसके बाद, भरत सिंह राजनीति में सक्रिय हो गए। वे सरपंच, प्रधान और चार बार विधायक रहे हैं। हालांकि उन्होंने अपने बेटों को राजनीति में एंट्री नहीं करवाई। उनके बड़े बेटे भगवती सिंह जयपुर में कॉ-ऑपरेटिव सेक्टर की एक निजी कंपनी में जनरल मैनेजर हैं। छोटे बेटे गंगा सिंह आर्टिस्ट हैं। वे कोटा में ही खेती के साथ यह कार्य करते हैं। दोनों बेटों के एक-एक बेटी है। भरत सिंह की पत्नी मीना देवी सरपंच रही हैं। अंतिम संस्कार से पहले भरत सिंह के पार्थिव शरीर को मंगलवार को कोटा गुमानपुरा स्थित उनके घर भी लाया गया, जहां पर श्रद्धांजलि दी गई। इसके बाद शव को जिला कांग्रेस कमेटी के दफ्तर कोटड़ी रोड़ पर ले जाया गया, जहां पर जिले के सभी वरिष्ठ नेताओं ने उन्हें नम आंखों से श्रद्धांजलि दी। इसके बाद शरीर को पैतृक गांव कुंदनपुर ले जाया गया, जहां पर अंतिम संस्कार किया गया है।

भरत सिंह के बारे में जानकारी देते हुए उनके पूर्व निजी सहायक जगदीश गुप्ता ने बताया कि वे चुनाव में कोई ज्यादा राशि खर्च नहीं करते थे। बिना लवाजमे के ही चुनाव लड़ लेते थे। उनके चुनाव में कुछ लाख रुपए ही खर्च होते थे। ज्यादा बड़ी सभाएं और बैनर-पोस्टर लगाना भी उन्हें पसंद नहीं था। पूरे जीवन में गांधी विचारधारा को ही उतार कर वे राजनीति करते रहे।

जगदीश गुप्ता का कहना है कि भरत सिंह खुद ही उनके कार्यकर्ताओं को फोन कर जुट जाने के लिए कहते थे और वह अपने आप ही काम में जुट जाते थे। भरत सिंह का विरोध करने का तरीका अनूठा था। वे अपने ही पार्टी के नेताओं का कई बार विरोध कर चुके थे, जिनमें मुख्यमंत्री से लेकर छोटे-बड़े नेता शामिल हैं।

उनके अंतिम संस्कार के समय कांग्रेस तथा भाजपा के अनेक नेता, स्थानीय अधिकारी तथा आमजन भारी संख्या में मौजूद थे। पूर्व मंत्री भरत सिंह कुंदनपुर के निधन पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने गहरा शोक प्रकट करते हुए कहा कि भरत सिंह कुंदनपुर का संपूर्ण जीवन जनसेवा को समर्पित रहा। वे सिद्धांतनिष्ठ सरल और जनहित के प्रति समर्पित नेता थे। उनका निधन हाड़ौती और राजस्थान की राजनीति के लिए बड़ी क्षति है।

ब्लूचिस्तान व ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आर्थिक पक्ष के साथ-साथ संप्रभुता का सवाल भी जुड़ा है। खबरें हैं कि अमेरिकी कंपनियां बंदरगाहों और रसद नेटवर्क पर विशेष अधिकार की मांग कर सकती हैं, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पर यह एक खतरे की घंटी ज़रुर है। ग्वादर जैसे अस्पष्ट समझौतों के अनुभव को देखते हुए, विशेषज्ञ संसद की निगरानी और स्वतंत्र ऑडिट की मांग कर रहे हैं, ताकि देश की रणनीतिक स्वायत्तता (स्ट्रैटेजिक ऑटोनोमी) पर कोई आंच न आए।

इस समझौते में बलूचिस्तान जैसे प्रांतों को भी बराबर की हिस्सेदारी मिलनी चाहिए। इतिहास गवाह है कि जब धन केन्द्रीकृत (सैन्ट्रलाइज्ड) होता है तो संसाधन-समृद्ध क्षेत्र अक्सर गरीब रह जाते हैं। इसलिए राजस्व का न्यायसंगत बंटवारा और स्थानीय समुदायों में निवेश अनिवार्य है, ताकि राजनीतिक असंतोष न पनपे। पर्यावरणीय सुरक्षा भी बड़ी चुनौती है। रेयर अर्थ खनन अत्यंत प्रदूषणकारी और पानी-खपत वाला होता है। यदि सख्त पर्यावरणीय नियम लागू नहीं हुए, तो पाकिस्तान म्यांमार जैसी गलतियां दोहरा सकता है, जहां बेतहाशा खनन से गंभीर पर्यावरणीय नुकसान हुआ है।

आखिरकार, यह सिर्फ एक समझौता नहीं, बल्कि दूरदर्शिता की परीक्षा है। पाकिस्तान के सामने दो रास्ते हैं, या तो वह इस अवसर का उपयोग करते हुए अपनी औद्योगिक क्षमता, रिफाइनिंग और अनुसंधान केन्द्र विकसित करे और रोजगार पैदा करे, या फिर वह सस्ते खनिजों का आपूर्तिकर्ता बनकर रह जाए, तथा असली मुनाफा दूसरे देश उठाएं। अगर यह समझौता सोच-समझकर, पारदर्शी और संतुलित ढंग से किया गया, तो यह पाकिस्तान के औद्योगिक इतिहास में नया मोड़ साबित हो सकता है, जो उसे स्वच्छ ऊर्जा और एडवान्स्ड मैनुफैकचरिंग के वैश्विक नेटवर्क में मजबूत स्थान दिलाएगा। लेकिन अगर इसे जल्दबाजी, गोपनीयता या एकतरफा शर्तों के साथ लागू किया गया, तो यह निर्भरता को और गहरा कर देगा, और संसाधन तो जाएंगे ही, पर अवसर खो जाएंगे।

हिमाचल में बस पर पहाड़ का मलबा गिरा, 18 की मौत

मलबे में पूरी बस दब गई, दो बच्चियों व एक बच्चे को सुरक्षित बचा लिया गया

- बस में 30 से 35 यात्री सवार थे। बचाव दल मलबा हटाकर लोगों को निकालने का प्रयास कर रहा है। अभी तक किसी मृतक की पहचान नहीं हो पाई है।

शिमला, 7 अक्टूबर। हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर में एक भयानक बस हादसा हुआ है। यहां एक प्राइवेट बस भूस्खलन (लैंडस्लाइड) की चपेट में आई गई। मलबे के नीचे दबने से बस में सवार 18 लोगों की मौत हो गई। यह हादसा मंगलवार शाम करीब साढ़े छह बजे बालूघाट (भल्ला पुल) के पास हुआ, जब मरोतन से घुमारवीं जा रही बस पर पहाड़ी से भूस्खलन का मलबा गिर गया।

मलबे के गिरने से पूरी बस उसकी चपेट में आ गई। इस हादसे में दो बच्चियों और एक बच्चे को सुरक्षित बचा लिया गया है। इनमें से एक बच्ची की मां की दुर्घटना में मौत हो गई। उधर, मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया है और प्रभावित परिवारों को हर संभव मदद का आश्वासन दिया है।

जानकारी के मुताबिक, बिलासपुर जिले के झंडूता विधानसभा क्षेत्र में बालूघाट (भल्ला पुल) के पास मंगलवार शाम साढ़े छह बजे के करीब यह दर्दनाक हादसा हुआ। पहाड़ी से अचानक गिरे भूस्खलन के मलबे ने बस को अपनी चपेट में ले लिया। मलबे के भारी दबाव से बस पूरी दब गई और खड्ड के किनारे जा गिरी। बस के अंदर सवार सभी यात्री मलबे के नीचे दब गए। खबर लिखे जाने तक बस के अंदर से 18 शव निकाले जा चुके थे। राहत और बचाव कार्य तेजी से जारी है।

रिपोर्ट के मुताबिक, बस में 30 से 35 यात्री सवार थे, जो मरोतन, बरठीं, घुमारवीं और बीच के स्टेशनों के रहने वाले थे। बस चालक और परिचालक की भी इस हादसे में मौत हो गई है। अभी तक किसी भी मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। बचाव दल मलबे को हटाकर फंसे हुए लोगों को निकालने का प्रयास कर रहे हैं। उधर, मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने इस बस दुर्घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

कफ सिरप मामले में सुप्रीम कोर्ट में याचिका

- याचिका में सेवानिवृत न्यायाधीश की अध्यक्षता में न्यायिक आयोग या विशेषज्ञ समिति गठिन करने की मांग की है।

नयी दिल्ली, 07 अक्टूबर। मध्य प्रदेश और राजस्थान में कथित तौर पर 'दूषित कफ सिरप' सेवन से कई बच्चों की मौत के मामले की अदालत की निगरानी में स्वतंत्र जांच और देश के दवा सुरक्षा ढांचे में व्यापक बदलाव की मांग को लेकर उच्चतम न्यायालय में एक जनहित याचिका दायर की गयी है।

अधिवक्ता विशाल तिवारी द्वारा दायर याचिका में जांच के लिए शीर्ष अदालत के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक राष्ट्रीय न्यायिक आयोग या विशेषज्ञ समिति गठित करने का आग्रह किया गया है। याचिका में कहा गया है कि यदि शीर्ष अदालत यह आयोग या समिति गठित करती है तो वह डायथिलीन ग्लाइकॉल (डीईजी) और एथिलीन ग्लाइकॉल (ईजी) युक्त 'दूषित कफ सिरप' के निर्माण, परीक्षण और वितरण की गहन स्वतंत्र जांच करने में सक्षम होगी। याचिका के अनुसार, शिवपुरी (मध्य प्रदेश) और बाड़मेर (राजस्थान) में हाल ही में हुई घटनाओं ने गंभीर चिंता पैदा कर दी है, क्योंकि कथित तौर पर तमिलनाडु की दवा कंपनी मेसर्स श्रीसन फार्मा प्राइवेट लिमिटेड द्वारा निर्मित कोल्ड्रिफ कफ सिरप के सेवन से कई बच्चों की कथित तौर पर मौत हो गई।

पूर्व प्रधानमंत्री देवगौड़ा अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली, 07 अक्टूबर। पूर्व प्रधानमंत्री और जेडीएस पार्टी के अध्यक्ष एचडी देवगौड़ा को तबीयत खराब होने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के चलते एचडी देवगौड़ा को बेंगलुरु के मणिपाल अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

- उम्र संबंधी बीमारियों से जूझ रहे 93 वर्षीय देवगौड़ा को संक्रमण के कारण मणिपाल अस्पताल में भर्ती कराया गया।

रिपोर्ट्स के मुताबिक उम्र संबंधी बीमारियों से जूझ रहे 92 वर्षीय देवगौड़ा की अचानक तबीयत बिगड़ गई। इसी सिलसिले में उन्हें बेंगलुरु के मणिपाल अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल की ओर से एक बयान भी जारी किया गया, जिसमें कहा गया कि पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा को संक्रमण के कारण ओल्ड एयरपोर्ट रोड स्थित मणिपाल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वर्तमान में डॉक्टर्स की टीम उन पर निगरानी रख रही है।

'मुझे न लोभ है ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सीजेआई और मेरा विरोध करने वालों से पूछता हूं- क्या उन लोगों के खिलाफ योगी की बुलडोजर कार्रवाई गलत थी, जो लोग सरकारी जमीन पर कब्जा किए बैठे थे। मैं आहत हूं और रहूंगा।''

किशोर उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में हुए उन बुलडोजर अभियानों का जिक्र कर रहे थे, जिनमें योगी आदित्यनाथ सरकार ने दंगों के आरोपियों की कथित अवैध संपत्तियां तोडी थीं। दंगे उस समय भड़के थे, जब प्रशासन ने ''आई लव मुहम्मद'' लिखा बैनर हटाया था।

राकेश किशोर 2009 से दिल्ली बार काउंसिल में पंजीकृत वरिष्ठ वकील हैं और सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन तथा शाहदरा बार एसोसिएशन सहित, कई बार एसोसिएशंस के सदस्य हैं। वे दिल्ली के मयूर विहार में रहते हैं। पुलिस ने घटना के समय उनके पास से कई बार एसोसिएशन सदस्यता कार्ड बरामद किए।

संदर्भित घटना सोमवार सुबह करीब 11:35 बजे सुप्रीम कोर्ट के कोर्ट नंबर 1 में हुई, जब किशोर ने सुनवाई के दौरान कथित रुप से अपने स्पोर्ट्स शूज उतारकर सीजेआई गवई की ओर फेंकने की कोशिश की। सुरक्षा कर्मियों ने तुरंत उन्हें रोक लिया, जिससे कोई नुकसान नहीं हुआ। बाहर ले जाए जाने के दौरान किशोर ने नारे लगाए- ''सनातन का अपमान नहीं सहेंगे।''

सीजेआई गवई शांत बने रहे और वकीलों से कहा, ''ध्यान मत भटकाइए'', और कार्यवाही जारी रखी।

घटना के बाद, ऑल इंडिया लॉयर्स यूनियन ने सुप्रीम कोर्ट परिसर में प्रदर्शन किया। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए किशोर ने एक्स पर लिखा, ''मेरे खिलाफ प्रदर्शन करने सिर्फ 7 लोग आए। इसका मतलब है कि ज्यादातर वकील अप्रत्यक्ष रूप से एंटी -हिन्दू सुप्रीम कोर्ट के खिलाफ मेरे कदम का समर्थन कर रहे हैं।''

जयपुर- ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दोनों ओर कई किलोमीटर लंबा जाम लग गया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हादसे पर दुख व्यक्त किया है और उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा व विधायक कैलाश वर्मा को मौके पर रवाना किया। साथ ही, जिला कलेक्टर और एसपी को सतर्कता बरतने व राहत कार्य तेज करने के निर्देश दिए गए हैं।

मोदी ने पुतिन को जन्म दिन की बधाई दी

नयी दिल्ली, 09 अक्टूबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ टेलीफोन पर बातचीत की और उन्हें जन्मदिन की बधाई दी।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि मोदी ने राष्ट्रपति पुतिन को टेलीफोन कर उनके 73वें जन्मदिन पर उन्हें हार्दिक बधाई दी और उनके अच्छे स्वास्थ्य एवं सभी प्रयासों में सफलता की कामना की।

दोनों नेताओं ने भारत और रूस के द्विपक्षीय एजेंडे में प्रगति की समीक्षा की और दोनों देशों के बीच विशेष एवं विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को और प्रगाढ़ बनाने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

प्रधानमंत्री ने कहा कि वे 23वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए राष्ट्रपति पुतिन का भारत में स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं।

सितम्बर की वर्षा के बाद सड़कों पर नई रिपोर्ट पेश करेगी सरकार

- हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को रिपोर्ट पेश करने के लिए चार सप्ताह का समय दिया है।

जयपुर, 7 अक्टूबर। शहर की खराब व टूटी-फूटी सडकों के हालात व इससे आमजन को हो रही परेशानी से जुड़े मामले में राज्य सरकार ने मंगलवार को हाईकोर्ट में कहा कि उन्होंने अगस्त महीने में तथ्यात्मक रिपोर्ट दे दी थी। इसके बाद कई सड़कों पर पैचवर्क कराया गया, लेकिन सितंबर महीने में भी बारिश हुई है। ऐसे में अब नए सिरे से सडकों के हालात की रिपोर्ट पेश कर दी जाएगी। वहीं, न्याय मित्र तनवीर अहमद ने कहा कि जब सरकार नई रिपोर्ट के लिए कह रही है तो हम भी उसका जवाब बाद में ही दे देंगे। इस पर अदालत ने राज्य सरकार को चार सप्ताह में रिपोर्ट देने का निर्देश देते हुए मामले की सुनवाई छह सप्ताह बाद तय की है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह व शुभा मेहता की खंडपीठ ने यह आदेश शहर की खराब व टूटी-फूटी सडकों के हालात पर लिए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान मामले में दिए।

दरअसल हाईकोर्ट ने जुलाई महीने में शहर की खराब सड़कों व गड्ढों पर प्रसंज्ञान लेते हुए जेडीए और निगम आयुक्तों को निर्देश दिया था कि वे शहर की सडकों का सर्वे कर दो सप्ताह में इस संबंध में तथ्यात्मक रिपोर्ट दें। अदालत ने अफसरों से पूछा था कि शहर की सड़कों के मौजूदा हालात और उन्हें सुधारने की स्थिति क्या है।

एयर इंडिया के विमान से पक्षी टकराया

- हादसा टला, यात्री सुरक्षित, कोलम्बो की वापसी उड़ान रद्द।

चेन्नई, 07 अक्टूबर। कोलंबो से चेन्नई के बीच उड़ान भरने वाले एअर इंडिया के एक विमान के इंजन से मंगलवार को एक पक्षी टकरा गया और बड़ा हादसा बच गया। अधिकारियों ने बताया कि विमान के चेन्नई हवाईअड्डे पर उतरने के बाद दुर्घटना का पता चला और एयरलाइन ने अपनी वापसी यात्रा रद्द कर दी। घटना के वक्त विमान में 158 यात्री सवार थे। सभी पूरी तरह सुरक्षित हैं।

एअर इंडिया के एक प्रवक्ता ने कहा, चेन्नई से कोलंबो जा रहे विमान एआई 273 के चालक दल ने एक संदिग्ध पक्षी के टकराने की सूचना दी थी।

अलवर बालिका ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हाईकोर्ट जज को लेटर लिखवाया है। राज्य सरकार ने मौके पर जांच की है, लेकिन मौके पर किसी तरह की अव्यवस्था नहीं मिली। दूसरी ओर मामले में विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से रिपोर्ट पेश की गई। इस पर अदालत ने कहा कि दोनों रिपोर्ट अलग-अलग हैं। ऐसे में विभाग के निदेशक मामले में तथ्यात्मक रिपोर्ट दें। मामले के अनुसार, अलवर बालिका गृह में रहने वाली किशोरियों की ओर से गत दिनों हाईकोर्ट के एक न्यायाधीश को शिकायती पत्र भेजा गया था, जिसमें कहा गया था कि सरकारी अधिकारियों की निष्क्रियता के चलते उन्हें अनुदान मिलने में गंभीर समस्याएं आ रही हैं। इसके साथ ही अधिकारियों पर प्रताडऩा का भी आरोप लगाया गया था। पत्र पर कार्रवाई करते हुए हाईकोर्ट की एकलपीठ ने मामले में स्वप्रेरणा से प्रसंज्ञान लिया था। इसके साथ ही, एकलपीठ ने मामले को जनहित याचिका के तौर पर सुनवाई के लिए खंडपीठ के समक्ष सूचीबद्ध करने को कहा था।

आईएसआई ने बलूचिस्तान में दो आतंकी संगठनों में गठबंधन कराया

'राजनीति में मेरा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कठोर रुख अपनाने वाले नेताओं को संतुष्ट करने के लिए है।

भाजपा सूत्रों के अनुसार, सीट-बंटवारे की बातचीत को चुनाव तिथियों की घोषणा तक टालना एक रणनीतिक कदम है, ताकि टिकट न मिलने पर नेताओं की आखिरी समय पर होने वाली दलबदल को रोका जा सके।

इस बीच, एलजेपी के सूत्रों ने उन रिपोर्टों को ख़ारिज किया, जिनमें कहा गया था कि भाजपा और जेडीयू ने आपस में 200 सीटों का बँटवारा कर लिया है और बाक़ी की सीटें सहयोगियों को दी जाएँगी।

सूत्रों ने पूछा, ''क्या किसी नेता ने आधिकारिक घोषणा की है?'' साथ ही यह भी स्पष्ट किया कि एलजेपी की बातचीत भाजपा से होगी, न कि जनता दल यूनाइटेड से, जो नीतीश कुमार की पार्टी के साथ जारी तनाव का एक और संकेत है।

लेकिन सीट बंटवारे से आगे भी पासवान-भाजपा रिश्ते में कई परतें हैं। एक प्रमुख मुद्दा है, चिराग पासवान की मुख्यमंत्री बनने की इच्छा, जिसे वे अब खुलकर जाहिर कर रहे हैं।

मंगलवार सुबह एलजेपी ने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स पर एक पोस्टर साझा किया, ''अबकी बार, युवा बिहारी।''

पोस्टर में चिराग पासवान को मुख्यमंत्री पद के दावेदार के रूप में दिखाया गया था। यह संदेश सीधा और स्पष्ट था, एलजेपी ने चिराग को नीतीश कुमार का उत्तराधिकारी बताने की कोशिश की, साथ ही भाजपा के लोकसभा चुनाव वाले नारे की तर्ज़ पर अपने समर्थन का संकेत भी दिया।

एलजेपी सूत्रों ने बताया कि अब पार्टी का ध्यान ''चिराग पासवान के नेतृत्व को बिहार में मज़बूत करने'' पर है। राजनीति में जैसे वोट अहम होते हैं, वैसे ही छवि की लड़ाई भी होती है। एलजेपी अब चिराग पासवान को विपक्षी उम्मीदवार तेजस्वी यादव के सीधे प्रतिद्वंद्वी के रूप में पेश करने की तैयारी कर रही है।

मानवाधिकार...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

करें और आयोग इनसे अपेक्षा रखता है कि वे एसएमएस अस्पताल के मरीजों व उनके परिजनों की सुरक्षा सुनिश्चित करें। आयोग के अध्यक्ष जस्टिस जीआर मूलचंदानी ने यह आदेश मीडिया में प्रकाशित खबरों पर स्वप्रेरित प्रसंज्ञान लेते हुए दिया।

आयोग ने कहा कि पहले भी एसएमएस अस्पताल में प्लास्टर गिरने से मरीजों के घायल होने सहित, अन्य मुद्दों पर आयोग ने आदेश दिए थे, लेकिन फिर भी एसएमएस अस्पताल में इन घटनाओं की पुनरावृत्ति हो रही है।

मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया कि अस्पताल में अग्निशमन सेफ्टी सिस्टम ही सुचारू नहीं था और इस कारण ही अस्पताल में इतना बड़ा हादसा हुआ। ये सभी घटना दर्दनाक व मानवीय संवेदनाओं को झकझोर करने वाली हैं और बताती हैं कि अस्पताल प्रशासन मरीजों व उनके परिजनों के प्रति उदासीन है।

जीतन राम मांझी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बदलना नई बात नहीं है, लेकिन एनडीए और महागठबंधन, दोनों ही गठबंधनों के लिए खतरा यह है कि अगर जन सुराज जैसी नई पार्टी नेता तोड़ने में सफल होती है, तो मुकाबला त्रिकोणीय हो सकता है। उदाहरण के तौर पर, अब्दुल बारी सिद्दीकी उत्तर बिहार के सम्मानित अल्पसंख्यक नेता हैं। वे राज्य के वित्त मंत्री और सांसद रह चुके हैं, लेकिन आरजेडी में पीढ़ीगत बदलाव के बाद, उन्हें हाशिए पर कर दिया गया था। अगर वे जनसुराज पार्टी में शामिल हो जाते हैं, तो पार्टी को मुसलमान वोट बैंक में पैठ बनाने में मदद मिल सकती है, क्योंकि बिहार में मुस्लिम मतदाता कम से कम 18 प्रतिशत हैं।

इसी प्रकार हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा से हुए दल-बदल ने एनडीए में भी चिंता बढ़ा दी है। जैसे ही ये खबरें आईं, भाजपा के चुनाव प्रभारी धर्मेन्द्र प्रधान ने उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और जीतन राम मांझी के साथ मीटिंग की। भाजपा को डर है कि हिन्दुस्तानी अवामी मोर्चा के नेताओं के पार्टी बदलने के बाद, खुद मांझी भी पाला बदल सकते हैं, किन्तु मांझी ने ऐसी किसी संभावना से इनकार किया है। एनडीए की दूसरी चिंता लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के नेता चिराग पासवान के आगामी कदमों को लेकर है। खबरें हैं कि चिराग, उन्हें दी जा रही सीटों की संख्या को लेकर असंतुष्ट हैं और पिछले कुछ दिनों से एनडीए के बड़े नेताओं के फोन कॉल्स का जवाब नहीं दे रहे हैं। ऐसी अटकलें भी हैं कि वे प्रशांत किशोर के साथ हाथ मिला सकते हैं।

तीन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मान्यता दी, जो मानवीय पैमाने पर क्वांटम परिघटनाओं को प्रदर्शित करने की खोज में एक सफलता का प्रतीक है। मालूम हो कि विजेताओं को 11 मिलियन स्वीडिश क्रोना (भारतीय रुपयों में 10.3 करोड़), सोने का मेडल और सर्टिफिकेट दिया जाएगा।

यह पाकिस्तानी सेना के जम्मू-कश्मीर में उग्रवाद को भड़काने की मंशा दर्शाता है

- लश्कर ए तैयबा (एलईटी) तथा इस्लामिक स्टेट खुरासान प्रांत (आईएसकेपी) का गठबंधन अफगानिस्तान व बलूचिस्तान के लिये लोगों के लिये खतरे का संकेत है।

नयी दिल्ली, 07 अक्टूबर। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में कुख्यात जासूसी एजेंसी आईएसआई की मदद से दो घातक आतंकी संगठनों, लश्कर ए तैयबा (एलईटी) और इस्लामिक स्टेट खुरासान प्रांत (आईएसकेपी) के बीच एक नये गठबंधन को क्रियान्वित किया गया है।

यह गठजोड़ अफगानिस्तान और बलूचिस्तान के लोगों के लिए बढ़ रहे खतरे की ओर इशारा कर रहा है। इससे यह भी संकेत मिलता है कि पाकिस्तानी सेना जम्मू-कश्मीर में उग्रवाद को फिर से भड़काने का इरादा रखती है जिससे क्षेत्रीय शांति को भंग किया जा सके।

आईएसकेपी की प्रचार पत्रिका ''यलगार'' के हालिया अंक में इस बदलाव का संकेत दिया गया है। इससे पता चलता है कि उनकी भारत के राज्य जम्मू- कश्मीर में अपनी गतिविधियों का विस्तार करने की मंशा है। इस गठजोड़ की आईएसआई पूरी तरह से मदद कर रही है। प्रचार पत्रिका से जानकारी मिली है कि पाकिस्तान कथित तौर पर लश्कर ए तैयबा और आईएसकेपी के बीच सहयोग को सुगम बना रहा है और लश्कर के लॉजिस्टिक नेटवर्क का उपयोग आईएसकेपी की आतंकी क्षमताओं को बढ़ ाने के लिए किया जा रहा है।

दरअसल पाकिस्तान सेना अपने क्षेत्रीय उद्देश्यों को पूरा करने के लिए आतंकी समूहों का छद्म रूप से उपयोग करती रही है। सेना की लंबे समय से चली आ रही यह नीति अब भी बेरोकटोक जारी है, इस कड़ी में अब आईएसकेपी उसका नवीनतम हथियार बनकर उभरा है। पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठान बलूच राष्ट्रवादियों और तालिबान शासन के उन तत्वों को निशाना बनाते हैं जो इस्लामाबाद को चुनौती देते हैं। इसके लिए दाइश (आईएसआईएस) और आईएसकेपी का इस्तेमाल किया जाता है।

हाल ही में सामने आयी एक तस्वीर में आईएसकेपी के बलूचिस्तान समन्वयक मीर शफीक मेंगल को लश्कर ए तैयबा के सीनियर कमांडर राना मोहम्मद अशफाक को एक पिस्तौल उपहार में देते हुए दिखाया गया है। यह तस्वीर खतरे की घंटी बजा रही है और आईएसआई के सीधे संरक्षण में पाकिस्तान के विस्तारित आतंकी गठजोड़ को उजागर कर रही है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600